THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 313 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ शु.6 2079 शुक्रवार, 27 जनवरी 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम में नहीं पहुंचे केसीआर

राज्यपाल बोलीं : तेलंगाना के इतिहास में लिखा जाएगा सीएम ने संविधान का सम्मान नहीं किया

हैदराबाद, 26 जनवरी (एजेंसियां)। तेलंगाना में गणतंत्र दिवस पर राज्य सरकार द्वारा हाईकोर्ट के आदेश की अवहेलना करने का मामला सामने आया है। यहां लगातार दूसरे साल गणतंत्र दिवस का सार्वजनिक समारोह नहीं हुआ। राजभवन में राज्यपाल तमिलसाई सौंदराजन ने राष्ट्रध्वज फहराया, लेकिन इस दौरान सीएम के. चंद्रशेखर राव मौजूद नहीं रहे। वे कहीं शिलान्यास करने चले गए।

दरअसल, तेलंगाना सरकार ने कोरोना महामारी के चलते लगातार दूसरे साल राजभवन में ही गणतंत्र दिवस कार्यक्रम करने की अपील की थी। मामला हाईकोर्ट पहुंच गया। हाईकोर्ट ने सिकंदराबाद में पूरी तैयारी के साथ गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन करने का निर्देश दिया था। इसके बावजूद कार्यक्रम नहीं हुआ।

सीएम नहीं आए, राज्यपाल नाराज :
राजभवन के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री केसीआर के शामिल नहीं होने पर राज्यपाल तमिलसाई सौंदरराजन ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा, तेलंगाना के इतिहास में लिखा जाएगा कि सीएम ने संविधान का सम्मान नहीं किया। राज्यपाल ने कहा, तेलंगाना ने गणतंत्र दिवस की गतिविधि को कम करके आंका। यहां कोई सार्वजनिक कार्यक्रम नहीं हुआ। मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों के खिलाफ जाकर सार्वजनिक कार्यक्रम नहीं किया। सीएम चाहते थे कि मैं राजभवन में ही झंडा फहराऊं।

कोई सार्वजनिक भागीदारी नहीं हो। फिर भी मुझे उम्मीद थी कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री कार्यक्रम में आएंगे, क्योंकि दो महीने पहले मैंने एक पत्र लिखा था कि इस बार जनभागीदारी से भव्य तरीके से कार्यक्रम किया जाए। लेकिन उन्होंने जवाब नहीं दिया।

अभी दो दिन पहले उन्होंने पत्र दिया कि राजभवन में आयोजन किया जाए। उस पत्र में भी उन्होंने इस बात का जिक्र नहीं किया कि वे इसमें शामिल होंगे, लेकिन लोग देख रहे हैं।

आरआरआर के म्यूजिक डायरेक्टर और गीतकार को सम्मानित किया

राजभवन में ही गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में राज्यपाल तमिलसाई सौदरराजन ने आरआरआर फिल्म के नाटू नाटू गाने के कंपोजर एमएम कीरावानी और गीतकार चंद्रबोस को सम्मानित भी किया। यह गाना हाल ही में ऑस्कर के लिए नॉमिनेट हुआ है। इसी महीने इस गाने को गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड भी मिला था।

सीएम ने सैनिक स्मारक का शिलान्यास किया :
सीएम के. चंद्रशेखर राव गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए, लेकिन वे सिकंदराबाद में विरुला सैनिक स्मारक मैदान के शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल हुए। ये दोनों कार्यक्रम एक ही समय पर हुए। बता दें कि तेलंगाना सरकार और राज्यपाल तमिलसाई सौदरराजन के बीच इन दिनों तनातनी चल रही है। इसी के चलते गणतंत्र दिवस पर राज्यपाल द्वारा पढ़े जाने वाले भाषण को भी सरकार द्वारा नहीं भेजा गया।
बजट सत्र में भी इस बार राज्यपाल सदनों को संबोधित नहीं करेंगी।

दुनिया की पहली कोविड नेजल वैक्सीन लॉन्च

* बूस्टर डोज के तौर पर लगेगी
* सरकारी अस्पताल में 325 और निजी में 800 रुपये देने होंगे

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया और साइंस-टेक्नोलॉजी मिनिस्टर जितेंद्र सिंह ने गुरुवार को दुनिया की पहली इंट्रानेजल कोविड-19 वैक्सीन इनकोवासीसी को लॉन्च किया। कोवैक्सिन बनाने वाली हैदराबाद की भारत बायोटेक ने इसे वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन (डब्ल्यूयूएसएम) के साथ मिलकर बनाया है। नाक से ली जाने वाली इस वैक्सीन को बूस्टर डोज के तौर पर लगाया जा सकेगा।

भारत सरकार ने 23 दिसंबर को इस वैक्सीन की मंजूरी दी थी। सबसे पहले नेजल वैक्सीन को प्राइवेट अस्पतालों में उपलब्ध कराया जाएगा, जिसके लिए लोगों को पैसे देने होंगे। दिसंबर में भारत बायोटेक ने घोषणा की थी कि यह वैक्सीन सरकारी अस्पतालों में 325 रुपए में लगवाई जा सकेगी। वहीं प्राइवेट अस्पतालों में इसके लिए 800 रुपए चुकाने होंगे। इस वैक्सीन के लिए कोविन पोर्टल से ही बुकिंग होगी।

नेजल वैक्सीन सामान्य स्प्रे की तरह ले सकेंगे :
फिलहाल हमें मांसपेशियों में इंजेक्शन के जरिए वैक्सीन लगाई जा रही है। इस वैक्सीन को इंट्रामस्कुलर वैक्सीन कहते हैं। नेजल वैक्सीन वो होती है जिसे नाक के जरिए दिया जाता है। क्योंकि ये नाक के जरिए दी जाती है इसलिए इसे इंट्रानेजल वैक्सीन कहा जाता है। यानी इसे इंजेक्शन से देने की जरूरत नहीं है और न ही ओरल वैक्सीन की तरह ये पिलाई जाती है। यह एक तरह से नेजल स्प्रे जैसी है। इंट्रानेजल वैक्सीन को कोवैक्सिन और कोवीशील्ड जैसी वैक्सीन्स लेने वालों को बूस्टर डोज के तौर पर दिया जाएगा। हालांकि इसे प्राइमरी वैक्सीन के तौर पर भी इस्तेमाल किया जा सकता है। भारत बायोटेक के मैनेजिंग डायरेक्टर और चेयरमैन डॉ. कृष्णा एल्ला ने कुछ समय पहले कहा था कि पोलियो की तरह इस वैक्सीन की भी 4 ड्रॉप्स काफी हैं। दोनों नॉस्ट्रिल्स में दो-दो ड्रॉप्स डाली जाएंगी। इस नेजल वैक्सीन का नाम इनकोवासीसी रखा गया है। पहले इसका नाम बीबीवी154 था। इसकी खास बात यह है कि शरीर में जाते ही यह कोरोना के इन्फेक्शन और ट्रांसमिशन दोनों को ब्लॉक करती है।

पीएम की पगड़ी ने फिर खींचा ध्यान

वसंत पंचमी के त्योहार से रही प्रेरित

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। हर बार गणतंत्र दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक खास तरह की टोपी या पगड़ी में नजर आते हैं। गणतंत्र दिवस 2023 के परेड समारोह में वे बेहद आकर्षक पगड़ी में नजर आए। भारत के 74वें गणतंत्र दिवस पर देश की विविधता को दर्शाते हुए पीएम परंपरागत राजस्थानी पगड़ी पहने नजर आए। पीएम की पगड़ी का रंग वसंत पंचमी से भी प्रेरित रहा। पीएम की इस बार की पगड़ी में पीला और केसरिया रंग नजर आया। पीएम मोदी अब तक कई मौकों पर बंधेज वर्क की पगड़ी में नजर आए हैं, आज की उनकी पगड़ी भी बंधेज वर्क की ही है।

वर्ष 2015 से पीएम नरेंद्र मोदी गणतंत्र दिवस पर आकर्षक पोशाक में नजर आए हैं। प्रधानमंत्री बनने के बाद 2015 के पहले परेड में पीएम राजस्थानी बंधनी पगड़ी में नजर आए थे। वर्ष 2016 के गणतंत्र दिवस परेड के दौरान उन्होंने पीले रंग की पगड़ी पहली थी। वर्ष 2017 के गणतंत्र दिवस परेड के दौरान पीएम गुलाबी रंग की सफेद बॉर्डर वाली पगड़ी में नजर आए थे। वर्ष 2018 के गणतंत्र दिवस परेड के दौरान प्रधानमंत्री ने लाल और पीले रंग की पगड़ी पहनी थी।

वर्ष 2019 में पीएम ने लाल की पगड़ी पहनी थी जिसपर सुनहरी धारियां बनीं हुई थीं। वर्ष 2021 में पीएम जामनगर के रॉयल परिवार की ओर से गिफ्ट में मिली लाल पगड़ी पहनी थी। पिछली बार वर्ष 2022 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड की ब्रह्मकमल टोपी (पहाड़ी टोपी) पहनी थी। इसकी जानकारी खुद उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ट्वीट कर दी थी।

पुतिन ने मुर्मू व मोदी को गणतंत्र दिवस की दी बधाई

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को 74वें गणतंत्र दिवस पर अपनी भारतीय समकक्ष द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शुभकामनाएं भेजीं और विभिन्न क्षेत्रों में भारत की उपलब्धियों की सराहना की। रूसी राष्ट्रपति के कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक मंच पर अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

बयान में पुतिन के हवाले से कहा गया है कि आर्थिक, सामाजिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और अन्य क्षेत्रों में भारत की उपलब्धियां किसी से छिपी नहीं हैं। उन्होंने कहा, आपका देश अंतर्राष्ट्रीय स्थिरता, सुरक्षा सुनिश्चित करने और क्षेत्रीय और वैश्विक एजेंडे पर महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। पुतिन ने कहा, हम अपने राज्यों के बीच विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी के संबंधों पर एक उच्च मूल्य निर्धारित करते हैं।

सुखोई, राफेल सहित 45 लड़ाकू विमानों ने दिखाई दुनिया को अपनी ताकत

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। गणतंत्र दिवस परेड का एक बड़ा रोमांच वायु सेना के जहाजों का फ्लाई पास्ट रहा। सुखोई और राफेल जैसे आधुनिकतम लड़ाकू विमान कर्तव्य पथ पर बेहतरीन फॉरमेशन बनाते हुए नजर आए। भारतीय वायु सेना के 45 विमानों, भारतीय नौसेना के एक और भारतीय सेना के चार हेलीकॉप्टरों द्वारा एक सांसों को थाम देने वाला एयर शो दिखाया। इसके अलावा गणतंत्र दिवस परेड में मोटरसाइकिल प्रदर्शन का शो एक बड़ा आकर्षण रहा। राफेल, सुखोई, मिग जैसे विमानों ने कर्तव्य पथ के ऊपर, बाज, प्रचंड, तिरंगा, तंगैल, वजरंग, गरुड़, भीम, अमृत और त्रिशूल सहित विभिन्न रूपों को प्रदर्शित किया।

आकाश में अलग-अलग फॉरमेशन बनाते हुए इन लड़ाकू विमानों ने आसमान में अपनी गर्जना और प्रदर्शन से लोगों का मन मोह लिया। इसके साथ ही वायु सेना के राफेल लड़ाकू विमान द्वारा समापन वर्टिकल चार्ली युद्धाभ्यास किया गया। फ्लाई पास्ट ग्रैंड फिनाले और परेड का सबसे उत्सुकता से प्रतीक्षित खंड, फ्लाई पास्ट था। भारतीय वायु सेना के 45 विमानों में राफेल, मिग-29, एसयू-30, सुखोई-30 एमकेआई जगुआर, सी-130, सी-17, डोर्नियर, डकोटा, एलसीएच प्रचंड, अपाचे, सारंग और एईडब्ल्यूएंडसी जैसे पुराने और आधुनिक विमान व हेलीकॉप्टर कर्तव्य पथ पर आयोजित फ्लाई पास्ट में शामिल हुए। समारोह का समापन राष्ट्रगान और तिरंगे के गुब्बारे छोड़े जाने के साथ हुआ।

बेटे के इस्तीफा देने पर ए.के. एंटनी ने साधी चुप्पी

तिरुवनंतपुरम, 26 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ए.के. एंटनी अपने बेटे अनिल एंटनी के पार्टी के पदों से इस्तीफा देने के बाद चुप्पी साध लिए हैं। अनिल एंटेनी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बीबीसी के एक वृत्तचित्र की आलोचना करते हुए इसे खतरनाक मिसाल करार दिया। देश में सबसे लंबे समय तक रक्षा मंत्री रहने वाले 82 वर्षीय एंटनी अपने कनिष्ठ सहयोगी जयराम रमेश की एक टिप्पणी से काफी नाराज हैं। गौरतलब है कि रमेश ने केरल के पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी के बेटे चांडी ओमन और ए.के.एंटनी के बेटे अनिल एंटनी के बीच तुलना की थी। पूर्व केंद्रीय मंत्री रमेश ने अपने ट्विटर हैंडल पर लिखा, एक ही राज्य के दो मुख्यमंत्रियों के दो बेटों की कहानी। एक भारत यात्री है और भारत जोड़ो यात्रा में हमारे देश को एकजुट करने के लिए ज्यादातर नंगे पांव चल रहा है। दूसरा अपने कर्तव्यों की अनदेखी करते हुए आज धूप में अपने दिन का आनंद ले रहा है। पिछले साल अप्रैल में उच्च सदन में अपना कार्यकाल समाप्त होने के बाद एंटनी दिल्ली से राज्य की राजधानी अपने घर लौट आए थे। तब से, कभी-कभी राज्य पार्टी मुख्यालय में कार्यालय जाने के अलावा, उन्हें सार्वजनिक रूप से पार्टी के कार्यक्रमों में शायद ही कभी देखा जाता है। हाल ही में पार्टी की एक बैठक के दौरान उन्होंने पार्टी के विभिन्न गुटों के नेताओं के बीच मतभेदों को दूर रखने और 2024 के लोकसभा चुनावों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा। हमेशा लो प्रोफाइल रहने के लिए मशहूर एंटनी अपने संवेदनशील स्वभाव के लिए भी जाने जाते हैं। नाम न छापने की शर्त पर एक मीडिया समीक्षक ने कहा कि अपने बेटे के कदम से एंटनी शायद बहुत कठिन समय से गुजर रहे हैं। आलोचक ने कहा, कांग्रेस नेताओं की मानसिकता को जानने के बाद यह कहा जा सकता है कि हमला अनिल के खिलाफ नहीं, बल्कि एंटनी के खिलाफ है। एंटनी ने दिल्ली में रहकर हमेशा आलाकमान पर हावी होकर राज्य के गलत नेताओं के खिलाफ अनुशासन की तलवार चलाई। बुधवार को जब वह एक समारोह में शामिल होने आए तो एंटनी ने अपने बेटे पर मीडिया के सवालों को टालते हुए कहा कि वह एक निजी समारोह में हैं। अब सभी की निगाहें चालू विधानसभा सत्र पर टिकी होंगी, क्योंकि एंटनी और उनके बेटे के बयान पर विपक्ष को मात देने के लिए सत्ता पक्ष कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष पर निशाना साधने का कोई मौका नहीं गंवाएगा।

27 अप्रैल को सुबह 7:10 पर खुलेंगे बद्रीनाथ धाम के कपाट

टिहरी/नरेंद्रनगर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। बद्रीनाथ धाम में कपाट खुलने की तिथि तय हो गई है। गुरुवार को नरेंद्र नगर में बसंत पंचमी के अवसर के मौके पर भगवान बद्री विशाल के कपाट खेलने का मुहूर्त तय किया गया। इस साल 27 अप्रैल को प्रात: 7:10 पर गुरु पुष्य योग में श्रद्धालओं के लिए कपाट खोले जाएंगे। बद्री विशाल का तेल कलश तिलों का तेल 12 अप्रैल को टिहरी नरेश के राज दरबार नरेंद्र नगर में पिरोया जाएगा और शोभा यात्रा प्रारंभ होगी।राजमहल नरेंद्र नगर में आयोजित धार्मिक समारोह में कपाट खुलने की घोषणा की गई।

तिरंगा पैटर्न की बोतल फेंककर घिरा राम रहीम

वीडियो वायरल होने पर छिड़ा विवाद, अब बोला वह झंडा नहीं, उसमें सिर्फ 3 रंग थे

हिसार, 26 जनवरी (एजेंसियां)। डेरा सच्चा सौदा सिरसा चीफ राम रहीम तलवार से केक काटने के बाद नए विवाद में घिर गया है। राम रहीम ने गणतंत्र दिवस से एक दिन सोशल मीडिया में एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें वह तिरंगे के पैटर्न वाली बोतल इस्तेमाल कर रहा है। ऑर्गेनिक सब्जियां तैयार करने का डेमो देने के बाद राम रहीम ने बोतल को नीचे फेंक दिया था। अब डेरा चीफ इस विवाद पर सफाई दे रहा है।

साध्वी यौन शोषण और हत्या के तीन केस में 20-20 साल की सजा काट रहा राम रहीम 40 दिन की पैरोल पर यूपी के बरनावा आश्रम में है। वह हर दिन सत्संग और दैनिक कामकाज की वीडियो बना रहा है। इसी सीरीज में उसने 25 जनवरी की सुबह ऑर्गेनिक सब्जियां बनाने का एक वीडियो जारी किया था। तिरंगे के पैटर्न वाली बोतल इसी वीडियो में दिखाई गई थी। विवाद के बाद राम रहीम ने कहा है, हमने रंग-बिरंगी बोतलें दिखाई थीं। किसी बोतल में तिरंगा नहीं था। उनमें तिरंगा रंग था।

आपसे गुजारिश है तिरंगा मत बनाना, अशोक चक्र नहीं बनाना, क्योंकि उसमें गोबर भी डलता है, मिट्टी भी डलती है। बोतल में तिरंगा नहीं था, सिर्फ तीन रंग थे। हमने आपको दिखाया था कि ऐसे भी बना सकते हैं। बच्चों तिरंगा नहीं बनाना। तीन रंग इस्तेमाल कर सकते हैं। राम रहीम कुछ दिन पहले पैराल पर रोहतक जेल से बरनावा आश्रम पहुंचा था। यहां उसने डेरा सच्चा सौदा के दूसरे संत शाह सतनाम के जन्मदिन पर तलवार से 5 केक काटे। जिसको लेकर विवाद खड़ा हुआ था।

सुप्रीम कोर्ट तक पहुंची एमसीडी की लड़ाई

आप की मेयर उम्मीदवार शैली ओबेरॉय ने दाखिल की याचिका

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में एमसीडी मेयर चुनाव का मसला पहले से ज्यादा गहराता जा रहा है. अब यह मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है. आम आदमी पार्टी की उम्मीदवार शैली ओबेरॉय ने मेयर चुनाव को लेकर शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया है. उन्होंने अदालत से समयबद्ध तरीके से मेयर का चुनाव कराने का आदेश देने की मांग की है. आप प्रत्याशी शैली ओबेरॉय सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में कहा है कि एमसीडी मेयर का

चुनाव समयबद्ध तरीके से हों. उनकी याचिका पर शुक्रवार यानी 26 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होने की संभावना है.

शैली ओबेरॉय ने बीजेपी पर लगाए ये आरोप

दरअसल, एमसीडी मेयर, डिप्टी मेयर और स्टैंडिंग कमेटी के छह सदस्यों का चुनाव बार-बार स्थगित हो रहा है. पहले छह जनवरी को हंगामे और मारपीट की वजह से चुनाव स्थगित हुआ और 24 जनवरी को एक बार फिर हंगामे की वजह से ही पीठासीन अधिकारी ने मेयर चुनाव को अनिश्चितकालीन समय के लिए टाल दिया. बीजेपी के इस रुख से खफा आप उम्मीदवार शैली ओबेरॉय ने मेयर का चुनाव कराने के सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. उन्होंने शीर्ष अदालत से तय समय में मेयर का चुनाव कराने की मांग की है. शैली ओबेरॉय ने बीजेपी पर जान बूझकर चुनाव टालने का आरोप लगाया है. बता दें कि 15 साल बाद आप ने बीजेपी को एमसीडी इलेक्शन में सत्ता से बेदखल कर दिया है. एमसीडी में चुनाव में आप को बहुमत मिली है. कुल 250 पार्षदों में 134 पार्षद जीतकर एमसीडी पहुंचे हैं. बीजेपी के 104 पार्षद जीत हासिल करने में सफल हुए. नौ सीटों पर कांग्रेस और तीन सीटों पर निर्दलीय प्रत्याशी चुनाव जीतकर दिल्ली नगर निगम में पहुंचे हैं. यही वजह है कि दिल्ली बीजेपी और आप के बीच मेयर, डिप्टी मेयर और स्टैंडिंग कमेटी के छह सदस्यों के चुनाव को लेकर डेढ़ माह से ज्यादा समय से घमासान जारी है.

लातूर में 22.87 करोड़ की बैंक धोखाधड़ी, 2 को पकड़ा

लातूर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। पुलिस ने महाराष्ट्र के लातूर जिले में एक सरकारी बैंक से 22.87 करोड़ रुपये के गबन के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। शिकायतकर्ता तहसीलदार महेश परांडेकर के अनुसार सरकार की जल संरक्षण परियोजना जलयुक्त शिवार अभियान के तहत राशि बांटने का आदेश जारी किया गया था। इसके तहत जल संरक्षण अधिकारियों को आरटीजीएस (रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट) के माध्यम से 12,27,297 रुपये और 41,06,610 रुपये की राशि का वितरण करने के लिए डिमांड ड्राफ्ट दिए गए थे।

जम्मू में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने फहराया तिरंगा, वीर शहीदों को किया याद

जम्मू, 26 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू शहर के एमए स्टेडियम में 74 वें गणतंत्र के अवसर पर मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया गया है। यहां उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने तिरंगा झंडा फहराया और परेड की सलामी ली। इस दौरान उन्होंने प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की बधाई दी। साथ ही देश को आजाद कराने और इसकी रक्षा के लिए अपनी सर्वोच्च बलिदान करने वाले वीर शहीदों को याद किया। वहीं, एलजी मनोज सिन्हा ने पुलिस मेमोरियल पर माल्यार्पण कर जम्मू-कश्मीर पुलिस के शहीदों को श्रद्धांजलि भी दी। उन्होंने कहा कि मैं लोगों, जम्मू कश्मीर पुलिस के कर्मियों, सशस्त्र बलों, सीएपीएफ को विशेष बधाई देता हूं। 1950 में आज ही के दिन संविधान में निहित मूल्यों और आदर्शों को अपनाकर हमारे देश के न्याय, भाईचारे और समानता पर आधारित समाज बनाने की यात्रा पर निकले थे। उपराज्यपाल ने कहा कि सात दशक लंबी विकास यात्रा हमारी समावेशी विचारधारा, राष्ट्रीय एकता, कड़ी मेहनत और गतिशीलता का एक जीवंत उदाहरण है।

राज्यपाल बताएं शिंदे को सरकार बनाने के लिए पत्र जारी किया था या नहीं? राकांपा नेता ने किया सवाल

मुंबई, 26 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे सरकार की संवैधानिक वैधता पर एनसीपी ने एकबार फिर से सवाल खड़े किए हैं। एनसीपी नेता व प्रवक्ता महेश तापसे ने कहा है के महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी इस बात की पुष्टि करें कि क्या उन्होंने पिछले साल जून में एकनाथ शिंदे को पत्र जारी कर उन्हें सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया था? उन्होंने कहा, इस मुद्दे पर देवेंद्र फडणवीस का स्पष्टीकरण अस्वीकार्य है। पत्रकारों से बात करते हुए तापसे ने कहा, आरटीआई के तहत मिली

जानकारी से पता चला है कि महाराष्ट्र के राज्यपाल कोश्यारी ने एकनाथ शिंदे को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करने के लिए कोई पत्र जारी नहीं किया था। उन्होंने कहा, यदि राज्यपाल के कार्यालय की ओर से कोई पत्र जारी नहीं किया गया है, तो यह शिंदे सरकार की संवैधानिक वैधता पर सवाल खड़े करता है।

क्या है मामला?

दरअसल, बीते साल उद्धव ठाकरे गुट के 50 विधायकों ने एकनाथ शिंदे के समर्थन में बगावत कर दी, जिसके बाद उन्होंने भाजपा के साथ मिलकर सरकार बनाई। राकांपा नेता तापसे ने मंगलवार को शिंदे-भाजपा सरकार को असंवैधानिक करार दिया, जिसके बाद उपमुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि राज्यपाल की ओर से सरकार बनाने के लिए उन्हें पत्र मिला था, जो उनके पास है। उन्होंने कहा, इससे संबंधित एक मामला सुप्रीम कोर्ट के समक्ष लंबित है। ऐसे में हमारी सरकार संवैधानिक और कानूनी है।

पद छोड़ना चाहते हैं कोश्यारी

महेश तापसे ने कहा, उनके खुलासे के बाद राज्यपाल कोश्यारी ने अपना पद छोड़ने की इच्छा व्यक्त की है। इसके बाद राजभवन इस मुद्दे पर चुप हो गया है और उपमुख्यमंत्री फडणवीस को राज्यपाल के लिए बोलना पड़ रहा है।

शेख हसीना की बल्ले-बल्ले

बांग्लादेश के भोला में मिला खजाना! कर्ज से मिलेगी मुक्ति

ढाका, 26 जनवरी (एजेंसियां)। शेख हसीना की सारी चिंताएं अब खत्म होने वाली हैं। बांग्लादेश का पूरा कर्ज अब उतरने वाला है। ऐसा इसलिए क्योंकि बांग्लादेश के हाथ एक बड़ा खजाना लग गया है। बांग्लादेश ने देश के दक्षिणी भाग में एक नए प्राकृतिक गैस भंडार की खोज की है जिसमें नए क्षेत्र में बड़ी मात्रा में जीवाश्म ईंधन की संभावना है। रिपोर्ट के अनुसार, भोला जिले में गैस भंडार की खोज सरकारी बांग्लादेश पेट्रोलियम एक्सप्लोरेशन एंड प्रोडक्शन कंपनी लिमिटेड (बीएपीईएक्स) द्वारा की गई। बिजली, ऊर्जा और खनिज संसाधन राज्य मंत्री नसरुल हामिद ने नए गैस रिजर्व की खोज की घोषणा की।

हर दिन इतना निकलेगा गैस

हामिद के मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, नए खोजे गए भोला उत्तर-2 मूल्यांकन कुएं से प्रति दिन 20 मिलियन क्यूबिक फीट से अधिक गैस निकालने की उम्मीद है। बापेक्स ने करीब 3,428 मीटर गहराई तक ड्रिलिंग करके गैस की खोज की। मंत्री ने अपने फेसबुक पेज पर लिखा कि पेट्रोबांग्ला (बांग्लादेश तेल, गैस और खनिज निगम) 2025 तक 46 नए अन्वेषण, विकास और वर्क-ओवर कुओं की खुदाई करेगा। साथ ही, मंत्री ने दक्षिण एशियाई देश में प्राकृतिक गैस की खोज जारी रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

सैकड़ों अरब घन फीट के भंडार का दावा

इन वर्षों में, बापेक्स ने लगभग एक दर्जन छोटे-से-मध्यम आकार के क्षेत्रों की खोज की। अब तक का सबसे बड़ा क्षेत्र भोला में है, जो एक अपतटीय द्वीप है जो 3,403.48 वर्ग किमी के क्षेत्र को कवर करता है और राजधानी ढाका से लगभग 205 किमी दक्षिण में है, जो सैकड़ों अरब घन फीट के भंडार का दावा करता है।

कर्ज में डूबे हसीना के लिए राहत भरी खबर

बांग्लादेश इस समय राजनीतिक अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है। विपक्षी खालिदा जिया की पार्टी ने शेख हसीना सरकार पर दबाव बढ़ा दिया है। दूसरी ओर शेख हसीना देश के बढ़ते कर्ज, मानवाधिकारों के हनन और आर्थिक संकट के कारण देश-विदेश में घिरी हुई हैं। ऐसे में यह खबर उनके लिए बड़ी राहत लेकर आई है।

इंदौर में 16 साल की छात्रा को स्कूल में खेलते समय आया हार्ट अटैक, मौत के बाद आंखें दान की

इंदौर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। हार्टअटैक अब किशोरों की भी जान ले रहा है। इंदौर में एक 16 साल की छात्रा की हार्टअटैक से मौत हो गई, वे कक्षा ११ की छात्रा थी और स्कूल में दोस्तों के साथ खेल रही थी। छात्रा ने इतनी कम उम्र में अलविदा कर दिया, लेकिन उसकी आंखे दूसरों की जिंदगी में रोशनी फैलाएगी। परिजनों ने छात्रा की सुंदर आंखे दान कर दी। छात्रा वृंदा त्रिपाठी को वैसे कोई गंभीर बीमारी नहीं थी। वह रोज की तरह स्कूल गई थी और खेल रही थी। अचानक उसके सीने में दर्द हुआ और वह गश खाकर गिर पड़ी। स्कूल स्टॉफ छात्रा को अस्पताल ले गए, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया और मौत की वजह हार्ट अटैक बताई, हालांकि छात्रा के शव को पोस्टमार्टम के लिए भी भेजा गया है,

कर्नाटक में विधानसभा से पहले बहू ने बढ़ाई देवगौड़ा की टेंशन

परिवार में ही हो सकता है विवाद

बेंगलुरु, 26 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव से पहले ही देवगौड़ा परिवार में विवाद छिड़ सकता है। विधायक एच डी रेवन्ना की पत्नी और जेडी (एस) सुप्रीमो एच डी देवगौड़ा की बहू भवानी रेवन्ना की हासन विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने की इच्छा ने पार्टी के भीतर विवाद को जन्म दे दिया है। हाल ही में भवानी रेवन्ना ने कहा था कि उन्हें हासन निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार बनाने का निर्णय लिया गया था। जिसके बाद जद (एस) नेता और देवगौड़ा के बेटे एच डी कुमारस्वामी ने उनके दावे को खारिज करते हुए कहा कि उनके लिए इस सीट से चुनाव लड़ना जरूरी नहीं था।

परिवार में कोई विवाद नहीं- देवगौड़ा

एच डी कुमारस्वामी ने कहा, "अगर उनकी उम्मीदवारी एकमात्र विकल्प होती, तो मैं उनसे चुनाव लड़ने के लिए कहता लेकिन यह जरूरी नहीं है क्योंकि हासन निर्वाचन क्षेत्र में एक सक्षम उम्मीदवार है।" कुमारस्वामी ने बाद में साफ किया कि भवानी की उम्मीदवारी पर उनके परिवार के भीतर कोई विवाद नहीं हुआ। पिछले चुनावों में विधानसभा चुनाव में अपनी पत्नी अनीता कुमारस्वामी को मैदान में उतारने के फैसले का बचाव करते हुए उन्होंने कहा कि हम बिना किसी विवाद के फैसला लेंगे। अनीता ने 2008 से 2013 तक मधुगिरी निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया और वर्तमान में रामनगर से विधायक हैं। हासन का प्रतिनिधित्व वर्तमान में बीजेपी के प्रीतम गौड़ा द्वारा किया जाता है, जिन्होंने

2018 में एच एस प्रकाश को 13,000 मतों से हराया था। प्रकाश का साल 2018 में निधन हो गया था। वह हासन निर्वाचन क्षेत्र से चार बार के विधायक थे। उनके बेटे एच पी स्वरूप निर्वाचन क्षेत्र से जेडी (एस) के टिकट के लिए मैदान में हैं।

जेडी (एस) में पारिवारिक विवाद

हासन से चुनाव लड़ने की इच्छा रखने वाली भवानी ने सफलतापूर्वक जिला पंचायत चुनाव लड़ा है और 2016 में हासन जिला पंचायत अध्यक्ष के रूप में पसंदीदा कैंडीडेट थीं। वहीं रिपोर्टों के अनुसार, अनीता कुमारस्वामी के विधायक बनने के बाद से दोनों के बीच कड़वाहट पैदा हो गई थी, जिसके बाद देवगौड़ा को शांति के लिए हस्तक्षेप करने के लिए मजबूर होना पड़ा था। हालांकि, पार्टी नेतृत्व ने विधायक टिकट के लिए भवानी रेवन्ना की मांग को स्वीकार नहीं किया था, ताकि भाजपा और कांग्रेस जैसे दल जेडी (एस) पर पारिवारिक पार्टी होने का आरोप न लगा पाएं। पार्टी के उम्मीदवार के रूप में भवानी की घोषणा के बीच जेडी (एस) नेतृत्व ने अभी तक हासन के लिए उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है। पार्टी ने दिसंबर में 93 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की थी।

दिल्ली पुलिस के हेड कॉन्स्टेबल ने सिर में गोली मारकर की खुदकुशी, सुसाइड नोट बरामद

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। आज देश गणतंत्र दिवस मना रहा है और दिल्ली के पहाड़गंज थाने से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है. पहाड़गंज थाने में दिल्ली पुलिस के एक हेड कॉन्स्टेबल आत्महत्या कर ली. जानकारी के मुताबिक, हेड कॉन्स्टेबल देवेंद्र कुमार ने 25 जनवरी और 26 जनवरी की दरमियानी रात खुद को बैरक नंबर में तीन में गोली को मार ली. पुलिस को बैरक से सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है. पुलिस ने मामले की तफ्तीश शुरू कर दी है. बता दें कि इसी महीने दिल्ली पुलिस के एक और हेड कॉन्स्टेबल ने दक्षिणी दिल्ली के वसंत विहार थाने में स्थित इजरायली दूतावास के परिसर में खुद को गोली मार ली थी. हालांकि, वहां से पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला था.

तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा ने हिमाचली टोपी पहन टीवी पर लाइव देखा गणतंत्र दिवस समारोह

धर्मशाला, 26 जनवरी (एजेंसियां)। तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा ने गुरुवार को अपने मैक्लोडगंज स्थित आवास पर टेलीविजन के माध्यम से भारत के गणतंत्र दिवस समारोह को देखा। दलाईलामा ने अपने आधिकारिक फेसबुक अकाउंट से एक पोस्ट साझा इसकी जानकारी दी। इस फोटो में दलाईलामा हिमाचल प्रदेश की पारंपरिक पहाड़ी टोपी पहने हुए दिखे। दो दिनों से खराब मौसम के बीच गुरुवार को धर्मशाला में अच्छी धूप निकली। दलाई लामा ने खिली धूप में बैठकर भारत के गणतंत्र दिवस समारोह का टीवी के माध्यम से सीधा प्रसारण देखा। दलाईलामा की ओर से साझा की गई फोटो में पिछली तरफ धौलाधार की पहाड़ियों से धूप में चमकती हुई खूबसूरत बर्फीली पहाड़ियां दिखाई दे रही हैं। धर्मगुरु दलाईलामा कई बार सार्वजनिक रूप से हिमाचल और धर्मशाला के प्रति अपना प्रेम जाहिर कर चुके हैं। सोशल मीडिया पर साझा की गई फोटो में उन्होंने लामाओं की ओर से ली जाने वाली लाल रंग की शॉल ओढ़ी हुई थी। पहाड़ी टोपी के साथ लाल रंग के लिबास में शेयर की गई फोटो को उनके अनुयायियों द्वारा खूब पसंद और शेयर किया गया। करीब दो घंटों के अंदर ही 9,000 से अधिक लोगों ने इस फोटो को पसंद किया।

सांस लेने की तकलीफ से पीड़ित तीन माह की बच्ची को 51 बार गर्म सलाखों से दागा

शहडोल, 26 जनवरी (एजेंसियां)। शहडोल में सांस लेने में तकलीफ होने पर एक मासूम बच्ची को गर्म सलाखों से 51 बार दागने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार शहर के पुरानी बस्ती में सांस लेने की तकलीफ एक तीन माह की बच्ची को गर्म सलाखों से 51 बार दागा गया। जब बच्ची की हालत में सुधार नहीं हुआ तो परिजन उसे मेडिकल कॉलेज लेकर गए, फिलहाल बच्ची का इलाज जारी है। डॉक्टर निशांत प्रभाकर के अनुसार बालिका की हालत नाजुक बनी हुई है, बताया जा रहा है कि पुरानी बस्ती निवासी रुचिता कोल जन्म के बाद से ही बीमार चल रही थी, निमोनिया और धड़कन तेज चलने की समस्या होने पर परिजनों ने अंधविश्वास के फेर में इलाज के नाम पर बालिका को गर्म सलाखों से दगवा दिया है। इसके बाद भी सुधार नहीं आया तो बालिका की हालत बिगड़ी देख परिजन उसे शहडोल मेडिकल कॉलेज में लेकर आए और भर्ती करा दिया।

गुटखा पर लगे बैन को हटाया गया, मद्रास हाई कोर्ट का फैसला

चैनई, 26 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु में गुटखा और पान मलासा उत्पादन पर लगे बैन को मद्रस हाईकोर्ट ने हटा दिया है। तमिलनाडु में साल 2013 में तंबाकू उत्पादों की बिक्रा, निर्माण और परिवहन पर रोक वाली अधिसूचना को मद्रास हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया है। मद्रास हाईकोर्ट की दो जजों की खंडपीठ (जस्टिस आर सुब्रमण्यम और के कुमारेश बाबू) ने 20 जनवरी को फैसला सुनाया। फैसले में कहा गया कि खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम गुटखा उत्पादों की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का प्रवधान नहीं करता है। हालांकि कुछ आपातकालीन स्थितियों में अस्थयी प्रतिबंध लगाने के लिए सिमित शक्ति प्रदान करता है। जस्टिस के. कुमारेश बाबू और जस्टिस आर. सुब्रमण्यम की खंडपीठ ने अपने आदेश में कहा कि खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम (एफएसएसए) गुटका उत्पादों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का प्रावधान नहीं करता है। अगर हम एफएसएसए के तहत लगातार अधिसूचना जारी करने के लिए खाद्य सुरक्षा आयुक्त की शक्ति को बरकरार रखते हैं, जिससे खाद्य उत्पाद पर लगभग स्थायी प्रतिबंध लगाया जाता है, तो हम कुछ ऐसा करने की अनुमति देंगे जो कानून द्वारा अपेक्षित नहीं था। 2013 में, तत्कालीन अन्नाद्रमुक सरकार ने एफएसएस अधिनियम में अस्थायी प्रावधान के तहत गुटखा और पान मसाला उत्पादों की बिक्री और निर्माण पर प्रतिबंध लगा दिया था, जिसे खाद्य सुरक्षा आयुक्त द्वारा समय-समय पर अधिसूचना जारी करके लगातार बढ़ाया गया था। अदालत ने तंबाकू उत्पादों के निर्माताओं और खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा दायर याचिकाओं और अपीलों के एक बैच पर आदेश पारित किया।

साकेत गोखले ने चंदे से प्राप्त राशि का उपयोग निजी खर्चों के लिए किया : ईडी

कोलकाता, 26 जनवरी (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के प्रवक्ता साकेत गोखले ने चंदे के माध्यम से जमा किए 1.07 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि कथित तौर पर चुनाव जीतने, खाने-पीने और व्यक्तिगत खर्चों पर व्यय की. इसमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी के एक करीबी सहयोगी से प्राप्त 23 लाख रुपये से अधिक की नकद राशि भी शामिल है. ईडी ने साबरमती जेल से 35 वर्षीय गोखले को गिरफ्तार करने के बाद यहां एक स्थानीय अदालत को सौंपे गए अपने 'रिमांड नोट' में ये आरोप लगाए हैं. अधिकारियों ने बताया कि गोखले को अहमदाबाद की अदालत के सामने पेश किया गया, जहां से उसे 31 जनवरी तक ईडी की हिरासत में भेज दिया गया है. गुजरात पुलिस ने गोखले को दिसंबर में चंदा जमा कर जुटाई गई रकम के कथित दुरुपयोग के मामले में दिल्ली से गिरफ्तार किया था. गुजरात उच्च न्यायालय ने सोमवार को इस मामले में गोखले को नियमित जमानत देने से इनकार कर दिया था और कहा था कि आरोपपत्र दाखिल होने के बाद ही वह अदालत का रुख करें. ईडी ने अदालत को बताया कि गोखले ने कथित तौर पर एक संस्थान के नाम पर ''आवरडेमोक्रेसी डॉट इन'' नाम से एक फर्जी इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज तैयार किया, जिसके जरिए उसने ''जायंटट्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड'' नामक एक निजी कंपनी के माध्यम से शिकायतकर्ता और अन्य व्यक्तियों से छोटी-बड़ी रकम एकत्र की. ईडी ने अदालत को बताया कि इस राशि का व्यक्तिगत खर्चों के लिए उपयोग किया गया.

आर्केस्ट्रा की आड़ में जिस्मफरोशी के 'काले खेल' में धकेली गई थीं नाबालिग लड़कियां
5 को छुड़ाया गया, पुलिस पर गंभीर आरोप

मोतिहारी, 26 जनवरी (एजेंसियां)। आर्केस्टा की आड़ में देह व्यापार के काले खेल का मोतिहारी में उद्भेदन हुआ है. तुरकौलिया थाना के महनवा बाजार में हुई इस कार्रवाई में पांच नाबालिग लड़कियों का रेस्क्यू किया गया है. इनमें चार असम की बताई जा रही हैं. बताया जा रहा है कि दिल्ली से आये स्वयंसेवी संस्थाओं के दो सदस्यों के प्रयास से इस काले खेल का खुलासा हो सका. बताया जा रहा है कि जिन पांच नाबालिग लड़कियों को चंगुल से छुड़ाया गया है उनमें चार असम की रहनेवाली हैं. इस काले खेल में संलिप्त तीन लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. हालांकि, छापेमारी के दौरान अंधेरे का लाभ लेकर दो कारोबारी फरार होने में सफल रहे. दूसरी ओर यह भी आरोप लगाया जा रहा है इस काले खेल में तुरकौलिया थाना पुलिस की पूरी संलिप्तता है. यही कारण रहा कि प्राथमिकी दर्ज करने मे देरी की गई. आरोप है कि टीम के सदस्यों के साथ साथ रेस्क्यू हुई लड़कियों के साथ दुर्व्यवहार भी किया गया है. रेस्क्यू दिल्ली की मिशन मुक्ति फाउंडेशन और रेस्क्यू फाउंडेशन ने किया है. जबकि मोतिहारी संस्था आईडिया और चाईल्ड केयर के सहयोग से रेस्कयू किया गया. दिल्ली से आये मिशन मुक्ति फाउंडेशन के चेयरमैन वीरेन्द्र सिंह ने बताया कि असम से गुप्त सूचना मिली थी जिसके आधार पर कार्रवाई की गई है. तुरकौलिया के महनवा बाजार में ऑर्केस्टा संचालन की आड़ में देह व्यापार का धंधा चलाया जा रहा था.

जिसमें एसपी के निर्देश पर तुरकौलिया थाना पुलिस ने छापेमारी में सहयोग किया, लेकिन एफआईआर दर्ज करने में काफी देरी की जाती रही. इस दौरान मुख्य अभियुक्त मुसा शेख नामक सरगना के नाम को हटाने का दवाब भी दिया जाता रहा. उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग नई दिल्ली के निर्देश पर प्राथमिकी दर्ज करने और लड़कियों को बाल कल्याण समिति के समक्ष भेजने की कार्रवाई शुरू की गई.

भारत-पाकिस्तान के जवानों ने अटारी-वाघा सीमा पर एक दूसरे को दी मिठाइयां

अमृतसर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब के अमृतसर में गुरुवार (26 जनवरी) को अटारी-वाघा सीमा पर 74वें गणतंत्र दिवस के मौके पर देशभक्ति का माहौल छाया रहा. इस अवसर पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने अटारी-वाघा सीमा पर पाकिस्तानी रेंजर्स को मिठाई भी भेंट की. जीरो लाइन और पाकिस्तान चौकियों से कुछ मीटर की दूरी पर बीएसएफ के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) ने तिरंगा फहराया. बीएसएफ कमांडेंट जसबीर सिंह ने सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं और कहा कि जेसीपी अटारी ने राष्ट्रीयता के प्रतीक के रूप में एक विशिष्ट पहचान बनाई है. हर शाम एक रिट्रीट समारोह होता है और यहां रोजाना हजारों लोग मनोबल व उत्साह बढ़ाने के लिए आते हैं. उन्होंने आगे बताया कि उन्होंने यहां कई कार्यक्रम आयोजित किए हैं और पाकिस्तान रेंजर्स को मिठाई भी खिलाई है. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को नई दिल्ली में कर्तव्य पथ से 74वां गणतंत्र दिवस मनाते हुए देश का नेतृत्व किया. मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी परेड में मुख्य अतिथि थे. उन्होंने आज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अनेक नेताओं के साथ कर्तव्यपथ पर रंगारंग गणतंत्र दिवस परेड देखी. यह पहला अवसर है जब मिस्र के किसी राष्ट्रपति को भारत के गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि बनाया गया है.

देहरादून के परेड मैदान में कार्यक्रम में सुरक्षा में चूक, सुरक्षा घेरा तोड़ मंच तक पहुंची भीड़

देहरादून, 26 जनवरी (एजेंसियां)। 74वें गणतंत्र दिवस के मौके पर देहरादून के परेड ग्राउंड में आयोजित मुख्य कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा में चूक सामने आई। प्रस्तुतियों के दौरान सुरक्षा घेरा तोड़कर सैकड़ों लोग मंच के पास पहुंच गए। लोग बैरिकेडिंग लांगकर निकाली जा रही झांकी के ट्रैक तक पहुंचे। इस दौरान भीड़ देखकर पुलिस-प्रशासन में हड़कंप मच गया। जिसके बाद एसएसपी दलीप सिंह को खुद मोर्चा संभालना पड़ा। हालात यहां तक पहुंच गए कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कहने पर कर्मियों को मंच से निर्देश देना पड़ा कि आमजन के साथ नरमी से पेशाएं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
शुक्रवार, 27 जनवरी, 2023

सुविचार किसी को भी दूसरे के श्रम पर मोटे होने का अधिकार नहीं है। कर्म करना प्राणी का धर्म है।

पहाड़ी श्याम मंदिर में भव्यता से की गई श्री श्याम बाबा की स्थापना

भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने किया दर्शन-पूजन

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्री पहाडी श्याम मंदिर, महिंद्रा हिल्स स्थित पहाड़ी श्याम मंदिर के भव्य प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में श्री श्याम बाबा की स्थापना श्याम दीवाने, मलकपेट द्वारा किया गया। मंदिर प्रांगण में मुख्य यज्ञाचार्य पुरुषोत्तम शास्त्रीजी के आचार्यत्व में पांच दिवसीय 21 कुंडीय प्रथम प्रहाराज के यजमान तुषार अग्रवाल-हर्षा अग्रवाल सहित यजमान में हवन कुंड में सपत्निक यज्ञ में आहुतियां डाली। महोत्सव के अंतर्गत श्री श्याम भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें मुम्बई के रामअवतार अग्रवाल, कोलकाता के श्याम अग्रवाल, अनमोल पराशर, सौरभ शर्मा, नगर के पंकज ओझा, प्रतीक दाहिमा, सागर व्यास ने श्री श्याम बाबा के चरणों में भजनों की धाराप्रवाह गंगा बहाते हुए सारे वातावरण को भक्ति के रंग में रंग दिया।

प्रतिष्ठा महोत्सव के अंतर्गत श्री श्याम बाबा की स्थापना सुबह 8.38 बजे की गई और सुबह 11.16 बजे पट खुलने का समय पहला दर्शन, सुबह 11.21 बजे प्रथम महाआरती, दोपहर 1 बजे भंडारा प्रसादी कार्यक्रम के बाद शाम 4 बजे श्री श्याम बाबा महायज्ञ पूर्णाहुति एवं आरती का कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अनंत विभूषित परिव्राजकाचार्य पूज्य महामंडलेश्वर श्री योगी यतीन्द्रानंद्र गिरिजी महाराज (श्री पंचदशानाम जूना अखाड़ा) ने सभी को आशीष प्रदान किया। अवसर पर महामंडलेश्वर का स्वागत ट्रस्ट द्वारा किया गया।

मुख्य अतिथि गोशामहल विधायक टी. राजा सिंह, सम्माननीय अतिथि श्री श्यामप्रेम मंडल, दिल्ली के संजीव मित्तल, प्रसिद्ध उद्योगपति नरेंद्रकुमार गोयल की महत्ती उपस्थिति रही।

मुख्य यजमान तुषार अग्रवाल-हर्षा अग्रवाल, लक्ष्मीनारायण मंदिर के यजमान रमाकांत गोयल, शशिकांत गोयल, अनिता गोयल, राधाकृष्ण मंदिर के यजमान रवि सबलका-पिंकी सबलका, यज्ञ के यजमान अरुण कुमार परशुराम पुरिया सरिता परशुरामपुरिया, कालीचरणड- अनिता, मुकेश गुप्ता- भावना गुप्ता, अरुण गुप्ता-अंजलि गुप्ता, नागेश अग्रवाल-निधि अग्रवाल, आशीष अग्रवाल- अर्चना अग्रवाल, कार्तिक अग्रवाल-ज्योति अग्रवाल, किशन कुमार गोयनका-रेखा गोयनका, विनित गुप्ता, कृति गुप्ता, दीपक गुप्ता-ममता गुप्ता, सुनील कुमार सरायवाला संतोष सरायवाला, गोपालदास अग्रवाल-निशा अग्रवाल, प्रवीण कुमार बंसल रेणुका बंसल, संदीप मित्तल-नीतू मित्तल, नवीन मित्तल पायल मित्तल, राजेन्द्र प्रसाद-मीरा देवी, अतुल रुंगटा कंचन रुंगटा, संजय अग्रवाल- निशा अग्रवाल, ब्रजमोहन कुमार रुंगटा-गिरिजा रुंगटा, नरेश कुमार अग्रवाल-शारदा अग्रवाल, मनोज अग्रवाल-सुजाता अग्रवाल, मनीष अग्रवाल-रितिका अग्रवाल, गोपाल सिंघानिया-शीतल सिघानिया, प्रवीण अग्रवाल सीमा अग्रवाल, नागेन्द्र संघी-सुनीता संघी, सुनील कुमार अग्रवाल-अरुणा अग्रवाल, अश्विन अग्रवाल ललिता अग्रवाल, राहुल गुप्ता-अपेक्षा गुप्ता, अजय कुमार-करुणा अग्रवाल, महेश-कुसुम अग्रवाल, मोहित अग्रवाल-श्लोका अग्रवाल, श्याम बजाज मीता बजाज, सुशील कुमार-मीला, नीलिमा व अन्य ने आहुतियां दी।

कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री श्याम दीवाने चैरिटेबल ट्रस्ट के अरुण डाकोतिया, अशोक सिंघानिया, रमाकांत गोयल, अनिल संघी, प्रवीण अग्रवाल, रूपेश सिंघानिया, अक्षय डाकोतिया, विजय अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, ब्रिजेश मोदी व अन्य ने सहयोग प्रदान किया।

गोशामहल विधानसभा क्षेत्र स्थित बीआरएस कार्यालयों में वरिष्ठ बीआरएस नेता व समाजसेवी नंदू बिलाल ने झंडावंदन करने के बाद विभिन्न समाजसेवा में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं का हौसला अफजाई की।

जन सेवा संघ ने मनाया 74वां गणतंत्र दिवस

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेवा संघ द्वारा मनाया गया 74वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। संघ के महासचिव केडी चौबे द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार जन सेवा संघ के केंद्रीय कार्यालय में ध्वजारोहण किया गया।

संघ के अध्यक्ष एलएम चौधरी ने झंडे को सलामी देते हुए देश के वीर सपूतों को याद किया। वंदे मातरम, जय हिंद, भारत माता की जय के उदघोष के साथ पूरा वातावरण देश भक्ती से ओत प्रोत हो गया, जिसमें जन सेवा संघ के अध्यक्ष एल एम चौधरी, पीपी पांडेय, आरपी सिंह, नारायण ओझा, सुनिल श्रीवास्तव, सुशील श्रीवास्तव, एसपी सिंह, हरी सिंह, राधे राधे श्यामराय यादव, गोविंद तिवारी, सुमेर सिंह राठौर, जितेंदर तिवारी, नंद किशोर चौधरी, मनोज कुमार सिंह यादव, लक्ष्मण, एम डी मुन्नावर, भूपेंदर मिश्रा आदि उपस्थित हुए। विभिन्न क्षेत्रों में जन सेवा संघ क्षेत्रीय समिति द्वारा झंडा तोलन का आयोजन किया गया

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, MOHAMMED ABDUL HAQ SIDDIQUI, R/o.18-1-350/11/67, Gulshan Iqbal Cly, HYD, T.S, changed my child name from ABDUL LATEEF SIDDIQUI to MOHAMMED ABDUL LATEEF SIDDIQUI.

I, BAKHITA MUSALLEM SALEH MOHAMMED AL AMERI, R/o.13-1-1233/48/1, Natraj Nagar, Tappachabutra, Hyd-06. T.S. HAVE TO CHANGE NAME BAKHITA MUSALLEM SALEH ALQAMDA ALAMERI, W/o.MAZHAR MOHAMMED.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

पावरग्रिड एसआरटीएस-I में मनाया गया 74वां गणतंत्र दिवस

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पावरग्रिड दक्षिणी क्षेत्र ट्रांसमिशन सिस्टम-I (एसआरटीएस-I), मुख्यालय सिकंदराबाद में 74वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि राजेश श्रीवास्तव, कार्यकारी निदेशक (एसआरटीएस-I) कहा कि भारत एक बार फिर विश्व गुरु होगा, जब हम तक्षशिला या नालंदा जैसे ज्ञान उत्कृष्टता के विश्व स्तरीय केंद्रों में सीखने के अपने संस्थानों को ऊपर उठाएंगे, जो अनुसंधान और नवाचार, निर्देशात्मक नेतृत्व और नैतिक व्यवहार की मानसिकता को बढ़ावा देते हैं, और है भारतीय सिद्धांतों में निहित है और भारतीय विचार पर निर्मित है। इस अवसर पर एनवी राजू, मुख्य महाप्रबंधक (प्रोजेक्ट), आलोक कुमार शर्मा, मुख्य महाप्रबंधक (एएम) और अन्य वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी और उनके परिवार के सदस्य बच्चों के साथ उपस्थित थे।

एसबीआई स्थानीय प्रधान कार्यालय ने 74वां गणतंत्र दिवस मनाया

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय प्रधान कार्यालय, हैदराबाद ने 74वां गणतंत्र दिवस मनाया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक अमित झिंगरन ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। श्री झींगरन ने कहा कि हमारे स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा आजादी मिलने के बाद हमारे पूर्वजों ने भारत का संविधान बनाने, सभी रियासतों को एकीकृत करने और भारत को एक सच्चा गणतंत्र बनाने के लिए बहुत जमीनी काम किया था। यह सभी स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा की गई कड़ी मेहनत को याद करने का समय है। भारत हमेशा से ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध देश रहा है। गोलकुंडा किले से लेकर काकतीय राजवंश और रामप्पा मंदिर तक, तेलंगाना और भारत में हमारी समृद्ध संस्कृति और स्थापत्य वर्चस्व का प्रमाण देने वाले बहुत से ऐतिहासिक स्थान हैं। ये सभी हमारे देश की समृद्धि और इंजीनियरिंग के चमत्कार को दर्शाते हैं। सटीक इंजीनियरिंग और वास्तुकला की समृद्धि यह साबित करती है कि हमारी संस्कृति अन्य देशों की तुलना में बहुत उन्नत रही है। पिछले 2 वर्षों में हर अर्थव्यवस्था को कोविड और यूक्रेन युद्ध के दौरान नुकसान उठाना पड़ा, सभी अर्थव्यवस्थाओं को बहुत तनाव का सामना करना पड़ा, जबकि भारत ने अपनी लचीलापन और 7% के करीब मजबूत और लगातार सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि देखी है। यह अगले आने वाले वर्षों में अपने सबसे अच्छे रूप में विकसित होने का अनुमान है। अगले 25 साल भारत के साल होने जा रहे हैं और इसलिए हमारे माननीय प्रधान मंत्री ने इसे आजादी का अमृत काल के रूप में तय किया है। भारत की जनसंख्या जो दुनिया में सबसे बड़ी है, अपनी युवा कामकाजी आबादी के आधार पर हमें जनसांख्यिकीय लाभांश भी दे रही है। अगले 15-25 वर्षों में हमारी कामकाजी उम्र की आबादी गैर काम करने वालों की तुलना में अधिक होगी, जिससे न केवल भारत के लिए बल्कि दुनिया के लिए भी मांग और माल का निर्माण होगा। इस आबादी द्वारा बनाई गई मांग और उत्पादन भारतीय अर्थव्यवस्था को जीवंत बनाए रखेंगे। अगले 15-25 साल भारत के साल होने जा रहे हैं।

सरकार ने उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन की शुरुआत की है, जिसके कारण हम परिष्कृत स्मार्ट फोन का उत्पादन करने की स्थिति में हैं जो तकनीकी रूप से सबसे उन्नत हैं। कई क्षेत्रों में पीएलआई योजनाएं मांग पैदा कर रही हैं, उत्पादन पैदा कर रही हैं और जीडीपी बढ़ा रही हैं। अर्थव्यवस्था में वृद्धि के साथ, बैंकिंग जो सीधे जुड़ी हुई है, भारत में भी फलफूल रही है। सितंबर 2022 तिमाही में एसबीआई ने सबसे अधिक लाभ घोषित किया है जो पिछले 216 वर्षों में रिकॉर्ड लाभ है।

छावनी परिषद के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। इसमें छावनी परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष जम्पाना प्रताप ने बतौर अतिथि भाग लिया। इस अवसर पर सत्यनारायण, अजित, दुर्गा, प्रेम मुदिराज आदि ने भाग लिया।

सहकारी बैंक आर्थिक दृष्टि से मध्यम व कमजोर वर्ग के विकास की महत्वपूर्ण कडी : रमेश बंग

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। महेश बैंक के बंजारा हिल्स स्थित प्रधान कार्यालय में 74वें गणतंत्र दिवस पर राष्ट्र ध्वज फहराते हुये वैंक के चेयरमैन रमेशकुमार बंग ने सभी को गणतंत्र दिवस एवम बसंत पंचमी की बधाई देते हुये कहा कि बैंक कर्मियों ने कोरोना काल से आम आदमी की वित्तीय जरुरतों को पूरा करने के लिये बहुत जोखम लेकर काम किया वह अभिनंदनीय है। सहकारी क्षेत्र की बैंक रहते हुये विषम स्थितियों में भी महेश बैंक ने एनपीए को कम करने के लिये सराहनीय प्रयास किये हैं। रमेशकुमार बंग ने सहकारी संस्थाओं की अनिवार्यता और महत्ता पर बल देते हुये कहा सहकारी संस्थायें संय्क्त स्वामित्व के साथ लोकतांत्रिय आधार पर नियामक संस्थाओं के दिशा निर्देश में मध्यम और आर्थिक दृष्टि से कमजोर लोगों के विकास के लिये सार्थक और रचनात्मक सहयोग देकर राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाने में बहुत महत्वपूर्ण कडी साबित हो रही है। प्रधानमंत्री ने आर्थिक दृष्टी से ग्राम स्तर से लेकर शहरीय क्षेत्र के हर कमजोर वर्ग एवम विशेष रूप से य्वा वर्ग के आर्थिक उन्नयन के लिये जो योजनायें चालु की उनके सुखद परिणाम सामने आरहे हैं। गणतंत्र दिवस समारोह में निदेशक पुष्पा बूब और वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

गणतंत्र दिवस समारोह पर गोवलीगुडा राममंदिर रोड पर जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल ने ध्वज फहराया। इस अवसर पर मयूर कालेकर, काजल खुशवा, रामकृष्ण, रेणुका, रघु कांबले, अनिल यादव और अन्य ने प्रस्तुत किया।

साइबराबाद सीपीओ में गणतंत्र दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस आयुक्त, साइबराबाद स्टीफन रवींद्र ने आज साइबराबाद सीपी कार्यालय में 74 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर भारतीय राष्ट्रीय ध्वज फहराया। सीपी ने दिवंगत हुए महापुरुषों के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके महान बलिदानों को याद किया।

सीपी साइबराबाद ने इस अवसर पर पुलिस कर्मियों और नागरिकों को बधाई दी। सीपी ने कहा कि हमारा संविधान आज ही के दिन 1950 में लागू हुआ था। ठीक 73 साल पहले, भारत एक गणतंत्र बना था जहां लोग सर्वोच्च हैं और उनके भाग्य को आकार देने की सामूहिक शक्ति है।

यह हमारे लोकतांत्रिक आदर्शों का जश्न मनाने और इसके पोषित इतिहास पर गर्व करने का दिन है। इस अवसर पर ज्वाइंट सीपी अविनाश मोहंती, सीपी ट्रैफिक नारायण नाइक, डीसीपी ट्रैफिक टी श्रीनिवास राव, माधापुर डीसीपी शिल्पावल्ली, डीसीपी शमशाबाद जगदीश्वर रेड्डी, डीसीपी कविता दारा, डीसीपी एडमिन इंदिरा, डीसीपी लावण्या, डीसीपी साइबर क्राइम रीतिराज, डीसीपी रोड सेफ्टी, एलसी नाइक, एडीसीपी, एसीपी, इंस्पेक्टर, मिनिस्ट्रियल स्टाफ और साइबराबाद पुलिस के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

एससीआर महिला कल्याण संगठन ने गणतंत्र दिवस मनाया

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन (एससीआरडब्लूडब्लूओ) ने विद्या विहार हाई स्कूल, चिलकलगुडा, सिकंदराबाद और आकांक्षा, रेलवे परिवारों के दिव्यांग बच्चों के स्कूल, मेट्टुगुडा, सिकंदराबाद के स्कूली बच्चों के बीच 74 वां गणतंत्र दिवस मनाया। दक्षिण मध्य रेलवे एससीआरडब्लूडब्लूओ उपाध्यक्ष पी. श्रीलता ने विद्या विहार और आकांक्षा में बड़ी संख्या में छात्रों की उपस्थिति में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। एससीआरडब्लूडब्लूओ कार्यकारी समिति के सदस्यों ने भी भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए पी. श्रीलता, उपाध्यक्ष ने छात्रों से स्कूल में प्रदान की जाने वाली सुविधाओं का उपयोग करने और जीवन में चमकने के लिए अच्छी तरह से अध्ययन करने का आह्वान किया। उन्होंने छात्रों को शैक्षणिक कौशल, खेल और सांस्कृतिक प्रतिभा विकसित करने की भी सलाह दी। आकांक्षा, रेलवे परिवारों के दिव्यांग बच्चों के लिए स्कूल रेलवे पेरेंट्स एसोसिएशन द्वारा चलाया जाता है और एससीआरडब्लूडब्लूओ द्वारा समर्थित है। एससीआरडब्लूडब्लूओ कार्यकारी सदस्यों के साथ पी. श्रीलता ने मध्य रेलवे अस्पताल, लालागुडा का दौरा किया और वार्डों में रोगियों के लिए उपयोगी उपकरण और बच्चों के वार्ड में खिलौने वितरित किए।

अपराधियों से सख्ती से निपटेंगे : डीएस चौहान

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा आयुक्त डी.एस. चौहान 74 वें भारतीय गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन राचकोंडा पुलिस कमिश्नरेट, नेरेडमेट में भव्य रूप से किया गया। समारोह में डीसीपी, अतिरिक्त डीसीपी, एसीपी, इंस्पेक्टर और राचकोंडा के अन्य अधिकारियों और आयुक्त कार्यालय के कर्मचारियों ने भाग लिया। समारोह के बाद आयुक्त डी.एस. ने कर्मचारियों को संबोधित किया। श्री चौहान ने कहा कि आजादी के बाद संविधान ने हमारे देश को एक सर्वशक्तिशाली, संप्रभु और धर्मनिरपेक्ष राज्य के रूप में आकार देने में प्रमुख भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि सभी को संविधान का सम्मान करना चाहिए जो विभिन्न धर्मों, जातियों और नस्लों के लोगों को एक हथेली पर रखकर देश की अखंडता की रक्षा करता है। उन्होंने याद दिलाया कि संविधान में निहित अधिकारों के कारण सभी वर्गों के लोगों को शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में समान अवसर मिलते हैं। उन्होंने कहा कि राचकोंडा आयुक्तालय में अपराध को नियंत्रित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधों के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए विशेष कार्यक्रम बनाए जा रहे हैं और महिलाओं को अपराध से बचाने और नियंत्रित करने के लिए सभी आवश्यक उपाय किए जा रहे हैं।

समाचार भवन में तिरंगा फहराया गया

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गणतंत्र दिवस के अवसर पर राज्य सूचना एवं नागरिक संबंध विभाग के निदेशक राजामौली ने गुरुवार को मसाब टैंक एफडीसी परिसर स्थित समाचार भवन में राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने संविधान की प्रेरणा से राज्य को सभी क्षेत्रों में विकसित किया और तेलंगाना को देश के लिए एक उदाहरण के रूप में स्थापित किया। इस कार्यक्रम में तेलंगाना राज्य फिल्म विकास निगम के अध्यक्ष अनिल कुर्माचलम, सूचना जनसंपर्क विभाग के अतिरिक्त निदेशक नागैय्या कांबले, संयुक्त निदेशक जगन, श्रीनिवास, सीआईई राधाकिशन व अधिकारी और कर्मचारी शामिल रहे।

पटना में मनाया 74वां गणतंत्र दिवस

बिहार के राज्यपाल और सीएम नीतीश ने दी बधाई

पटना, 26 जनवरी (एजेंसियां)। गणतंत्र दिवस 2023 पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रदेश और देशवासियों को बधाई एवं शुभकामनायें दी हैं. उन्होंने इस अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम के वीर सपूतों को नमन किया और कहा कि उनकी कुर्बानियों को भुलाया नहीं जा सकता है.
भारतीय गणतंत्र के गौरव, एकता एवं अखण्डता को अक्षुण्ण बनाये रखने के लिये अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले सभी वीर सपूतों को भी स्मरण करने का यह दिवस है. यह हमारे लोकतंत्र के जश्न के मनाने और हमारे संविधान में शामिल विचारों एवं मूल्यों को संजोने का अवसर है.

गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान सुरक्षा में चूक

गांधी मैदान से संदिग्ध युवक गिरफ्तार

पटना राजधानी पटना के गांधी मैदान में गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया गया. जहां राज्यपाल फागू चौहान और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शिरकत की. समारोह शुरू होने से ठीक पहले सुरक्षा व्यवस्था में बड़ी चूक सामने आई. गांधी मैदान से एक युवक को बिना पहचान पत्र के पुलिस ने पकड़ा है. जिससे पूछताछ जारी है. बताया जाता है कि उस युवक के कंधे पर एक बैग था. उस बैग को लेकर वह युवक परेड स्थल तक प्रवेश कर गया था. इसी संदेह के आधार पर बम निरोधक दस्ते ने युवक को हिरासत में ले लिया है. युवक रांची निवासी बताया जा रहा है.

तेजस्वी यादव ने अपने आवास पर फहराया झंडा

पटना, 26 जनवरी (एजेंसियां)। देश के 74वें गणतंत्र दिवस के मौके पर डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने अपने आवास 10 सर्कुलर रोड पर तिरंगा फहराया है. दूसरी ओर राजद प्रदेश कार्यालय में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने भी झंडोत्तोलन किया है. वहीं इस मौके पर पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं ने देश की सेवा करने, उन्नति पर ले जाने और एकता और अखंडता को अक्षुण्ण रखने का संकल्प लिया है.

सीएम नीतीश कुमार ने अपने आवास पर किया झंडोत्तोलन

पटना, 26 जनवरी (एजेंसियां)। गणतंत्र दिवस 2023 पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने झंडोत्तोलन किया और तिरंगे को सलामी दी. वहीं अपने बधाई संदेश में सीएम ने कहा कि का ये दिन हमारे लिए खास है. उन्होंने तमाम देशवासियों को गणतंत्र दिवस के अवसर पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारतीय गणतंत्र के गौरव, एकता एवं अखण्डता को अक्षुण्ण बनाये रखने के लिये अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले सभी वीर सपूतों को भी स्मरण करने का यह दिवस है.

मुलायम सिंह यादव को पद्म विभूषण मिलने पर

बहू और बीजेपी नेता अपर्णा यादव की आई प्रतिक्रिया

लखनऊ, 26 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और देश के पूर्व रक्षा मंत्री मुलायम सिंह यादव सहित छह लोगों को देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण के लिए चुना गया है. गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई है. इसके बाद नेताजी की छोटी बहू और बीजेपी नेता अपर्णा यादव की प्रतिक्रिया आई है. बीजेपी नेता अपर्णा यादव ने मुलायम सिंह यादव को पद्म विभूषण मिलने पर प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार के फैसले का स्वागत किया. उन्होंने कहा, भारत सरकार द्वारा देश के पूर्व रक्षामंत्री और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्रद्धेय मुलायम सिंह यादव, पूजनीय पिता जी को पद्म भूषण पुरस्करा से विभूषित किए जाने पर प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार के इस निर्णय का स्वागत करती हूं.

'सठिया गए हैं स्वामी प्रसाद'

रामचरित मानस विवाद पर बोले रामभद्राचार्य

चित्रकूट, 26 जनवरी (एजेंसियां)। पद्म विभूषण रामभद्राचार्य ने सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य को श्रीराम चरित मानस पर टिप्पणी को लेकर आड़े हाथों लिया. कहा कि स्वामी प्रसाद मौर्य सठिए गए हैं. अब उनकी बुद्धि काम नहीं कर रही. श्रीराम चरित मानस की विभिन्न चौपाइयों पर सवाल उठाने और इस ग्रंथ को प्रतिबंधित करने वाली मांग पर कहा कि विनाश काले विपरीत बुद्धि. वहीं श्रीराम चरित मानस में संशोधन करने के आरोप पर मानस ममर्ज्ञ और तुलसी पीठाधीश्वर चित्रकूट रामभद्राचार्य ने कहा कि वह 20 बार कह चुके हैं कि उन्होंने कभी संशोधन किया ही नहीं. उन्होंने संबंधित सवाल उठाने वालों को भी कटघरे में खड़ा किया.
कहा कि पूछने वाले मूर्खों को संशोधन और संपादन का अंतर समझ लेना चाहिए. अब उन्हें यह अंतर नहीं समझ आ रहा तो वह क्या कर सकते हैं. उन्होंने बताया कि इस संबंध में मुकदमा भी चला, लेकिन आरोप खारिज हो गए. अखाड़ा परिषद और राम जन्मभूमि न्यास द्वारा इस संबंध में आपत्ति जताने पर उन्होंने कहा कि वो लोग मूर्ख हैं. उन्होंने कहा कि रामजन्म भूमि न्यास ने आपत्ति नहीं की थी, बल्कि अखाड़ा परिषद ने किया था. इन आपत्तियों को लेकर सभी मुकदमों का निर्णय उनके पक्ष में आया है.

आगरा में गिरी जर्जर इमारत, रेस्क्यू टीम ने चार को सुरक्षित निकाला, बच्ची की मौत

आगरा, 26 जनवरी (एजेंसियां)। दो दिन से हो रही बारिश के बीच आगरा में घटिया सिटी स्टेशन रोड पर गुरुवार सुबह जर्जर इमारत गिर गई। जिसमें इमारत में मौजूद पांच लोग दब गए। मौके पर पहुंची पुलिस के साथ रेस्क्यू टीम ने राहत एवं बचाव कार्य कर चार लोगों को सुरक्षित निकाला। जबकि हादसे में एक मासूम बच्ची की मौत हो गई।

खोदाई के दौरान बराबर वाली तीन मंजिला जर्जर इमारत गिरी

हरीपर्वत के घटिया इलाके में सिटी स्टेशन रोड पर गुरुवार की सुबह तीन मंजिला जर्जर इमारत गिर गई। हादसा धर्मशाला में निर्माण कार्य के दौरान हुआ। नींव खोदाई के दौरान बराबर वाली जर्जर इमारत गिर गई। वहां मौजूद एक ही परिवार के पांच लोग दब गए। चार लोगों को करीब आधा घंटे प्रयास के बाद बाहर निकाला गया।

एक ही परिवार के पांच लोग दबे, चार को सकुशल निकाला

इमारत के मलबे में दबी चार वर्षीय बालिका को एक घंटे से अधिक प्रयास के बाद बाहर निकाला जा सका। पुलिस ने सभी को अस्पताल भेजा है। बालिका बेहोशी की हालत में मिली, उसकी हालत गंभीर है। घटना गुरुवार की सुबह करीब साढ़े सात बजे की है। सिटी स्टेशन रोड पर धर्मशाला है। वहां पर निर्माण कार्य चल रहा है। बताते हैं कि नींव के खोदाई के दौरान धर्मशाला के बराबर वाली जर्जर इमारत गिर गई। जिससे वहां मौजूद मुकेश शर्मा के परिवार के पुत्र और चार वर्षीय नातिन समेत पांच लोग दब गए। घटना से अफरातफरी मच गई।

चार वर्षीय बालिका को एक घंटे प्रयास के बाद बाहर निकाला

आसपास की इमारतों में रहने वाले लोग बाहर निकल आए। पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंच गई। लोगों ने उनके साथ बचाव कार्य करके चार को सकुशल बाहर निकाल लिया।उन्हें अस्पताल भेज दिया।मगर, मुकेश की चार वर्षीय नातिन मलबे में दबी रह गई। उसे डेढ़ घंटे बाद बाहर निकाला। वह बेहोशी की हालत में मिली। उसे गंभीर हालत में अस्पताल में ले जाया गया।

बस्ती के लोगों ने कई बार शिकायत की, किसी ने नहीं की सुनवाई

क्षेत्रीय लोगों के अनुसार सिटी स्टेशन रोड पर स्थित राय बहादुर विश्वंभर नाथ धर्मशाला के करीब 1000 वर्ग फुट क्षेत्र में में नई बिल्डिंग बनाने का काम चल रहा था। यहां मजदूर भी ठहरे हुए थे। पीछे स्थित बस्ती टीला माईथान इससे 20 फीट पहले ही ऊंची थी। बेसमेंट के लिए खोदाई होने के बाद घर 30 फीट ऊंचाई पर हो गया। बस्ती वालों ने शिकायत की, लेकिन किसी ने नहीं सुनी। अब बस्ती के 6 मकान के पिछले हिस्से ढह गई हैं। क्षेत्रीय महिलाएं निर्माण कराने वाले पर कार्रवाई को लेकर हंगामा कर रही हैं।

रामचरितमानस विवाद पर बाबा रामदेव की चेतावनी

कहा- 'जरूरत पड़ी तो...'

लखनऊ, 26 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी समेत कई राज्यों में रामचरितमानस पर लगातार विवादित बयानबाजी जारी है. पहले बिहार के शिक्षा मंत्री और राजद नेता चंद्रशेखर ने विवादित बयान दिया था. इसके बाद कर्नाटक के रिटायर्ड प्रोफेसर और लेखक केएस भगवान ने भगवान राम पर विवादित टिप्पणी की. तब समाजवादी पार्टी नेता स्वामी प्रसाद मौर्य का बयान आया. अब इस विवाद पर योग गुरु बाबा रामदेव ने चेतावनी दी है. बाबा रामदेव ने रामचरितमानस विवाद पर कहा, सनातन पर किसी का हमला नहीं सहेंगे. दिव्य भव्य भारत के लिए हम जिएंगे और जरूरत पड़ी तो अपने प्राणों को न्यौछावर कर देंगे. आज के दिन ये संकल्प होना चाहिए. बाबा रामदेव का ये बयान हरिद्वार में आया है. इससे पहले उन्होंने हरिद्वार में 64वें गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया है.

बंगले की लड़ाई

बिहार सरकार को कटघरे में लाई, विजय सिन्हा ने खत में हकीकत बताई

पटना, 26 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा अध्यक्ष के आवास को लेकर राज्य में विवाद खड़ा हो गया है. 26 जनवरी को परंपरा रूप अध्यक्ष पहले अपने आवास पर झंडा फहराने के बाद ही विधानसभा में झंडा फहराते हैं. इस बार विधानसभा अध्यक्ष के आवास को पूर्व अध्यक्ष विजय सिन्हा (नेता प्रतिपक्ष)ने खाली नहीं किया है. नेता प्रतिपक्ष के लिए आवंटित आवास दुरुस्त कर, उन्हें सौंप देने की रिपोर्ट भवन निर्माण विभाग ने सौप दी है. जबकि आज नेता प्रतिपक्ष विजय सिन्हा जब 26 जनवरी की पूर्व संध्या पर अपने नए आवास पहुंचे, तो उस आवास में अभी रंग-रोगन से लेकर तमाम मरम्मत के कार्य ही चल रहे हैं. बाथरूम में दरवाजा तक नहीं लगा है. ऐसे में नेता प्रतिपक्ष विजय सिन्हा ने बिहार सरकार को पत्र लिखा. जिसमें उन्होंने कहा कि सरकार के इशारे पर आवास व भवन निर्माण विभाग विधान सभा अध्यक्ष के नाते आवंटित मेरे सरकारी आवास को खाली कराने के लिए उतावला है, लेकिन बिहार विधान सभा में नेता विरोधी दल के लिए आवंटित 1, पोलो रोड स्थित आवास के अभी मकड़े के जाले भी नहीं निकाले गए हैं. बुधवार को मैंने आवास का निरीक्षण किया तो पाया कि अभी तो रंगाई-पुताई, सफाई और आवश्यक मरम्मत तक का काम अधूरा है. यह आवास किसी भी दृष्टि से अभी रहने लायक नहीं है.

'बिहार में महागठबंधन अटूट'

ललन सिंह का दावा- ऑल इज वेल, कुशवाहा पर भी दी प्रतिक्रिया

पटना, 26 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार की राजनीति में इन दिनों बहुत कुछ चल रहा है. जेडीयू में आपसी तनातनी की स्थिति है. उपेंद्र कुशवाहा को लेकर लगातार सस्पेंस बना हुआ है. नीतीश कुमार तो बोल चुके कि उनको कोई मतलब नहीं है, लेकिन इधर, जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने कहा है कि पार्टी में सब कुछ ठीक ठाक चल रहा है. कहीं कोई गड़बड़ी नहीं है.

महागठबंधन को कोई नहीं तोड़ सकता

ललन सिंह ने कहा है कि महागठूंधन अटूट है. दल मजबूत है. सभी लोग एक दूसरे के साथ मजबूती से खड़े हैं. इसे कोई नहीं तोड़ सकता. वहीं जेडीयू से उपेंद्र कुशवाहा को अलग करने वाली बात पर कहा कि कोई किसी को साइड नहीं कर रहा है. सबकी अपनी मर्जी है. बता दें कि कयास लगाए जा रहे कि उपेंद्र कुशवाहा जल्द ही जेडीयू छोड़ सकते हैं. हालांकि वो किस दल के साथ जा सकते हैं इसपर किसी की कोई प्रतिक्रिया नहीं है. इसके अलावा बिहार को स्पेशल स्टेटस देने वाली बात को लेकर केंद्र सरकार पर फिर हमला बोला. ललन सिंह ने कहा कि केंद्र बिहार के साथ सौतेला व्यवहार कर रही. गलत रवैया अपना रही है. बिहार को स्पेशल राज्य का दर्जा मिल जाए तो बहुत कुछ विकास यहां हो सकता है. विशेष राज्य के दर्ज़े की मांग की. केंद्र सौतेला व्यवहार कर रही है.

लखीसराय में थे ललन सिंह

बता दें कि ललन सिंह ने लखीसराय में ये सारी बातें कहीं हैं. वहीं मंगलवार को कर्पूरी ठाकुर की जयंती पर भी उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी और केंद्र पर जोरदार प्रहार किया था. मोदी को झूठा बताते हुए कहा था कि केंद्र बिहार में जातीय जनगणना रोकना चाहती है. सुप्रीम कोर्ट में याचिका भी थी, लेकिन कोर्ट ने हमारे पक्ष में फैसला माना. ललन सिंह ने मोदी सरकार को अति पिछड़ा विरोधी बताया था.

नीलगाय से टकराई जगदंबिका पाल की कार

भीषण एक्सीडेंट में एयरबैग खुलने से बची जान

गोरखपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। सिद्धार्थनगर सांसद जगदंबिका पाल के गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई है. गाड़ी में सांसद जगदंबिका पाल के अलावा विद्यार्थी परिषद के नेता प्रदीप मौर्या दो गनर व ड्राइवर भी मौजूद थे. हादसे में सांसद जगदंबिका पाल समेत गाड़ी में सवार लोग बाल-बाल बच गए हैं. बताया गया कि सांसद की गाड़ी नीलगाय से टकराई थी. सांसद जगदंबिका पाल ने हादसे की जानकारी खुद ट्वीट कर दी. जगदंबिका पाल ने बताया कि, आज देर रात्रि लखनऊ से गोरखपुर क्षेत्रीय अध्यक्ष डॉ धर्मेंद्र सिंह जी के सुपुत्री के वैवाहिक समारोह में सम्मिलित होने के लिए जाते समय नीलगाय से भयानक एक्सीडेंट हो गया. ईश्वर की कृपा एवं आप सब के आशीर्वाद से हम सब सुरक्षित हैं. गोरखपुर से सिद्धार्थनगर आते समय काटे चुरेब के पास आज भोर में यह हादसा हुआ. बताया गया कि कार केएयर बैग खुलने से बहुत बड़ा हादसा टल गया. संत कबीर नगर जिले के कोतवाली पुलिस मामला दर्ज कर रही है जांच.

स्वामी प्रसाद मौर्य पर दर्ज हुई एफआईआर

तो भड़कीं बीजेपी सांसद बेटी, बोलीं- बड़ा दिल करना पड़ेगा

लखनऊ, 26 जनवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के एमएलसी और उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने रामचरित मानस को लेकर विवादित टिप्पणी की थी। उनके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज हो गया है। वहीं अब स्वामी प्रसाद मौर्य की बेटी और बीजेपी सांसद संघमित्रा मौर्य ने अपने पिता का समर्थन किया है। संघमित्रा मौर्य ने कहा कि उनके पिता द्वारा उठाए गए हिंदू धार्मिक पाठ के बारे में बिंदुओं पर एक स्वस्थ चर्चा होनी चाहिए। संघमित्रा मौर्य बदायूं से सांसद हैं। उन्होंने द इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए कहा, "एक व्यक्ति के लिए जो भगवान बुद्ध को मानता है और भगवान राम को भाजपा में रहते हुए स्वीकार करता है, मेरे पिता ने रामचरितमानस के एक श्लोक के बारे में संदेह जताया है क्योंकि यह राम के संदेश के खिलाफ है। यह बहस या विवाद का विषय नहीं है, बल्कि विश्लेषण का विषय है।" संघमित्रा मौर्य ने कहा, "हर किसी को अपनी शंका जताने का अधिकार है। यदि कोई युवा छात्र संदेह व्यक्त करता है, तो उसके शिक्षकों और माता-पिता को संदेह स्पष्ट करना चाहिए। रामचरितमानस में भगवान राम ने शबरी द्वारा चढ़ाए गए बेर को उसकी जाति को महत्व दिए बिना खाया लेकिन अगली चौपाई में उसकी जाति का वर्णन किया गया है। अगर किसी ने संदेह जताया है तो विशेषज्ञों, बुद्धिजीवियों और विद्वानों को मीडिया में बहस करने के बजाय संदेह पर चर्चा और विश्लेषण करना चाहिए।" भाजपा नेताओं द्वारा उनके पिता को निशाना बनाए जाने के बारे में पूछे जाने पर संघमित्रा ने कहा, "हम एक ऐसी सरकार का हिस्सा हैं, जिसके प्रमुख प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं, जो 'वसुदेव कुटुम्बकम' यानी एक राष्ट्र, एक परिवार की बात करते हैं। अगर हम इस तरह से किसी को टारगेट करते हैं तो हम इस दिशा में काम नहीं कर पाएंगे। बड़ा दिल करना पड़ेगा नहीं तो पीएम के सपनों को पूरा नहीं कर पाएंगे, स्वीकार करें।" संघमित्रा मौर्य के बयान के बारे में बात करते हुए भाजपा के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा, "मुझे नहीं पता कि उन्होंने क्या कहा है और इस पर गौर करेंगे। लेकिन पार्टी को लगता है कि स्वामी प्रसाद मौर्य द्वारा दिए गए बयान का उद्देश्य विभाजन पैदा करना है। इसके अलावा हम इस देश के कई नागरिकों की तरह भगवान राम में आस्था रखते हैं और इस प्रकार इस तरह की विभाजनकारी टिप्पणियों की निंदा करते हैं। जहां तक हमारे सांसद की टिप्पणी का सवाल है, हम इस पर गौर करेंगे।"

अखिलेश यादव की भी नहीं सुन रहे हैं सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य

अब क्या विवादित बयान दिया?

लखनऊ, 26 जनवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी एमएलसी स्वामी प्रसाद मौर्य की बेलगाम बयानबाजी अब भी जारी है. पहले उन्होंने रामचरितमानस पर विवादित बयान दिया था, जिसके बाद उन्होंने लखनऊ स्थित लेटे हुए हनुमान मंदिर में नहीं जाने की बात कही थी. अब उन्होंने एक बार फिर विवादित बयान दिया है. जिसके बाद अटकलें शुरू हो गई है कि क्या एमएलसी अब अखिलेश यादव की बात भी नहीं सुन रहे हैं. स्वामी प्रसाद मौर्य ने एक बार फिर विवादित बयान दिया है. उन्होंने ब्राह्मण समाज पर सवाल उठाते हुए कहा, जो लोग मेरी टिप्पणी का विरोध कर रहे हैं वो पंडित-पुजारी लोग हैं. क्योंकि उन्हें डर है कि अगर मंदिरों में पूजा नहीं होगी तो हमारा धंधा खत्म हो जाएगा. मेरे इस बयान के बाद सभी पिछड़े वर्ग की महिलाएं मंदिर में आना बंद कर देंगी तो चढ़ावा बंद हो जाएगा और उनकी पेट पूजा बंद हो जाएगी. इसलिए वह पागलों की तरह भौंक रहे है.

हनुमान मंदिर पर दिया ये बयान

इससे पहले लखनऊ के लेटे हुए हनुमान मंदिर में लगे पोस्टर सपा नेता ने कहा, लखनऊ, पकापुल के पास लेटे हुए हनुमान मंदिर में पुजारियों द्वारा प्रतिबंध हास्यास्पद है, अपने पूरे जीवन में इस मंदिर में न कभी गया था न कभी जाऊंगा. जहां भेदभाव हो वहां जाने की जरूरत क्यों. दरअसल, लेटे हनुमान मंदिर के बाहर स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ पोस्टर लगाए गए थे. इन पोस्टरों पर स्वामी प्रसाद मौर्य की तस्वीर लगी था और उसे लाल रंग से क्रॉस किया गया था.

बिजली की दरों को लेकर सांसद संजय सिंह ने सरकार को घेरा, कहा करेंगे प्रदर्शन

लखनऊ, 26 जनवरी (एजेंसियां)। लखनऊ के इको गार्डन में हुए आम आदमी पार्टी की विशाल चेतावनी धरना प्रदर्शन में यूपी प्रभारी सांसद संजय सिंह ने यूपी सरकार पर जमकर हमला बोला. उन्होंने कहा कि 'उत्तर प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं से 23132 करोड़ रुपए ज्यादा वसूले हैं. बिजली के दाम कम करने के बजाय योगी सरकार ने 25% तक बिजली के दामों में वृद्धि करने का प्रस्ताव दिया है. बिजली कनेक्शन भी महंगा कर दिया है. भाजपा के घोषणा-पत्र में जनता को सस्ती और विशेषकर किसानों को मुफ्त बिजली दी जाने की बात कही गई थी, लेकिन वास्तव में योगी सरकार ने बिजली दरों में वृद्धि करने की योजना बना ली है जोकि आम आदमी पार्टी कभी पूरा नहीं होने देगी.'

गौ-हत्या, काफिर और काशी-मथुरा... आरएसएस की मुस्लिम उलेमाओं-बुद्धिजीवियों के साथ बैठक में इन मुद्दों पर हुई चर्चा

मथुरा, 26 जनवरी (एजेंसियां)। देश के हिंदुओं और मुस्लिमों को एक मंच पर लाने की कवायद के तहत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की ओर से देश के मुस्लिम बुद्धिजीवियों के साथ संपर्क और संवाद की कोशिशें लगातार जारी हैं। आरएसएस की कोशिश अब एक कदम और आगे बढ़ गई है और इसमें मुस्लिम उलेमा भी जुड़ गए हैं। इन्हीं कोशिशों के तहत नए साल में 14 जनवरी को आरएसएस नेताओं की मुस्लिम बुद्धिजीवियों और उलेमाओं के साथ तीन घंटे की लंबी मैराथन बैठक हुई, जिसमें संघ प्रमुख मोहन भागवत के हाल ही में दिए गए इंटरव्यू, काशी के ज्ञानवापी मस्जिद एवं मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि मसले से जुड़े विवाद, गौ-हत्या, मॉब लिंचिंग, दोनों पक्षों की तरफ से आने वाले विवादित बयानों के साथ ही काफिर शब्द का इस्तेमाल नहीं करने के मसले पर भी बात हुई।

दोनों पक्षों की तरफ से 20 लोग बैठक में मौजूद थे

इस मैराथन बैठक में यह तय हुआ कि दोनों ही पक्ष पहले सहमति और सौहार्द वाले मुद्दों को लेकर आगे बढ़ेंगे और जल्द ही दोनों पक्षों की तरफ से एक

और बड़ी बैठक की जाएगी। दिल्ली के दरियागंज में पूर्व उपराज्यपाल नजीब जंग के घर पर 14 जनवरी को हुई इस बैठक में आरएसएस की तरफ से कृष्ण गोपाल, रामलाल और इंद्रेश कुमार शामिल हुए। वहीं, मुस्लिमों की तरफ से नजीब जंग के साथ ही पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी, पूर्व सांसद शाहिद सिद्दीकी, उद्योगपति एवं समाजसेवी सईद शेरवानी, जमात ए इस्लामी हिंद से मलिक मोहतसिम खान, जमीयत उलेमा ए हिंद के महमूद मदनी गुट से मौलाना नियाज फारूकी एवं जमीयत के अरशद मदनी गुट से मौलाना फजलुर रहमान कासमी, अजमेर शरीफ से सलमान चिश्ती, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर और इस्लामिक स्टडीज के जानकार सहित दोनों पक्षों की तरफ से लगभग 20 लोग बैठक में मौजूद थे।

'...ताकि समाज में शांति और सौहार्द कायम हो सके'

पूर्व सांसद शाहिद सिद्दीकी ने बताया कि बैठक में इस बात को लेकर सहमति बनी कि दोनों ही पक्ष पहले सहमति वाले मुद्दों को लेकर आगे बढ़ें, ताकि समाज में शांति और सौहार्द कायम हो सके। उन्होंने यह भी बताया कि जल्द ही दोनों पक्षों की तरफ से एक और बड़ी बैठक की जाएगी, जिसमें कई अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। इस तरह की बैठक देश के अलग-अलग हिस्सों में भी आयोजित करने पर चर्चा हुई। शाहिद सिद्दीकी ने बताया कि मुस्लिम पक्ष की तरफ से हाल ही में संघ प्रमुख मोहन भागवत की ओर से दिए गए इंटरव्यू का मसला उठाया गया, जिसके जवाब में संघ नेताओं की तरफ से उन्हें पांचजन्य में छपा हिंदी का इंटरव्यू पढ़कर सुनाया गया। बैठक में शामिल संघ के एक नेता ने बताया कि पांचजन्य का इंटरव्यू सुनने के बाद मुस्लिम पक्ष के लोगों ने भी यह स्वीकार किया कि संघ प्रमुख का इंटरव्यू गलत संदर्भ में तोड़-मरोड़कर पेश किया गया।

मुस्लिम पक्ष ने मॉब लिंचिंग का भी मसला उठाया

बैठक में संघ ने काशी और मथुरा का मसला उठाया, तो मुस्लिम पक्ष की तरफ से यह स्पष्ट तौर पर कहा गया कि इन दोनों मसलों का समाधान तो अदालत के जरिए ही हो सकता है। मुस्लिम पक्ष की तरफ से मॉब लिंचिंग का मसला उठाया गया, जिसे आरएसएस नेताओं ने भी गलत माना। वहीं, संघ नेताओं की ओर से हिंदू भावना का सम्मान और गौ हत्या का मसला उठाने पर मुस्लिम पक्ष की तरफ से कहा गया कि अगर सरकार पूरे देश में गौ हत्या पर पाबंदी का कानून बनाना चाहती है, तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं है और वो इसका समर्थन करेंगे। बैठक में काफिर शब्द के इस्तेमाल का भी मुद्दा उठा। सूत्रों के मुताबिक, संघ नेताओं की तरफ से यह कहा गया कि राष्ट्र सभी को जोड़ता है। हर समुदाय में अलग-अलग फिरके हैं, तो जो किसी भी रूप में ईश्वर यानी ऊपर वाले को मानता है, तो उसे काफिर कैसे कहा जा सकता है? जिस पर मुस्लिम पक्ष यहां तक कि मुस्लिम उलेमाओं ने भी यह स्वीकार किया कि हिंदुस्तान और हिंदुओं के संदर्भ में काफिर शब्द का इस्तेमाल करना पूरी तरह से गलत और अनुचित है और इसका इस्तेमाल कतई नहीं होना चाहिए।

उम्मीद है कि आगे दरवाजे भी खुलेंगेः शाहिद सिद्दीकी

वहीं, शाहिद सिद्दीकी ने आगे बताया कि बैठक में काफी सौहार्दपूर्ण वातावरण में तमाम मुद्दों पर बातचीत हुई। उन्होंने इसे आइस ब्रेकिंग बैठक बताते हुए कहा कि यह दोनों समुदायों के बीच खिड़की खोलने का हमारा प्रयास था और उन्हें उम्मीद है कि आगे दरवाजे भी खुलेंगे। गौरतलब है कि मुस्लिम समुदाय से संपर्क और संवाद बढ़ाने की कवायद के तहत संघ प्रमुख मोहन भागवत ने पिछले वर्ष 22 अगस्त को नई दिल्ली में मुस्लिम बुद्धिजीवियों के एक वर्ग के साथ मुलाकात की थी और इस साल 14 जनवरी को हुई यह बैठक उसी कड़ी का एक हिस्सा थी और इस अभियान के तहत आने वाले दिनों में इस तरह की कई और बैठकें भी होनी हैं।

सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने

उल्फा (आई) के सदस्यों से मुख्यधारा में लौटने का किया आग्रह, कही बड़ी बात

गुवाहाटी, 26 जनवरी (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने गुरुवार को उल्फा (आई) के सदस्यों से मुख्यधारा में लौटने का आग्रह किया। सीएम ने कहा कि उल्फा (आई) संगठन राज्य में शांति की राह में 'आखिरी मील' है। उन्होंने कहा कि एक बार बातचीत हुई तो असम शांति के मार्ग पर बढ़ जाएगा।

'राज्य विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है'

सीएम सरमा ने कहा, ये वो असम नहीं है जो उल्फा के गठन के समय था। आज, राज्य तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। लोगों की मानसिकता में बदलाव आया है और ये परिवर्तन उल्फा (आई) में दिखना चाहिए।'' सरमा ने 74वां गणतंत्र दिवस मनाने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में ये बात कही।

संपर्क में है सरकार

इससे पहले मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा था कि असम सरकार प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उल्फा (आई) नेतृत्व के साथ संपर्क में है ताकि उन्हें बातचीत की मेज पर लाया जा सके है। सीएम सरमा जिनके पास गृह विभाग भी है ने कहा था कि सरकार के साथ बातचीत के लिए परेश बरुआ के नेतृत्व वाले उल्फा (आई) को बातचीत की टेबल पर लाने का प्रयास किया जा रहा है।

बंद का आह्वान

इस बीच बता दें कि असम में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों ने गणतंत्र दिवस के मौके पर बंद का आह्वान किया है। साथ ही लोगों से गणतंत्र दिवस समारोह का बहिष्कार करने की अपील की। इस बीच, असम सहित पूर्वोत्तर के सभी राज्यों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

एमपी के डॉक्टर को पद्म श्री से नवाजा गया

लोगों के इलाज के लेते हैं महज 20 रुपये फीस

जबलपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले के एक 77 वर्षीय डॉक्टर, डॉ एमसी डावर को भारत सरकार द्वारा चौथे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पदम श्री से सम्मानित किया गया है. 74वें गणतंत्र दिवस के मौके पर बुधवार शाम पद्मश्री पाने वालों की सूची जारी की गई. डावर का जन्म 16 जनवरी, 1946 को पंजाब, पाकिस्तान में हुआ था और विभाजन के बाद वे भारत आ गए थे. 1967 में, उन्होंने जबलपुर से एमबीबीएस (बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी) पूरा किया. उन्होंने 1971 में भारत-पाक युद्ध के दौरान लगभग एक साल तक भारतीय सेना में भी काम किया है. उसके बाद वे 1972 से जबलपुर में बहुत मामूली शुल्क पर लोगों को स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान कर रहे हैं. उन्होंने 2 रुपये में लोगों का इलाज करना शुरू किया और वर्तमान में वह अपनी फीस के रूप में सिर्फ 20 रुपये लेते हैं. पद्म श्री से सम्मानित होने पर डॉ डावर ने कहा, 'कभी न कभी कड़ी मेहनत फायदा मिलता है, भले ही इसमें देरी हो. यह उसी का परिणाम है और यह लोगों का आशीर्वाद है कि मुझे यह पुरस्कार मिला है.' अपने जीवन के अनुभवों के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, 'इतनी कम फीस लेने को लेकर सदन में चर्चा जरूर हुई थी, लेकिन इस पर कोई विवाद नहीं था. हमारा मकसद सिर्फ लोगों की सेवा करना था, इसलिए फीस नहीं बढ़ाई गई.' सफलता का मूल मंत्र है कि धैर्य से काम लिया जाए तो सफलता अवश्य मिलती है और सफलता का सम्मान भी होता है. डावर के बेटे ऋषि ने कहा, 'हम सोचते थे कि पुरस्कार केवल राजनीतिक पहुंच के कारण दिए जाते हैं, लेकिन जिस तरह से सरकार जमीन पर काम करने वाले लोगों को ढूंढ़ रही है और उन्हें सम्मानित कर रही है, यह बहुत अच्छी बात है और हमारे पिता को यह पुरस्कार मिला है.' डावर की बहू सुचिता ने कहा, 'यह हमारे लिए, हमारे परिवार के लिए और हमारे शहर के लिए बहुत गर्व की बात है.'

डिप्टी कलेक्टर ने सरकारी अस्पताल में कराई पत्नी की डिलीवरी, बेटी होने पर मनाया अनोखा जश्न

भिंड, 26 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के चंबल इलाके में बेटी पैदा हो होने पर घर मातम छा जाता था. उसी जिले में एक डिप्टी कलेक्टर के घर जब बेटी का जन्म हुआ, तो उन्होंने ऐसा किया जिसने समाज को संदेश दिया कि बेटी आई, खुशियां लाईं. डिप्टी कलेक्टर ने शानदार तरीके से बेटी का घर में स्वागत किया. बेटी के जन्म पर भिंड के डिप्टी कलेक्टर पराग जैन का परिवार इतना खुश हुआ कि नवजात बच्ची को अस्पताल से घर लाने से पहले शानदार तैयारियां की गईं. घर के दरवाजे को न सिर्फ फूलों से सजाया गया, बल्कि अस्पताल से घर तक बैंड बाजे के साथ बारात निकाली गई. जिसके बाद घर लक्ष्मी पूजन कराते हुए गृह प्रवेश कराया गया. डिप्टी कलेक्टर के यहां बेटी के जन्म पर होने वाली खुशी को आसपास के लोग भी देखने पहुंच गए. बैंड-बाजे के साथ किया

'भारत के खिलाफ...', बीबीसी डॉक्यूमेंट्री पर बोले गोवा के राज्यपाल, ब्रिटिश सरकार को भी घसीटा

गोवा, 26 जनवरी (एजेंसियां)। गोवा के राज्यपाल पी एस श्रीधरन पिल्लै ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और 2002 के गुजरात दंगों पर बना बीबीसी का विवादास्पद डॉक्यूमेंट्री भारत के खिलाफ षड्यंत्र है. राज्यपाल ने पणजी के पास गणतंत्र दिवस की एक परेड का निरीक्षण करने के बाद अपने संबोधन में कहा कि 'प्रधानमंत्री का चरित्र हनन' देश के खिलाफ हमले, उनके अपमान और दुर्भावनापूर्ण कृत्य के समान है. विदेश मंत्रालय ने डॉक्यूमेंट्री इंडियाः द मोदी क्वेश्चन की निंदा की है और इसे दुष्प्रचार वाला बताया है. राज्यपाल पिल्लै ने कहा कि मौजूदा विवाद दुर्भावनापूर्ण है. उन्होंने कहा कि चरित्र हनन के मामले में आम नागरिक अदालत में जा सकते हैं ; लेकिन प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति और मंत्रियों का प्रतिनिधित्व ऐसे मामलों में लोक अभियोजकों को करना होता है. राज्यपाल पी एस श्रीधरन पिल्लै ने कहा कि इसका मतलब है कि प्रधानमंत्री का चरित्र हनन देश के खिलाफ हमले, उनका अपमान और दुर्भावनापूर्ण कृत्य के समान है. इसलिए मैं कहना चाहूंगा कि बीबीसी का यह कृत्य अच्छा नहीं है. राज्यपाल ने कहा कि बीबीसी स्वतंत्र संस्था नहीं है और ब्रिटिश संसद के प्रति जवाबदेह है. राज्यपाल ने कहा कि मैं ब्रिटिश सरकार को जिम्मेदार नहीं ठहरा रहा लेकिन भारत के खिलाफ कोई षड्यंत्र है. पिल्लै ने कहा कि वह मौजूदा परिस्थितियों के बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहते लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के जी20 समूह का प्रमुख बनने के बाद उन्होंने एक विश्व, एक परिवार, एक भविष्य का नारा दिया है.

संप्रभुता पर हमला है यह डॉक्युमेंट्री

बाद में संवाददाताओं से बातचीत में पिल्लै ने कहा कि हमारी कानून प्रणाली और परंपराओं के तहत प्रधानमंत्री के चरित्र पर हमला देश की संप्रभुता पर हमले के समान है. उन्होंने कहा कि इस मामले में प्रधानमंत्री पर हमला भारतीय न्यायपालिका के लिए भी चुनौती है. भारतीय न्यायपालिका दुनिया में सर्वश्रेष्ठ है. उसने इस मामले (गुजरात दंगों) पर नजर रखी है और इससे प्रधानमंत्री को जोड़ने का सवाल ही नहीं है.

18 गज दुकान का प्रॉपर्टी आईडी टैक्स 87 लाख रुपए

निगम पार्षद की है शॉप, 23 दिन पहले 27 हजार था

हिसार सिटी, 26 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के हिसार शहर में वार्ड 2 की पार्षद कविता केडिया की 18 गज की दुकान की प्रॉपर्टी आईडी में करीब 1 करोड़ का टोटल टैक्स दिखाया गया। पार्षद कविता केडिया और उनके पति प्रवीन कुमार इतना भारी भरकम टैक्स देखकर हैरान रह गए। मेयर गौतम सरदाना से मुलाकात कर पार्षद ने पूरे मामले से अवगत करवाया। मेयर ने पार्षद केडिया को लिखित में शिकायत देने के लिए कहा। वार्ड 2 की पार्षद कविता केडिया ने मेयर गौतम सरदाना को दी शिकायत में लिखा कि 24 दिसंबर 2022 को 18 गज की दुकान की प्रॉपर्टी आईडी बनाने के लिए नई फाइल लगाई थी। 2 जनवरी को 2023 को निगम में प्रॉपर्टी आईडी के अनुसार टैक्स को भरने के लिए आया तो संबधित विभाग ने कुल करीब 27 हजार रुपए भरने के लिए कहा गया था। लेकिन बुधवार को बकाया भरने आए तो कर्मचारी ने ऑनलाइन चेक करके 87 लाख रुपए से अधिक बकाया दिखा दिया।

2 दिन में हो गए 87 लाख

पति प्रवीन कुमार ने बताया कि 2 पहले भी जब निगम से चेक किया था तो 1 करोड़ से अधिक दिखा रहा था, लेकिन 25 जनवरी को दोबारा चेक किया तो करीब 87 लाख रुपए बकाया दिखा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रॉपर्टी आईडी में फायर टैक्स, कूड़ा चार्ज, हाउस टैक्स और डेवलपमेंट चार्ज 4 तरह का चार्ज किया जाता है। सभी चार्ज जोड़कर 2 जनवरी को 27 हजार रुपए दिखाए गए थे। लेकिन आज भरने के लिए गए तो करीब 87 लाख दिखाया गया।

पति नवजोत सिद्धू की रिहाई पर संशय से भड़की नवजोत कौर

कहा-वे खूंखार जानवर हैं, सब दूर रहें

चंडीगढ़, 26 जनवरी (एजेंसियां)। पटियाला सेंट्रल जेल में सजा काट रहे पंजाब कांग्रेस के पूर्व प्रधान नवजोत सिंह की आज 'आम माफी' के तहत होने वाली रिहाई पर सस्पेंस बना हुआ है। उनकी पत्नी डॉ.नवजोत कौर सिद्धू ने इस पर अपना गुस्सा जाहिर किया है। नवजोत कौर ने ट्वीट किया- नवजोत सिद्धू खूंखार जानवर की कैटेगरी में आते हैं। यही कारण है कि सरकार उन्हें 75वें आजादी दिवस पर मिलने वाली राहत नहीं देना चाहती। आप सब से अनुरोध है कि उनसे दूर रहें। पंजाब के मुख्य सचिव कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, कैदियों की रिहाई पर राज्यपाल की अनुमति लेने के लिए प्रत्येक कैदी के बारे में अलग-अलग फाइल मुख्यमंत्री कार्यालय पहुंचनी जरूरी थी। इनमें रिहा किए जाने वाले प्रत्येक कैदी का पूरा विवरण दर्ज होता कि वह किस अपराध में सजा काट रहा है? अब तक सजा की कितनी अवधि पूरा कर चुका है? सजा के दौरान जेल में कैदी का आचरण और व्यवहार जेल स्टाफ और अन्य कैदियों के साथ कैसा रहा? मुख्यमंत्री ने बुधवार को जेल विभाग की सूची पर हस्ताक्षर नहीं किया और न ही इसे राज्यपाल के पास भेजा। पता चला है कि मुख्य सचिव कार्यालय के मार्फत यह फाइल जेल विभाग को लौटा दी गई है और प्रत्येक कैदी से संबंधित अलग-अलग फाइल भेजने को कहा गया है। इससे गणतंत्र दिवस पर नवजोत सिंह सिद्धू की रिहाई को लेकर असमंजस बरकरार है। जबकि नवजोत सिद्धू की सोशल मीडिया टीम ने दावा किया है कि सिद्धू 26 जनवरी को रिहा होंगे। टीम ने सोशल मीडिया पर एक रोड मैप जारी किया है। इसमें सिद्धू के जेल से रिहा होने के बाद उनके जुलूस मार्ग की जानकारी दी गई है।

रोडरेज मामले में सजा काट रहे सिद्धू नवजोत सिद्धू को 1988 में रोडरेज के एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एक साल की सुनाई थी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद, स्थानीय अदालत के सामने आत्मसमर्पण करने पर उन्हें 20 मई, 2022 को जेल भेज दिया गया था। देश में हर साल स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस पर 'अच्छे आचरण' वाले कैदियों को समय-पूर्व रिहा करने की परंपरा है। हालांकि इसके लिए कुछ नियम निर्धारित हैं, जिसमें संबंधित कैदी अपनी 66 फीसदी सजा पूरी कर चुका हो लेकिन निर्ममता से हत्या, गैंगरेप और रेप के अपराधियों को सजा में छूट नहीं दी जाती। नवजोत सिद्धू अपनी 68 फीसदी सजा पूरी कर चुके हैं और अपराध के मामले में वह साधारण कैदियों की श्रेणी में आते हैं।

पिहोवा में झंडा फहराने पहुंचे मंत्री संदीप सिंह का विरोध

महिला ने किया हंगामा, कहा-आप अपवित्र

कुरुक्षेत्र, 26 जनवरी (एजेंसियां)। पिहोवा में राज्यमंत्री संदीप सिंह ने गणतंत्र दिवस पर तिरंगा फहराया। इसी दौरान एक महिला ने जमकर हंगामा किया। महिला ने कहा साहब आप अपवित्र हैं जिंदा नहीं रह सकते। महिला के हंगामे पर अधिकारियों व पुलिस की सांसें फूल गई और कड़ी मशक्कत कर महिला को वहां से हटाया गया। पुलिस उसे अपने साथ ले गई। विरोध करने वाली महिला की पहचान सोनिया दूहन के तौर पर हुई है जो हिसार के पेटवार गांव की रहने वाली है। पुलिस ने उसके चाचा से भी पूछताछ की। सोनिया दूहन को पुलिस ने बिना कार्रवाई किए ही छोड़ दिया है, लेकिन सोनिया ने कहा कि वह मंत्री की गिरफ्तारी व पद से हटाए जाने तक विरोध जारी रखेगी और राय लेकर कानूनी कार्रवाई भी करेगी। उन्होंने पत्रकारों के सामने आरोप लगाया कि वह संदीप सिंह का विरोध करने आई थी और इस दौरान उनके साथ छेड़खानी तक की गई लेकिन वह किसी को बख्शने वाली नहीं है। सोनिया किसान आंदोलन में जिला हिसार में खटकड़ टोल प्लाजा पर सक्रिय रही थी। सोनिया जनवादी सभा से जुड़ी है। ध्वजारोहण के दौरान वह स्टेज के पास पहुंची और हंगामा शुरू कर दिया। ध्वजारोहण के दौरान लोग भारत माता के नारे लगा रहे थे वहीं सोनिया चिल्ला चिल्ला कर मंत्री को ध्वजारोहण करने से रोकने का प्रयास कर रही थी। इससे पहले चौक पर भी कुछ लोग विरोध करने पहुंचे लेकिन पुलिस ने कड़े बंदोबस्त पहले से ही किए हुए थे। पुलिस ने जगह-जगह नाकेबंदी की हुई थी लेकिन यह महिला अचानक स्टेज के पास कैसे पहुंची यह भी जांच की जा रही है।

नामीबिया से लाए चीतों को देखने कूनो जाने का है प्लान तो जान लें नया अपडेट

एक मादा की तबीयत खराब, चिंता में अफसर

भोपाल, 26 जनवरी (एजेंसियां)। नामीबिया से कूनो नेशनल पार्क में लाए गए 8 चीतों में से एक मादा चीते की तबीयत बिगड़ गई है. मादा चीता शाशा की हालात बिगड़ने से उसकी सेहत को लेकर कूनो नेशनल पार्क प्रबंधन के अफसरों की चिंताएं बढ़ गईं हैं. मादा चीता शाशा की तबियत खराब होने का पता कूनो के अफसरों को उस वक्त लगा, जब नामीबिया के चीतों की रूटीन मॉनिटरिंग में लगी टीम के सदस्यों को शाशा की सेहत कमजोर दिखी. कूनो में चीतों की विशेष निगरानी करने वाली डॉक्टरों की टीम ने शाशा को मेडिकल परीक्षण के लिए बड़े बाड़े से निकाला. शाशा के हेल्थ चेकअप के बाद टीम

को उसकी किडनी में इंफेक्शन नजर आया. साथ ही उसे डिहाइड्रेशन भी था. इसके बाद शाशा का इलाज शुरू करने के लिए नामीबिया और साउथ अफ्रीका के वाइल्ड लाइफ विशेषज्ञों से बातचीत करके उसका इलाज शुरू तो कर दिया पर इलाज से जुड़ी हुईं मशीनें नहीं होने के चलते भोपाल से एक टीम मशीनों के साथ श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क के लिए भेजी गई है.

खुले जंगल मे छोड़ने की तैयारियां चल रही थीं

वन विहार नेशनल पार्क के मुख्य पशु चिकत्सक डॉ. अतुल गुप्ता को श्योपुर भेजा गया है.

17 सितम्बर को पीएम मोदी ने अपने जन्मदिन पर कूनो नेशनल पार्क में नामीबिया से भारत लाए गए 8 चीतों को छोड़ा था. लंबे वक्त क्वॉरंटीन रहने के बाद 28 नवम्बर को कूनो नेशनल पार्क में छोटे बाड़े से बड़े बाड़े के 5 नंबर कंपार्टमेंट में तीन मादा चीता सियाया, सवाना ओर शाशा को छोड़ा गया था. जल्द ही चीतों को बड़े बाड़े से खुले जंगल मे छोड़ने की तैयारियां भी चल रही थीं. फिलहाल, कूनो नेशनल पार्क में बीमार मादा चीता शाशा को किडनी इन्फेक्शन के चलते विशेषज्ञों ने ऑब्जर्वेशन में रखा है. कुछ ही दिनों पहले एनडीटीवी से खास बातचीत में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा था कि फरवरी से कूनो में चीतों के देखने पर्यटक आ सकेंगे.

लोकसभा चुनाव में आप कांग्रेस से टिकट चाहते हैं?

सवाल पर क्या बोले कमल हासन

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। अभिनेता से राजनेता बने कमल हासन, जिन्होंने तमिलनाडु में इरोड ईस्ट उपचुनाव में कांग्रेस-डीएमके गठबंधन के उम्मीदवार ईवीकेएस एलंगोवन को समर्थन देने के ऐलान किया है, ने कल बुधवार को कहा कि उन्हें कांग्रेस से संसदीय चुनाव के लिए टिकट की उम्मीद क्यों नहीं करनी चाहिए. कमल हासन ने कहा कि उनकी पार्टी मक्कल निधि मय्यम (एमएनएम) इरोड पूर्व उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार को अपना समर्थन देगी. मक्कल निधि मय्यम के प्रमुख हासन से जब पूछा गया कि क्या उन्हें भविष्य में कांग्रेस से सांसद की सीट मिलने की उम्मीद है, तो उन्होंने कहा, "मैं क्यों नहीं हो सकता? राष्ट्रीय हित के लिए, हमने यह निर्णय लिया है." खास बात यह है कि कमल हासन पिछले महीने दिसंबर में दिल्ली में कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी के साथ शामिल हुए थे. एलंगोवन ने पिछले दिनों 23 जनवरी को कमल हासन से उनके अलवरपेट ऑफिस में मुलाकात की और उपचुनावों के लिए उनका समर्थन मांगा. एमएनएम के कार्यकारी सदस्यों के साथ चर्चा करने के बाद, कमल हासन ने कांग्रेस उम्मीदवार को समर्थन देने के फैसले की घोषणा की. मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए, कमल हासन ने कहा, "पार्टी के कार्यकारी सदस्यों ने सर्वसम्मति से इरोड ईस्ट उपचुनाव में कांग्रेस-डीएमके गठबंधन के उम्मीदवार का समर्थन करने का फैसला किया. यह वर्तमान का फैसला है." यह पूछे जाने पर कि क्या अगले साल 2024 में होने वाले आम चुनाव के लिए भी यह समर्थन जारी रहेगा, एमएनएम प्रमुख ने कहा, "यह एकमात्र निर्णय है. यह सिर्फ इस इरोड ईस्ट उपचुनाव के लिए है और 2024 के आम चुनाव के बारे में अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी क्योंकि अभी इसमें एक साल का समय बचा हुआ है."कांग्रेस ने रविवार को तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी (टीएनसीसी) के पूर्व प्रमुख ईवीकेएस एलंगोवन को इरोड (ईस्ट) विधानसभा क्षेत्र में 27 फरवरी को होने वाले उपचुनाव के लिए अपनी पार्टी का उम्मीदवार घोषित किया.

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 27 जनवरी, 2023

सुरक्षित हवाई यात्रा

देखा जाए तो विमान यात्रा इसीलिए महंगी है कि व्यवस्था के लिहाज से हर स्तर पर सुरक्षित और आरामदेह है, ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पडे। सबसे बडी बात यह कि हजारों किमी की विमान यात्रा कुछ घंटे में ही तय हो जाती है। इसलिए इसमें यात्रा करने वाले भी अक्सर सलीकेदार लोग ही होते हैं। लेकिन इधर कुछ दिनों से उड़ान के दौरान जैस शर्मनाक घटनाएं सामने आई हैं, उससे यह सवाल उठा कि कोई यात्री क्या इस बात को टिकट लेकर पूरी तरह निश्चिंत हो सकता है कि उसके साथ कोई अनुचित बरताव नहीं होगा! खासतौर पर जब विमान में शराब परोसी जाती है तो कुछ पियक्कड इतनी जम कर पी लेते हैं कि वे अपने साथ ही चल रहे अन्य यात्रियों से अभद्र व्यवहार करने लगते हैं जिसकी वजह से अप्रिय हालात पैदा हो रहे हैं। जाहिर है ऐसे हालात में उड़ान के दौरान प्रबंधन और व्यवस्था से संबंधित गहरे सवाल खड़े होंगे ही। इसके बाद नागर विमानन महानिदेशालय यानी डीजीसीए की ओर से संबंधित विमान कंपनियों को नोटिस दिया गया। ऐसी शिकायतों का एक जो मुख्य कारण उभर कर सामने आया, वह था शराब के सेवन के बाद किसी यात्री का बेकाबू हो जाना। जाहिर है, व्यवस्था के स्तर पर ऐसी बाधा से निपटने के क्रम में इस प्रवृत्ति को रोकना विमान प्रबंधन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसके लिए डीजीसीए के निर्देश पर एअर इंडिया ने अपनी उड़ान के दौरान यात्रियों को शराब परोसे जाने की नीति में अब बदलाव करने का फैसला किया है। इसके तहत चालक दल के सदस्यों से कहा गया है कि जरूरत पड़ने पर अल्कोहल युक्त पेय पदार्थों को उचित और सुरक्षित तरीके से परोसा जाना चाहिए। साथ ही, चालक दल के सदस्य चौकन्ना रहेंगे कि कोई भी यात्री अपनी शराब का सेवन न कर सके। बता दें कि बीते दिनों ऐसे कई वाकये सामने आए जिनमें शराब पीकर किसी यात्री ने विमान में अन्य मुसाफिर या फिर चालक दल के सदस्यों से अभद्र बर्ताव किया। निश्चित रूप से ऐसे बरताव पीड़ित यात्रियों के लिए परेशानी के सबब थे। यह उस विमान और उड़ान से जुड़े प्रबंधन की व्यवस्था पर भी सवालिया निशान था, जिसकी जिम्मेदारी थी कि सभी यात्री बिना किसी बाधा और परेशानी के अपना सफर पूरा करें। विडंबना यह भी है कि एअर इंडिया ने उड़ान के दौरान इस तरह के अनुचित व्यवहार की जानकारी समय पर नहीं दी थी। इसी के मद्देनजर डीजीसीए ने एअरलाइन पर दस लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। इससे पहले भी एक यात्री के अभद्र व्यवहार की घटना के संदर्भ में एअर इंडिया पर तीस लाख का जुर्माना लगाया जा चुका है। देर से ही सही लेकिन एअर इंडिया ने शराब परोसने की नीति को नियंत्रित करने का सबसे दुरुस्त फैसला लिया है। इस फैसले को अमल में लाने के लिए यह सुनिश्चित करने की जरूरत होगी कि इसके बाद कोई व्यक्ति किसी भी बहाने से अन्य यात्रियों के लिए असुविधाजनक व्यवहार न कर सके। इसके अलावा, यह अपने आप में एक विचित्र स्थिति है कि कोई व्यक्ति अपनी शराब लेकर या फिर पीकर विमान में सवार हो जाता है! अगर शराब के असर से उपजे नशे में कोई यात्री खुद पर से अपना नियंत्रण खो देता है तो ऐसे में किसकी जिम्मेदारी तय की जाएगी? यों विमान में सफर करने वाले लोगों को अपने स्तर पर ही इस बात का खयाल रखना चाहिए कि जिस तरह वे अपने लिए सुरक्षित और सहज यात्रा की अपेक्षा करते हैं, उसी तरह उनकी वजह से किसी अन्य को कोई परेशानी न हो। लेकिन कुछ यात्री अपने स्तर पर यह न्यूनतम सलीका भी बनाए नहीं रख पाते। ऐसी स्थिति में चालक दल के सदस्यों से यह अपेक्षा होती है कि वे ऐसे बेलगाम यात्रियों को नियमों के तहत नियंत्रित करें। व्यवस्था और सुरक्षा को लेकर उच्चस्तरीय मानकों के लिए मशहूर रही विमान यात्रा को अराजकता से बचाने की सख्त जरूरत है, ताकि सभी यात्री सुरक्षित और सुविधापूर्वक यात्रा कर सकें।

चमत्कार को नमस्कार !

डा. भरत मिश्र प्राची

आजकल बागेश्वर धाम की चर्चा जोरों पर है जहां बागेश्वर धाम के प्रमुख राम कथा वाचक हनुमान भक्त धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री अपने अनोखे दिव्य ज्ञान जिसे गुरू कृपा हनुमान जी की सिद्धि के बल पर पर्चा के माध्यम से धाम पर आये कष्टधारकों के नाम एवं अन्य विवरण सहित कष्ट के कारण बताते हुये कष्ट का निवारण करने की प्रक्रिया अपनाते है जिसे चमत्कार कहा जा रहा है। इसी चमत्कारी गुण के चलते नागपुर में आयोजित शिविर में अंध श्रद्धा उन्मूलन समिति के प्रमुख श्याम मानव द्वारा धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री को चमत्कारी गुण को सिद्ध करने की दी गई चुनौती से आज वे विवादों में घिरे हुये है। जहां आज विवादों के बढ़ते दायरे में उनके अपने सगे चाचा से लेकर देश के अन्य भाग से हिन्दू धर्म के प्रमुख संत शंकराचार्य व राजनेता तक धीरेन्द्र शास्त्री को चुनौती देने लगे है और जहां चुनौती बतौर अपने दिव्य शक्ति

के बल जोठी मठ पर आये दरारों को ठीक करने, पुलिस खुफिया तंत्र संगठन को हटाकर चोर उच्चकों का पता लगाने,

आतंकवादियों से मुक्ति दिलाने जैसे अनेक सवाल उभर कर सामने आने लगे है। इस तरह के बेबुनियादी प्रसंग धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री की बढ़ती लोकप्रियता को कम करने की दिशा में उनके विरोधियों द्वारा अपनाये गये तेज धार वाले हथियार है जिसके आगे वे अभी तक टिके हुये हर चुनौती का सामना करते नजर आ रहे है। इस संदर्भ में वे रायपुर में आयोजित शिविर में प्रेस वार्ता के माध्यम से हर प्रकार की दी जा रही चुनौतियों को स्वीकार करते हुये अपने को सही ठहराने की हर कोशिश करते हुये सनातम धर्म की रक्षा में उतरते नजर आ रहे है। आज इनके देश भर में समर्थक भी सड़क पर उतर आये है जहां धर्म युद्ध छिड़ता नजर आ रहा है। एक तरफ इनके विरोधी इनके चमत्कार को ढ़ोग व फरेब बताकर जेल तक भेजने की तैयारी कर रहे है तो विरोध में इनके अनेक समर्थक चमत्कार को नमस्कार करते हुये शास्त्री जी के साथ खड़े नजर आ रहे है।

इतिहास साक्षी है। संतों व महात्माओं की महानगरी की इस दुनियां में प्राचीन काल से ही चमत्कार को नमस्कार के अनेक प्रसंग उभरते देखे जा सकते है । ज्ञान विज्ञान की तरह चमत्कार भी एक अनोखी अलोकिक विद्या है जिसके सदुपयोग से जनहितकारी के साथ - साथ सदैव आदरणीय, लोकप्रिय व अनुकरणीय बने रहे, दुरूपयोग से घृणा व नफरत

के पात्र बने रहे। इन अलौकिक दिव्य ज्ञान के बल पर यहां कई संत आज भी लोकप्रिय व आदर के पात्र है। जिसने इस आलौकिक दिव्यज्ञान का दुरूपयोग किया, आज जेल की कोठरी में कैद है। धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री के पास भी अलौकिक दिव्य ज्ञान तो है जिसके बल पर आज वे अनेक के चहेते बने हुये है। अभी तक गुरू प्रसाद व हनुमान भक्ति के बल पर दिव्य ज्ञान का दुरूपयोग करने के प्रसंग कहीं से उजागर नहीं हो पाये है, न इन पर आये किसी भक्त का कोई आरोप है जिसके कारण उभरे विवादों का डटकर वे मुकाबला कर रहे है। विवादों में इनकी बढ़ती लोकप्रियता के प्रति उभरता जलन आपसी द्वेष दिखाई दे रहा है। इस पैमाने पर वे कितना खरा उतर पाते है।

संकट से जूझता बचपन

प्रतियोगिताओं के सभी स्वरूप बच्चों में विखंडित व्यक्तित्व और आत्मविश्वास की कमी पैदा कर रहे हैं, इसलिए आत्महत्या निराशा के बजाय सामाजिक दबाव का परिणाम अधिक है।

इन आत्महत्याओं को आत्महत्या नहीं, बल्कि व्यवस्थाजनित आत्महत्याएं कहा जा सकता है, जिसके लिए औपचारिक और अनौपचारिक दोनों प्रकार की संस्थाएं जिम्मेदार हैं। बचपन जीवन की सबसे खूबसूरत अवस्था है, जिसमें न तो किसी जिम्मेदारी का एहसास होता है और न ही कोई चिंता। सिर्फ 'खाओ पिओ और ऐश करो' का सिद्धांत सत्य प्रतीत होता है। हम सबके पास अपने बचपन की बहुत सारी यादें हैं, कुछ अच्छी और कुछ बुरी, जिनके बारे में सोचकर आज भी हमारे चेहरे पर खुशी की लहर दौड़ जाती है। हमने ऐसी बहुत-सी नादानियां या गलतियां की होंगी, जिनके बारे में सोचकर खुद पर हंसी भी आती होगी और गुस्सा भी। मगर आज शायद बचपन आता ही नहीं है, बच्चों की मासूमियत कब गंभीरता या समझदारी में बदल जाती है, पता ही नहीं लगता। शायद इसलिए, क्योंकि इस पीढ़ी के बच्चों ने अपने बचपन को जिया ही नहीं। उनकी मासूमियत बहुत जल्दी परिपक्वता में बदल गई, तकनीक और मीडिया ने उम्र और समय से पहले ही उनका बचपन छीन लिया। क्या यह भी एक कारण हो सकता है कि आज की पीढ़ी अपने जीवन में उत्पन्न चुनौतियों को या तो बहुत हल्के में लेती है या फिर उसके आगे हथियार डाल देती और हिंसा या अपराध का मार्ग चुन लेती है? यह भी एक तथ्य है कि पहले का बचपन और आज का बचपन बिल्कुल भिन्न है या कहें कि एकदम उलट है। आज का बचपन तनावग्रस्त, नियमित पढ़ाई के साथ-साथ विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और शौक की कक्षाओं में व्यस्त रहता और न दिखाई देने वाली एक दौड़ में दौड़ता नजर आता है। इन सबके चलते बच्चे समय से पहले ही परिपक्व हो रहे हैं। सूचना क्रांति और उपभोक्ता बाजार ने उनके अपरिपक्व मस्तिष्क पर सूचनाओं का हमला बोल दिया है, जिससे उन्हें अपनी मानसिक क्षमता को अत्यधिक विस्तार देने की आवश्यकता होती है ताकि वे उन समस्त सूचनाओं को अपने 'ज्ञान भंडार' में रख सकें और स्वयं को जीवन की दौड़ में सफल साबित कर सकें। इस सफलता की संभावना ने बच्चों को उपभोक्ता में तब्दील कर दिया है, उनकी स्वाभाविकता भी समाप्त हो गई है। हम सब जानते हैं कि मानव शरीर अगर स्वाभाविक रूप से विकसित हो तो स्वस्थ रहता है, पर अगर चिकित्सीय प्रक्रिया द्वारा मानव शरीर के साथ छेड़छाड़ की जाए (हारमोन बदलवाना, प्लास्टिक सर्जरी करवाना आदि) तो आगे चलकर विभिन्न प्रकार की अज्ञात बीमारियों का सामना करना पड़ सकता है। यह भी एक तथ्य है कि पहले जो बीमारियां वृद्धावस्था में होती थीं, आज किशोर और युवावस्था में या उससे भी पहले देखी जा सकती हैं, जैसे रक्तचाप, मधुमेह, अस्थमा, दिल का दौरा आदि। चिकित्सीय शोध के अनुसार अस्सी से नब्बे प्रतिशत बीमारियां तनाव के कारण होती हैं। तंत्रिका वैज्ञानिक बीएस ग्रीनफील्ड के अनुसार मस्तिष्क के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले कारक हैं- प्रत्यक्ष अनुभव, वयस्क पीढ़ी के साथ अंतःक्रिया, खेलने के अवसर और सृजनशील होना, जिसे आधुनिक जीवन की तीव्र गति नष्ट कर रही है।

इसमें संदेह नहीं कि प्रौद्योगिकी ने विश्व को व्यापक पैमाने पर खोल दिया है, पर प्रत्यक्ष अनुभवों का कोई विकल्प नहीं होता, जिससे आज के बच्चे तेजी से वंचित होते जा रहे हैं। आजकल प्रौद्योगिकी के कारण बाहरी गतिविधियों को घर के भीतर की गतिविधियों ने विस्थापित कर दिया है, जिसका प्रभाव न केवल बच्चों के शारीरिक स्वास्थ्य पर पड़ा है, बल्कि बच्चों में निराशा और कुंठा भी बढ़ रही है।

बच्चों में 'सामाजिकता' समाप्त हो रही है, उनमें व्यक्तिवादिता बढ़ रही है। वे चुनौतियों का सामना करने के बजाय पलायनवादी बन रहे हैं, जीवन जीने के बजाय उसे समाप्त कर लेना उन्हें ज्यादा सरल लगने लगा है। देखा जाए तो बच्चों में आए इन बदलावों के लिए पारिवारिक और सामाजिक पृष्ठभूमि का असमान और भेदभावपूर्ण होना, शिक्षण प्रणाली, बाजार आधारित अस्मिता पर व्यय करना, गला-काट प्रतियोगिता के लिए प्रयास करना, उच्च पद प्राप्ति की इच्छा, अधिकतम स्तर की सफलता प्राप्त करने की आकांक्षा, अनौपचारिक प्रणाली से अलगाव और भावनात्मकता की समाप्ति, करिअर के लिए बच्चों पर दबाव, ग्रामीण-नगरीय विभाजन के आधार पर योग्यता की पहचान करना, अर्थव्यवस्था, राजनीति, संस्कृति और अहंवाद का मनोविज्ञान, अपनी बौद्धिकता पर संदेह करना आदि कारण हैं।

प्रतियोगिताओं के सभी स्वरूप बच्चों में विखंडित व्यक्तित्व और आत्मविश्वास की कमी पैदा कर रहे हैं, इसलिए आत्महत्या निराशा के बजाय सामाजिक दबाव का परिणाम अधिक है। इन आत्महत्याओं को आत्महत्या नहीं, बल्कि व्यवस्थाजनित आत्महत्याएं कहा जा सकता है, जिसके लिए औपचारिक और अनौपचारिक दोनों प्रकार की संस्थाएं जिम्मेदार हैं।

शैक्षणिक संस्थाओं ने सफलता के मूल्य को असीमित बना दिया है, यानी अब सफलता की कोई सीमा नहीं है। सर्वोच्च स्थान प्राप्त करना ही सफलता का मापक है। इसके बाद प्रतियोगी परीक्षाओं में आपकी रैंक श्रेष्ठ ही आनी चाहिए, ऊंचे वेतनमान वाली नौकरी मिलनी चाहिए। इस प्रवृत्ति ने छात्र को तबाही के रास्ते पर लाकर खड़ा कर दिया है। बाजार ने प्रत्येक परिवार को, चाहे वह निम्न हो या उच्च, बाध्य किया है कि वह अपने बच्चों को अगर सफल बनाना चाहता है, तो उन्हें अमुक शिक्षण संस्थानों में प्रवेश दिलाना होगा। पर यह भी तथ्य है कि माता-पिता की जरूरत से ज्यादा उम्मीदें और दिन-प्रतिदिन बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने बच्चों को इतना व्यस्त कर दिया है कि वे तनाव में रहने लगे हैं। स्कूल हो या ट्यूशन, कंप्यूटर की कक्षा हो या नृत्य की या फिर टीवी, सभी के लिए बच्चों की समय सारिणी निर्धारित है। मगर यह बच्चों के लिए सुविधा के बजाय समस्या साबित हो रहा है, जो तनाव का कारण है। अब बच्चों में तनाव शारीरिक या मानसिक कारणों के बजाय सामाजिक कारणों से अधिक होता है।

शोध के मुताबिक, अगर बच्चा कक्षा परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहा है या खराब अंक आता है, तो वह हीनभावना का शिकार हो जाता है। शिक्षकों की उपेक्षा का शिकार होता है, माता-पिता की उलाहना झेलता है। और अगर इसी तरह के परिणाम निरंतर आते रहे तो वह इस तनाव का शिकार हो जाता है कि मेरा चयन नहीं हुआ, तो माता-पिता कर्जा कैसे उतारेंगे।

मैं उनकी उम्मीदों को पूरा करने में सक्षम नहीं हूं, मैं जिंदगी में कुछ नहीं कर सकता और यही सोच कर वह आत्महत्या जैसे अमानवीय कदम उठाने का दुस्साहस कर बैठता है। जिस उम्र में हम उन्हें कोचिंग संस्थानों के अनुशासित पिंजरे में कैद कर देते हैं, वह उम्र तो दोस्ती करने, सामाजिक मूल्यों को सीखने, शारीरिक और मानसिक विकास करने तथा अपनी रचनात्मकता को विकसित करने, दादी-नानी की कहानियां सुनकर उन चरित्रों में खुद को ढूंढ़ने की, बड़े होकर देश के लिए कुछ कर गुजरने की होती है।

यह एक तथ्य है कि सृजनशीलता के लिए कल्पनाशील होना भी जरूरी है और हमने तो बचपन में ही बच्चों की कल्पनाशीलता को समाप्त कर दिया है। संभवतः यही कारण है कि बच्चों में सृजनशीलता की प्रवृत्ति समाप्त हो रही है। और जरा सोचिए, हम उस उम्र में बच्चों को एक कृत्रिम वातावरण में कैद कर देते हैं, उसे परिवार के सामाजिक दायरे से अलग कर देते हैं, उसे किसी भी समस्या के समाधान के लिए प्रोद्योगिकी या गूगल के पास जाने के लिए बाध्य करते हैं, उसे कहते हैं कि अभी करिअर पर ध्यान दो, खेलने और दोस्ती करने के लिए तो सारी जिंदगी पड़ी है। हम सभी जानते हैं कि यह उम्र एक बार निकल गई तो दोबारा नहीं मिलेगी और करिअर बनाने की आपाधापी में बच्चे इतने बड़े हो जाते हैं कि बचपन पीछे रह जाता है और युवा बन जाते हैं।

भ्रष्टाचार ले डूबा भारतीय हॉकी को

आर.के. सिन्हा

पिछले रविवार को देश के करोड़ों हॉकी चाहने वालों का सपना तार-तार हो गया। सबको उम्मीद थी कि 1975 के बाद भारत फिर से हॉकी वर्ल्ड कप को जीतने में कामयाब हो जाएगा। पर यह हो न सका। ओडिशा में खेले जा रहे हॉकी वर्ल्ड कप में न्यूज़ीलैंड ने पेनाल्टी शूट आउट में भारत को हराकर क्वार्टर फ़ाइनल में जगह बना ली और भारत खिताबी दौड़ से बाहर हो गया। दरअसल टोक्यो ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम से आशा की किरण इसलिए नजर आ रही थी, क्योंकि; उसका पिछले ओलंपिक खेलों में सराहनीय प्रदर्शन रहा था। कहना होगा कि भारत की महिला और पुरुष हॉकी टीमों ने टोक्यों ओलंपिक खेलों में बेहतर प्रदर्शन किया था। भारत के हॉकी प्रेमियों को एक लंबे अंतराल के बाद इतना शानदार प्रदर्शन देखने को मिला था अपने खिलाड़ियों से। पर चालू वर्ल्ड कप में हमारी हॉकी टीम का खेल बेहद औसत दर्जे का रहा। यह समझ में नहीं आता कि किस आधार पर और किस समय से ओलम्पिक में कांस्य पदक जितने वाले टीम से पांच-छह खिलाडियों को टीम से बाहर कर दिया गया? कहीं इसमें भ्रष्टाचार का प्रदर्शन तो नहीं हुआ? अगर नहीं तो ओलंपिक जीतने वाली टीम के लगभग आधे खिलाडियों को बाहर करने की वजह क्या थी I इस वर्ल्ड कप के शुरू होने से पहले 1975 में अंतिम बार वर्ल्ड चैंपियन बनी भारतीय टीम के गोल कीपर अशोक दीवान ने राउरकेला रवाना होने से पहले कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि हम चैंपियन बनेंगे। उनके साथ दादा ध्यानचंद के पुत्र और 1975 के वर्ल्ड कप के फाइनल मैच में पाकिस्तान पर विजयी गोल दागने वाले अशोक कुमार भी थे। पर उम्मीदें और प्रार्थनाएं काम नहीं आईं। काम कैसे आतीं। हमने कतई स्तरीय खेल नहीं खेला। एक बात तो कहना होगा कि भारत जब हॉकी में ओलंपिक या विश्व चैम्पियन हुआ करता था तब भारत के पास विदेशी टीमों के मुक़ाबले अच्छी सुख सुविधाएं बहुत कम हुआ करती थीं। हमारे पास सीमित साधन थे लेकिन खिलाड़ियों की कला दमख़म और जज़्बा आला हुआ करता था, आज ग्लैमर, पैसा, सबकुछ होते हुये भी हमारे खिलाड़ियों में जीत का जज़्बे ओर टेक्निक की कमी है। चालू वर्ल्ड कप में हमारी हॉकी टीम ने कोई उल्लेखनीय प्रदर्शन नहीं किया। यकीन मानिए कि वेल्स के ख़िलाफ़ लचर प्रदर्शन से ही भारतीय हॉकी प्रेमियों में निराशा छा गई थी। भारतीय टीम जैसे-तैसे प्री क्वार्टर फाइनल में आ गई। प्री- क्वार्टर फाइल मैच में अच्छी खासी बढ़त के बावजूद हम हार गए। हमारा खेल बेहद सुस्त और रक्षात्मक रहा। कप्तान हरमनप्रीत सिंह का नेतृत्व भी दोयम दर्जे का ही रहा। न अग्रिम पंक्ति में कोई सामंजस्य और न रक्षापंक्ति में कोई तालमेल। सब बस खानापूर्ति करने और टाइम बर्बाद करने के लिए ही खेल रहे थे हमारे खिलाड़ी। न्यूजीलैंड हम से बेहतर खेली और इसीलिये जीती। दुख होता है जब बरसों बाद हॉकी को ऊपर उठाने की कोशिश करने वालों को मायूस होना पड़ता है। काश, हमारी टीम ने मलेशिया में 1975 में खेली गई विश्व कप हॉकी चैंपियनशिप के सेमी फाइनल तथा फाइनल मैचों की टीवी रिकार्डिंग को ही देख लिया होता। दादा ध्यानचंद के सुपुत्र अशोक कुमार ने ही 15 मार्च 1975 को पाकिस्तान के खिलाफ लाजवाब फील्ड गोल दागकर विजय दिलवाई थी। उस गोल को भारत के लाखों हॉकी प्रेमी अब भी याद करते हैं। पहला गोल सुरजीत सिंह ने किया था। अशोक कुमार 1971 और 1973 के विश्व कप में भाग लेने वाली भारतीय टीमों में भी थे। भारत का दोनों दफा बेहतरीन प्रदर्शन रहा था।

भारत को 1971 में कांस्य और 1973 में चांदी का पदक जीतने में सफलता मिली थी। पर देश निराश था क्योंकि सबको स्वर्ण पदक की उम्मीद थी। एक बार अशोक कुमार बता रहे थे कि जब भारतीय टीम 1975 का वर्ल्ड कप खेलने मलेशिया पहुंची तो वहां पर बसे हुए हजारों भारतवंशी हमें अभ्यास करते हुए देखने के लिए आते थे। वे सब हमें चीयर कर रहे थे। तब सारी टीम हर हालत में चैंपिंयन बनने का संकल्प लेकर ही गई थी। भारत ने विश्व कप जीतकर सारी दुनिया में तहलका मच दिया था। भारत ने एक तरह से उन ज्ञानियों को गलत साबित करा था जिन्होंने भविष्यवाणी कर दी थी कि हम कभी विश्व विजेता बन ही नहीं सकते।

क्या हमारी इस टीम में इस बार भी वर्ल्ड कप जीतने का जज्बा था? भारतीय टीम के वर्ल्ड कप के सभी मैचों के प्रदर्शन को देखकर साफ लग रहा था कि इस टीम ने 1975 की टीम के खिलाड़ियों से कुछ नहीं सीखा। इनमें जीतने के लिए जरूरी दमखम ही नहीं था। 1975 की विश्व विजयी टीम में फुल बैक असलम शेर खान भी थे। विरोधी टीम की आक्रामक पंक्ति के लिए गठीले बदन वाले असलम को छका कर के आगे बढ़ना लगभग असंभव था। उन्होंने सेमी फाइनल मैच में मेजबान मलेशिया के खिलाफ मैच के अंतिम पलों में बराबरी का गोल किया था। भारत 1-2 से मैच में पिछड़ रहा था। तब भारत को एक पेनल्टी कॉर्नर मिला। कुआलालंपुर के मर्डेका स्टेडियम में हजारों भारतवंशी ईश्वर से प्रार्थना कर रहे थे कि भारत मैच में किसी तरह से बराबरी कर ले। उस मैच की आकाशवाणी से कमेंट्री कर रहे थे जसदेव सिंह। वे बताते थे कि जब भारत को पेनल्टी शॉट मिला। गोविंदा के शॉट को अजीतपाल ने रोका और फिर रहा अयूब शॉट असलम शेर खान का।

उनके शॉट को मलेशिया के खिलाड़ी रोकने में असफल रहे। भारत ने बराबरी करने के बाद एक और गोल करके मैच जीता और फाइनल में प्रवेश किया। मुझे कभी-कभी लगता है कि खेलों में पैसे की बरसात ने खेलों की पहली वाली पवित्रता को खत्म कर दिया है। पहले खिलाड़ी देश के सम्मान के लिए जीतने के लिए जान लगा दिया करते थे। दादा ध्यानचंद के परिवार वालों के पास उनका अंतिम दिनों में श्रेष्ठ इलाज करवाने तक के लिए पैसा नहीं था। तब राजधानी के शिवाजी स्टेडियम में एक बेनिफिट हॉकी मैच हुआ था। पर उसी दौरान उनका एम्स में निधन हो गया था। इस तरह की न जाने कितनी कहानियां यहां-वहां बिखरी पड़ी हुईं हैं। कुल मिलाकर बात यह है कि जीत जज्बे से होती है। उसका हमारे खिलाड़ियों में इसका अभाव था। जज्बे का जुनून फूंकते हैं कोच और पदाधिकारी वे या तो व्यस्त थे या मस्त थे I

पार्टी के नेताओं का दिया बयान निजी कैसे हो सकता है ?

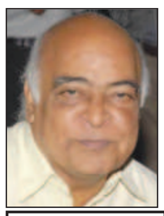

अशोक भाटिया

गांधी परिवार के सबसे करीबी समझे जाने वाले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह बेबाक हैं लेकिन उनकी यही बेबाकी अक्सर पार्टी को संकट में भी डाल देती है। जम्मू-कश्मीर में राहुल गांधी की यात्रा में शामिल हुए दिग्विजय सिंह ने सोमवार को भी ऐसा विवादास्पद बयान दे डाला, परन्तु राहुल गांधी ने मंगलवार को सर्जिकल स्ट्राइक पर कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के बयान से पल्ला झाड़ लिया। उन्होंने कहा- कांग्रेस ने सेना के शौर्य पर कभी सवाल नहीं उठाया है। अगर सेना कुछ करती है तो उस पर सबूत देने की जरूरत नहीं। ये दिग्विजय जी की निजी राय है। मैं इससे सहमत नहीं हूं। राहुल ने यह भी कहा कि कांग्रेस में किसी की बात को दबाया नहीं

जाता, जहां चर्चा होगी वहां बेहूदा बात भी होगी। मुझे पार्टी के सीनियर लीडर के लिए ऐसा कहते हुए बुरा लग रहा है, लेकिन दिग्विजय जी ने बेहूदा बात ही कही है। जहां तक दिग्विजय जी के बयान की बात है। उन्होंने जो

सर्जिकल स्ट्राइक पर कहा, उससे हम पूरी तरह डिसएग्री करते हैं। कांग्रेस पार्टी भी इससे सहमत नहीं है। हमारी

आर्मी पर हमें पूरा भरोसा है। राहुल से पूछा गया कि दिग्विजय के बयान से पार्टी ने खुद को दूर कर दिया है, लेकिन उन पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं होती। इस पर राहुल ने कहा कि हमारी पार्टी डेमोक्रेटिक पार्टी है। यहां डिक्टेटरशिप नहीं है। हम दूसरे की आवाज दबाकर पार्टी चलाने में यकीन नहीं रखते हैं। यहां लोगों को अपनी बात रखने दी जाती है, चाहे वो पार्टी की सोच से कितनी भी अलग क्यों न हो। दिग्विजय जी ने जो भी कहा वे उनके निजी विचार हैं, लेकिन पार्टी के विचार उनके विचार से ऊपर हैं।सवाल यह भी उठता है कि 'भारत जोड़ो यात्रा ' के दौरान दिग्विजय का दिया हुआ बयान निजी कैसे हो सकता है जबकि कांग्रेस के नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा मुख्य प्रभारी दिग्विजय सिंह ही हैं । उन्होंने घर बैठ कर तो ये बयान दिया नहीं था । इसलिये ये सवाल उठना लाजिमी है कि एक जमाने में मध्य प्रदेश में एकछत्र राज करने वाले दिग्विजय सिंह के इस तरह के विवादास्पद बयान देने के पीछे आखिर क्या सोच है और क्या वे इससे पार्टी का वोट बैंक मजबूत कर रहे हैं या फिर उसमें पलीता लगा रहे हैं? हालांकि साल 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से ही दिग्विजय बीजेपी सरकार पर ऐसे हमलावर बयान देते आये हैं जिनकी खूब आलोचना भी हुई लेकिन पार्टी नेतृत्व ने उन्हें न कभी टोका और न ही कभी रोका। इसलिये दिग्विजय के इस ताजा बयान से पार्टी ने बेशक पल्ला झाड़ने की रस्म अदायगी कर दी लेकिन उसका सियासी मतलब तो यही निकाला जा रहा है कि कांग्रेस इस सरकार के खिलाफ जो आरोप अपने मंच से लगा पाने की हिम्मत नहीं जुटा पा रही है उसके लिए दिग्विजय सिंह को सब कुछ बोलने की खुली छूट मिली हुई है। दरअसल, कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के जम्मू पहुंचते ही दिग्विजय सिंह ने गड़े मुर्दे उखाड़ते हुए मोदी सरकार द्वारा पाकिस्तान पर की गई सर्जिकल स्ट्राइक पर फिर से सवाल उठाए

हैं। उन्होंने कहा था कि सर्जिकल स्ट्राइक की बात करते हैं कि हमने इतने लोगों को मार गिराया लेकिन इसका आज तक कोई प्रमाण नहीं है। आज तक घटना की जानकारी न संसद में पेश की गई और न ही जनता के सामने रखी गई। सर्जिकल स्ट्राइक की बात करके सिर्फ झूठ बोलने से ही राज कर रहे हैं। जम्मू-कश्मीर में राहुल गांधी की यात्रा को अगले छह दिनों में

कैसा और कितना समर्थन मिलेगा, ये हम नहीं जानते। लेकिन दिग्विजय ने पाकिस्तान की सीमा से सटे इस राज्य में पुराने आरोपों को दोहराते हुए वहां के मुस्लिमों में मोदी सरकार के खिलाफ नफरत की गंध फैलाने की पुड़िया फिर से खोल दी है। वे नेता हैं और उन्हें अपनी बात कहने का पूरा हक भी है लेकिन सवाल उठता है कि जिस नाजुक मसले को लेकर न तो उनकी पार्टी ने, न सर्वोच्च न्यायालय ने और न ही मीडिया ने आज तक कोई सवाल उठाया, फिर वे इसे तूल देकर अब सियासत की कौन-सी नई बिसात बिछाना चाहते हैं? यकीनन अगले दो-तीन महीने के भीतर जम्मू-कश्मीर में विधानसभा के चुनाव होने हैं लेकिन सोचने वाली बात ये है कि दिग्विजय के इस बयान से अगर वहां कांग्रेस को अपनी ताकत मजबूत होते हुए दिखती तो वो उनके बयान से पल्ला झाड़ने में इतनी जल्दबाजी नहीं दिखाती। कांग्रेस के कुछ नेता दलील देते हैं कि उनके बयान को

गंभीरता से नहीं लेना चाहिए क्योंकि वे सुर्खियों में बने रहने के लिए अक्सर विवादास्पद बातें कह जाते हैं। लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं है। वह इसलिये कि मनमोहन सिंह सरकार के दौरान उन्होंने ही सबसे पहले देश को 'भगवा आतंकवाद' का नाम दिया था और उसके पीछे भी उनकी एक सोच थी।

प्यार के बदलते मायने

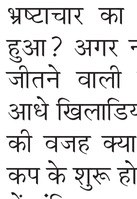

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

उस लड़की ने केवल एक गलती की थी। उसने लड़के के बदले लड़की से प्यार किया था। पता नहीं कब से प्यार की परखनली पर एनोड और कैथोड का चिह्न बन गया। समलैंगिक प्यार ठीक उसी तरह का होता है जैसे माइनस-माइनस या फिर प्लस-प्लस। से जुड़े तार। मानइस-प्लस से जुड़े तार और लड़क-लड़की का प्यार सहज है। फिर चाहे हाई वोल्टेज की बिजली से बल्ब जल जाए या फिर लड़का लड़की शादी करके एक-दूसरे का सिर फोड़ लें दुनिया खुशी-खुशी स्वीकार लेगी। समलैंगिक प्यार चाहे जितना भी गहरा क्यों न हो वह असहज और अस्वीकार्य है। चार लोगों के बीच मजाक और शर्म का मुद्दा बन जाता है। रागिनी को शेखर में कोई दिलचस्पी नहीं थी। घर वालों ने उसकी जबरन शादी करवा दी। जबरन शादियों का दूसरा नाम ही अरैंज मैरेज है। अरैंज मैरेज को सफल जोड़ी और सुखी संसार का फार्मुला मामा जाता है।

फिर चाहे पति-पत्नी एक-दूसरे को लाख धोखा दें या फिर नाखुश रहें या मारा-मारी कर लें, दुनिया की नजर में यही सही लगते हैं। समलैंगिक प्यार की नियति में बच्चा नहीं होता। इसीलिए यह प्रकृति के विरुद्ध लगता है। यहाँ बच्चे को जन्म देना पुरुषत्व और स्त्रीत्व की निशानी है। जो बच्चे तो जन्म न दे सके वह पुरुषत्व के नाम पर नपुंसक और स्त्रीत्व के नाम पर बाँझ है। यह समाज स्त्री और पुरुष तक ठीक है और नपुंसक और बाँझ तक आते-आते मजाक उड़ाने लगते हैं। उनकी नजर में जानवर तो जी सकते हैं लेकिन नपुंसक और बाँझों को जीने का कोई अधिकार नहीं है।

रागिनी की शादी टूटन पर है। उसका एक पुराना वीडियो लीक हो गया है। वह मोहिनी के साथ अंतरंग दृश्यों में लिप्त पाई गई है। घर वाले रागिनी को शेखर के हाथों प्रताड़ना सहकर जीने की सलाह दे रहे हैं। जबकि मोहिनी उसकी हर जरूरत को समझती है। खुश रख सकती है। समाज समलैंगिकता में जीवन जीने से अच्छा शेखर के साथ मर जाने में ही रागिनी की भलाई समझता है। सच है प्यार से ज्यादा दिखावा हावी हो जाए तो उसी को रूढ़िवादिता कहते हैं। यह रूढ़िवादिता गैस, तरल और ठोस सभी रूपो में बसती है। कभी इज्जत की हवा तो कभी इज्जत का पानी और कभी इज्जत का पत्थर बनकर प्यार को देखने का नजरिया बदल देते हैं।

घर की इस दिशा में न रखें महालक्ष्मी की प्रतिमा, छा जाएगी कंगाली

हिंदू धर्म में माता लक्ष्मी को धन वैभव और सुख समृद्धि की देवी कहा गया है ऐसे में हर कोई देवी मां की कृपा और आशीर्वाद पाना चाहता है इसके लिए लोग उनकी विधिवत पूजा करते है उपवास रखते है जिससे जीवन में धन की कमी दूर हो जाए। वास्तुशास्त्र में धन की देवी माता लक्ष्मी की कृपा पाने के कई उपाय बताए गए है।

जिसके अनुसार घर में महालक्ष्मी की प्रतिमा को रखना शुभ होता है लेकिन भूलकर भी माता लक्ष्मी की मूर्ति या तस्वीर को गलत जगह पर नहीं रखना चाहिए वरना व्यक्ति को कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है साथ साथ आर्थिक तंगी भी जीवन में बनी रहती है तो आज हम आपको अपने इस लेख द्वारा बता रहे है कि देवी मां की प्रतिमा को किस दिशा में रखना शुभ होता है और कहा अशुभ, तो आइए जानते है।

वास्तुशास्त्र से जुड़े टिप्स

वास्तुशास्त्र की मानें तो घर की उत्तर दिशा को बेहद शुभ माना जाता है इसलिए आप अपने घर में माता लक्ष्मी की प्रतिमा या फिर तस्वीर को उत्तर दिशा में रख सकते है इस दिशा में महालक्ष्मी को विराजमान करने से घर में हमेशा ही सुख शांति और समृद्धि बनी रहती है वही कारोबार और व्यापार में भी तरक्की मिलती है।

ज्योतिष और वास्तु अनुसार घर की दक्षिण दिशा को यमराज की दिशा माना जाता है ऐसे में यहां पर महालक्ष्मी की प्रतिमा या तस्वीर लगाना शुभ नहीं माना जाता है इस दिशा में मूर्ति को स्थापित करने से धन दौलत धीरे धीरे करके समाप्त होने लगता है और परिवार में दरिद्रता छा जाती है।

वास्तु अनुसार घर में कभी भी माता लक्ष्मी की खड़ी मुद्रा वाली तस्वीर या मूर्ति नहीं स्थापित करनी चाहिए शास्त्रों में माता लक्ष्मी को चंचल माना जाता है ऐसे में देवी मां की खड़ी अवस्था में प्रतिमा लगाने से वे अधिक दिनों तक घर में नहीं ठहरती है और दूसरी जगह चली जाती है।

जिससे धन की कमी का परिवार के लोगों को सामना करना पड़ता है। वहीं भूलकर भी देवी देवताओं की एक से अधिक प्रतिमा नहीं रखनी चाहिए इसे अच्छा नहीं माना जाता है।

गुप्त नवरात्रि में करें गोमती चक्र से जुड़ा उपाय

22 जनवरी दिन रविवार से गुप्त नवरात्रि का आरंभ हो चुका है जो कि 30 जनवरी को समाप्त हो जाएगा। ये नवरात्रि मां पार्वती के दस रूप यानी महाविद्याओं को समर्पित होती है इस दौरान पूजा पाठ और व्रत का विधान होता है भक्त गुप्त नवरात्रि में माता को प्रसन्न करने के लिए कई तरह के उपाय भी करते है।

ज्योतिष अनुसार गोमती चक्र का उपाय अगर इस दौरान विधिवत तरीके से किया जाए तो जातक की सभी समस्यों का निवारण हो जाता है तो आज हम आपको अपने इस लेख द्वारा गोमती चक्र से जुड़ा चमत्कारी उपाय बता रहे है तो आइए जानते है।

गोमती चक्र का उपाय—

अगर आपके घर में कोई लंबे वक्त से रोगों से पीड़ित है या फिर बीमारी दूर नहीं हो रही है तो ऐसे में गुप्त नवरात्रि में मां दुर्गा को लाल पुष्प जरूर अर्पित करते हुए इस ॐ क्रीं कालिकायै नमः मंत्र का जाप करें मान्यता है कि ये उपाय आपको हर परेशानी से मुक्ति दिलाएगा और रोग भी आपके घर से सदैव दूर रहेंगे।

अगर आप कारोबार और व्यापार में तरक्की पाना चाह रहे है तो ऐसे में गुप्त नवरात्रि में 21 गोमती चक्र और तीन नारियल लेकर मंदिर में रख दें पूजा के बाद गोमती चक्र और नारियल को एक पीले वस्त्र में बांधकर अपने आफिस, दुकान के द्वार पर लटका दें।

मान्यता है कि इस उपाय को करते ही कारोबार व करियर में तरक्की मिलने लगेगी और सभी परेशानियों का अंत हो जाएगा। ज्योतिष अनुसार अगर गुप्त नवरात्रि में सात सिद्ध गोमती चक्र लाल वस्त्र में लपेटकर लॉकर या धन रखने वाले स्थान पर रख दिया जाए तो घर में कभी भी धन की कमी नहीं रहती है और सदैव आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहती है, साथ ही साथ नजर दोष भी दूर हो जाता है।

बाबा गंगाराम के पावन धाम श्री पंचदेव मंदिर

आशीर्वाद मंदिर – स्थापत्य कला का बेजोड़ उदाहरण

श्री बाबा गंगाराम के पावन धाम श्री पंचदेव मंदिर में भक्त-द्वय की साधना के मूर्तिमान स्वरुप नवनिर्मित "आशीर्वाद मंदिर" की स्थापना से ऐसा प्रतीत होता है, मानों पूरे परिसर में स्वर्ग ही उतर आया हो। सफ़ेद संगमरमर से निर्मित इस मंदिर का आकर्षण एवं कलात्मकता मन मोह लेती है।

शिव स्वरुप देवकीनंदन एवं शक्ति स्वरूपा देवी गायत्री की युगल प्रतिमा के दर्शन से भक्तगण उनका आशीर्वाद पाकर अपने जीवन

को धन्य बनाते हैं। इस प्रकार श्री पंचदेव मंदिर और श्री आशीर्वाद मंदिर दोनों मिलकर एक ही परिसर में वैकुण्ठ और कैलाश का आभास कराते है।

यह मंदिर प्राचीन शिल्पकला के नागर शैली मे निर्मित हुआ है, इस मंदिर में लोहे या स्टील का प्रयोग नहीं किया गया है। केवल पत्थरों को पत्थरों के भार से जोड़कर आकार प्रदान किया जाता है। इसमे एक एक पत्थर को बारीकी से तराशकर बहुत ही खूबसूरत स्वरूप प्रदान किया गया है, जो देखते ही बनती है।

मंदिर मुख्य शिखर सहित पाँच गुंबदों से अलंकृत है, जो भक्तों के मन में एक दैविक आनंद की अनुभूति कराते हें। मध्य गुंबद की गोलाकार छत पर नृत्य- वादन करती हुई गन्धर्वों की मूर्तियाँ बोलती सी प्रतीत होती है। यहाँ से गर्भ- गृह के दर्शन होने लगते हें, जहां विराजित भक्त शिरोमणि श्रीदेवकीनंदन एवं शक्तिस्वरूपा देवी गायत्री के दिव्य श्रीविग्रह के वरद मुद्रा के दर्शन होते ही भक्त कृत्य-कृत्य हो उठते हें।

मंदिर परिक्रमा-पथ की दीवारों पर भक्त-द्वय के जीवन प्रसंगों को पत्थरों में उकेर कर बनाया गया है, जो सहज ही अपनी ओर आकर्षित करते हें। और दर्शक उन प्रेरणादायी प्रसंगों के गूढ रहस्यों में खो जाते हें।

मंदिर में पूर्ण स्तंभ (खंभे) और अर्ध स्तंभ सहित कुल 24 नक्काशीदार खंभे हें, जिन पर पौराणिक भक्तों और ऋषि-मुनियों की सुंदर मूर्तियाँ तराशी गई है। मंदिर का हर पत्थर बोलता सा प्रतीत होता है। **(क्रमशः)**

जब विष्णु जी ने नहीं बुलाया गजानन को अपने विवाह में, पढ़े दिलचस्प कथा

पौराणिक कथाओं के अनुसार विष्णु जी का विवाह माता लक्ष्मी के साथ तय हो गया। चारों तरफ विवाह की तैयारी शुरू हो गई। सारे देवी-देवताओं को निमंत्रण भेजे गए लेकिन सिर्फ एक ही देव रह गए, जिन्हें विष्णु जी ने नहीं बुलाया वह थे श्री गणेश।

बारात का समय आया। सारे देवी-देवता अपने परिवार के साथ विवाह में उपस्थित हुए। गणेश जी को वहां न पाकर सभी आपस में खुसर-फुसर करने लगे। सब एक-दूसरे से पूछने लगे, गणेश जी खुद नहीं आए या उन्हें बुलाया नहीं गया। वे सब मिलकर विष्णु जी के पास इसका कारण पूछने चले गए।

भगवान विष्णु से पूछने पर उन्होंने कहा, मैंने उनके पिता महादेव को निमंत्रण दे दिया है। अगर उन्हें आना होगा तो अपने पिता के साथ आ जाएंगे।

दूसरा कारण उन्होंने बताया, गणेश जी को खाने में सवा मन चावल, सवा मन घी, सवा मन लड्डू दिन भर में चाहिए। दूसरों के घर इतना खाना अच्छी बात नहीं है।

इसी बीच किसी ने भगवान विष्णु को सुझाव दिया कि यदि गणेश जी आ भी जाएं तो कोई दिक्कत नहीं हैं। उन्हें द्वारपाल बना कर कर द्वार पर बैठा देना। इससे घर की रखवाली भी होती रहेगी। इस सुझाव को विष्णु जी ने मान लिया और गणेश जी को बुलाया गया।

सभी देवताओं ने समझा-बुझाकर गजानन को द्वार के पास बैठा दिया। बारात चली गयी और नारद जी ने देखा गणेश जी द्वार पर ही बैठे हुए हैं। उन्होंने गणेश जी से इसका कारण पूछा तो गणेश जी कहने लगे," विष्णु जी ने मुझे विवाह में न बुलाकर मेरा बहुत अपमान किया है। "

नारद जी ने उन्हें सलाह दी," आप अपनी मूषक सेना को बुलवा कर उनकी बारात के आगे गड्ढे खुदवा दीजिए। तभी उनको आपकी मदद की जरूरत पड़ेगी और वह आपको सम्मानपूर्वक बुलाएंगे।"

गणेश जी के मूषकों ने बारात से पहले पहुंच कर उधर गड्ढा खोद दिया। इसके कारण सारे देवी-देवताओं के रथ उस गड्ढे में फंस गए। कई रथों के तो पहिए भी टूट-फूट गए।

तब नारद जी ने सबको कहा," आप सभी ने गणेश जी का अपमान करके अच्छा नहीं किया। यदि उन्हें मना लिया जाए तो सब संकट दूर हो जाएंगे।"

सारे देवी-देवताओं ने मिलकर गणेश जी से क्षमा-याचना की। तब गजानन ने अपनी कृपा से सब ठीक कर दिया। इसलिए कहा जाता है कि कोई भी काम शुरू करने से पहले सर्वप्रथम गणेश जी को मनाना चाहिए। उनकी कृपा के बिना कोई भी कार्य सफल नहीं हो सकता।

जिस घर में रहते हैं ये पुरुष लक्ष्मी कभी नहीं छोड़ती वहां अपना बसेरा

एक दिन राजा सत्यदेव अपने महल के दरवाजे पर बैठे थे तभी एक नारी उनके महल के सामने से गुजरी। राजा ने पूछा, ''देवी, आप कौन हैं और इस समय कहां जा रही हैं?'' उसने उत्तर दिया, ''मैं लक्ष्मी हूं और यहां से जा रही हूं।'' राजा ने कहा, ''ठीक है शौक से जाइए।''

कुछ देर के बाद एक पुरुष भी उनके सामने से होकर जाने लगा। राजा ने उससे भी प्रश्न पूछा, ''आप कौन हैं?'' पुरुष ने उत्तर दिया, ''मैं सत्य हूं। मैं भी अब यहां से

जा रहा हूं।'' राजा ने तुरंत ही उनके पैर पकड़ लिए और प्रार्थना करने लगे कि ''कृपया आप तो न जाएं?'' राजा सत्यदेव के बहुत प्रार्थना करने पर सत्य मान गया और न जाने का आश्वासन दिया। कुछ देर के बाद राजा सत्यदेव ने देखा कि लक्ष्मी और कीर्त दोनों ही वापस लौट रही हैं। राजा सत्यदेव ने पूछा, ''आप कैसे लौट आईं?'' तो दोनों देवियों ने कहा, ''हम उस स्थल से दूर नहीं जा सकतीं जहां पर सत्य रहता है।'' प्रसंग का सार यह है कि जहां सत्य का निवास होता है वहां पर यश, धर्म और लक्ष्मी का निवास अपने आप ही हो जाता है। इसलिए हमेशा सत्य का साथ देना चाहिए। सत्य को कभी भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

अचला सप्तमी व्रत कल

हिंदू धर्म में कई सारे पर्व त्योहार मनाए जाते है और सभी का अपना महत्व होता है वही अचला सप्तमी का व्रत बेहद खास माना जाता है पंचांग के अनुसार माघ मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को सैर सप्तमी या अचला सप्तमी के नाम से जाना जाता है आपको बता दें कि इस व्रत का नाम सौर सप्तमी इसलिए पड़ा क्योंकि महिलाएं इस दिन सूर्य नारायण को प्रसन्न करने के लिए व्रत करती है।

इस बार अचला सप्तमी का व्रत 28 जनवरी दिन शनिवार को किया जाएगा जो की बेहद खास माना जाता है मान्यता है कि इस दिन व्रत पूजा करने से जीवन में सुख शांति और समृद्धि का आगमन होता है तो आज हम आपको अपने इस लेख द्वारा अचला सप्तमी व्रत पूजा की विधि बता रहे है तो आइए जानते है।

ज्योतिष अनुसार जो महिलाएं इससे पहले पड़ने वाले शीतला षष्ठी का भी व्रत रखती है उन्हें षष्ठी में केवल एक बार ही भोजन

करना चाहिए। सप्तमी के दिन विधि पूर्वक सूर्य भगवान की पूजा करना शुभ होता है इस दिन सुबह उठकर पवित्र नदी, तालाब पर जाकर सिर पर दीपक धारण कर सूर्यदेव की स्तुति करते हुए भगवान को जल अर्पित करें जल देते वक्त सूर्यदेव के मंत्र या फिर गायंत्री मंत्र का जाप जरूर करना चाहिए।

वही स्नान के बा सूर्य की अष्टदली प्रतिमा बनाकर मध्य में शिव और पार्वती की स्थान कर पूजा करे। पूजन के बाद गरीबों व जरूरतमंदों को दान जरूर दें। फिर इसके बाद सूर्य और शिव पार्वती का विसर्जन कर घर आने के बाद गरीबों को भोजन कराएं और फिर खुद भी भोजन कर अपने व्रत का पारण करें मान्यता है कि इस विधि से पूजा पाठ करने से भगवान प्रसन्न होकर कृपा बरसाते है।

शहीर शेख की बिल्डिंग में लगी आग : शहीर ने फायर फाइटर बनकर बचाई पत्नी रुचिका और 16 महीने की बेटी की जान

टीवी के पॉपुलर एक्टर शहीर शेख की बिल्डिंग में 25 जनवरी 2023 की रात को भयंकर आग लग गई थी। इस आग में शहीर की पत्नी रुचिका, उनकी 16 महीने की बेटी और उनके बीमार पिता (जो व्हीलचेयर पर हैं) फंस गए थे। हालांकि, अब वो सब ठीक हैं। इस पूरी घटना की जानकारी शहीर शेख की पत्नी रुचिका कपूर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर दी है।

रुचिका ने लिखा, 'रात को 1:30 बजे कॉल आया कि हमारी बिल्डिंग में आग लग गई है। जब हमने बाहर का दरवाजा खोला तो वहां बहुत ज्यादा धुआं था और इस वजह से कुछ दिख भी नहीं रहा था। हमारा वहां से निकल पाना असंभव था। हमारे पास इंतजार करने के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं था। ये सब देखकर मैं बुरी तरह डर गई थी। फिर मैंने शहीर को फोन करके बताया कि यहां ये सब हो रहा है, लेकिन मैंने इस बात का भी ध्यान रखा कि मैं उन्हें पैनिक न करूं।

मैं नहीं चाहती थी कि वो डर जाएं।'

रुचिका ने आगे लिखा, 'मेरे पापा बीमार रहते हैं और इस वजह से व्हीलचेयर पर हैं। मेरी बेटी 16 महीने की है। मुझे पता था कि वहां से निकलना नामुमकिन था, फिर भी मैं लोगों की आवाजें सुन रही थी कि जल्दी बाहर निकलो। 15वीं फ्लोर से उतरकर नीचे जाना भी मुश्किल था। हमने सारे तौलिए गीले किए और उन्हें घर के दरवाजों के नीचे लगा दिया ताकि धुआं घर के अंदर न आ सके।'

रुचिका नोट में लिखती हैं, 'लेकिन धुआं तेजी से कमरों में भर रहा था। तभी एक फायर फाइटर आया और उसने हमें बताया कि हम नैपकिन गीले करके नाक पर लगा लें ताकि बेहोश न हों। उसने हमें बताया कि वो लोग आग बुझाने की कोशिश कर रहे हैं। थोड़ी देर की बात है और तब तक उन्हें सुरक्षित निकाल लिया जाएगा। वहीं नीचे शहीर बाकी लड़कों के साथ मिलकर गाड़ियों को धक्का मारकर दूसरी जगह ले जा रहे थे ताकि फायर इंजन के लिए जगह बनाई जा सके।'

रुचिका नोट में आगे लिखती हैं, 'मुझे पड़ोसियों ने फोन करके बताया कि शहीर ने खुद ही फायर एक्सटिंग्विशर लेकर ऊपर आकर आग बुझाने की कोशिश की थी। बाद में फायर एक्सटिंग्विशर वाले आए। फाइनली 3.30 बजे शहीर, मेरे जीजा जी और 4 फायर फाइटर्स हमारे पास आए। पहले हमने मां और बेटी अनाया को निकाला। फिर शहीर और जीजा जी मेरे पापा को व्हीलचेयर पर 15 फ्लोर उतरकर नीचे ले गए। तब तक सुबह के 5 बज चुके थे।'

रुचिका ने आखिरी में सबको धन्यवाद कहते हुए लिखा, 'मैं उन सभी फायर फाइटर्स की शुक्रगुजार हूं, जिन्होंने हमें बचाया। मैं बहुत खुश हूं कि मैंने और अनाया ने ये वीकेंड मम्मी-पापा के साथ बिताने का मन बनाया था। क्योंकि यह सोचकर मैं कांप जाती हूं कि हम नहीं होते तो क्या होता? शहीर ने हमारे लिए जो किया, वो ऐसा लगता है जैसे किसी फिल्म का सीन हो। लेकिन फिर मुझे लगता है कि फिल्में तो इंसानों से प्रेरित हो कर ही बनाई जाती हैं।'

मनाली में 'ड्रीम गर्ल 2' की शूटिंग में लगे 50 दिन, 5 दिन में शूट हुआ फिल्म का क्लाइमेक्स

राइटर और डायरेक्टर राज शांडिल्य ने टी-सीरीज कंपनी, के साथ मिलकर फिल्में बनाने का फैसला लिया है। उनकी फिल्म ड्रीम गर्ल 2 जल्द ही बॉक्स ऑफिस पर दस्तक देने के लिए तैयार है। हाल ही में बातचीत के दौरान राज ने टी-सीरीज के साथ अपने कोलैबोरेशन और अपनी अपकमिंग फिल्म के ड्रीम गर्ल 2 के बारे में खुलकर बात की। इस दौरान उन्होंने कहा- ' सिर्फ बतौर डायरेक्टर फिल्मों करूंगा तो इसमें बहुत वक्त लग जाएगा। मैंने इसलिए टी-सीरीज के कोलैबोरेट किया है। भूषण कुमार एक कमर्शियल प्रोड्यूसर हैं, इसलिए उनके साथ काम करने में थोड़ा कम वक्त लगेगा।

बातचीत के दौरान राज शांडिल्य ने कहा- मैं अपनी फिल्में लिखने के लिए ज्यादातर लोनावाला और इगतपुरी जाता हूं, लेकिन ड्रीम गर्ल 2 की कहानी मैंने मनाली में लिखी है। दरअसल, पेंडेमिक के टाइम हम 3-4 महीने मनाली में फंसे हुए

थे, उसी दौरान फिल्म की कहानी पर काम हुआ। पूरी फिल्म तकरीबन 6 महीने में लिखी गई।

कहानी की डिमांड के चलते नुसरत को किया गया रिप्लेस

इस बार फिल्म 'ड्रीम गर्ल 2' में नुसरत भरुचा की जगह अनन्या पांडे हैं। कहानी में अलग लड़की चाहिए थी, इसलिए अनन्या को लिया गया। जैसे-जैसे कहानी आती जाएगी, वैसे-वैसे तीन-चार, पांच-छह, सात पार्ट बनता रहेगा।

अनन्या के रोल के लिए नहीं लिया ऑडिशन

अनन्या के रोल के लिए हमने किसी से ऑडिशन नहीं लिया था। किरदार में अनन्या करेक्ट बैठ रही थीं, इसलिए पहली बार अनन्या को ही अप्रोच किया था और उन्होंने कहानी सुनकर हां बोल दिया।

गर्मी की वजह से बार-बार करना पड़ता था मेकअप

वैसे तो फिल्म की शूटिंग सितंबर-अक्टूबर में की थी, लेकिन आगरा, मथुरा में गर्मी बहुत थी। शूटिंग के दौरान गर्मी इतनी थी कि हर दो मिनट में मेकअप करना पड़ता था। यह आयुष्मान और अनन्या का ही नहीं, बल्कि सारे स्टार्स के मेकअप संभालने पड़ते थे।'

फिल्म में कुल पांच गाने हैं। यह रोमांटिक गाना है, एक डांस नंबर है, जिस तरह कमर्शियल गाने होते हैं, उसी तरह फिल्म में कहानी को आगे बढ़ाने वाले कुल पांच हैं। डांस नंबर गाना जो है, वह काफी खास है। उसे देखने पर ही मजा आएगा। डांस के लिए रिहर्सल बहुत करना पड़ा है। रिहर्सल के चलते एक सप्ताह अधिक सेट को खड़ा रखना पड़ा।

इस बार आयुष्मान खुराना ही नहीं, बल्कि सारे एक्टर से काफी तैयारी करवाई गई है। पिछली बार आयुष्मान की आवाज सुनाई दी थी, इस बार वो खुद नजर आएंगे। वह क्या-क्या नजर आएंगे, कैसे नजर आएंगे, इसे अभी रिवील नहीं कर सकता, पर जैसे-जैसे चीजें आती जाएंगी, वैसे रिवील होता जाएगा।

शाहरुख खान की फिल्म 'पठान' का हिस्सा नहीं है ऋतिक रोशन

बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान की मच अवेटेड मूवी 'पठान' 25 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म को लेकर लोगों के बीच एक्साइटमेंट थी, वो सोशल मीडिया पर देखने को मिल रही है। फैंस सिनेमाघरों के बाहर जश्न मना रहे हैं। तो वहीं फिल्म से सींस की तस्वीरें और वीडियोज शेयर कर रहे हैं। शाहरुख खान इस फिल्म के जरिए पूरे चार साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। फिल्म में शाहरुख खान के अलावा दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम भी अहम भूमिका में हैं।

काफी समय से चर्चा थी कि इस फिल्म में सुपरस्टार ऋतिक रोशन दमदार कैमियो करते दिखाई देने वाले हैं। खबर थी कि फिल्म पठान यशराज के स्पाई यूनिवर्स की हिस्सा है, और को ऋतिक रोशन और टाइगर श्रॉफ की बार के साथ ही सलमान खान की टाइगर से जोड़ा जा रहा था। हालांकि रिलीज के बाद फिल्म में सिर्फ सलमान खान का कैमियो देखने को मिला।

ऋतिक रोशन नहीं हैं पठान का हिस्सा

ई-टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक आदित्य चोपड़ा ने उन्हें पठान में कैमियो करने का ऑफर दिया था लेकिन ऋतिक रोशन ने इसे ठुकरा दिया था। ऋतिक रोशन की 'वॉर' एक अलग फ्रेंचाइजी बनेगी, जिसकी अगली कड़ी 2-3 सालों बाद शुरू होगी। सूत्रों के मुताबिक "जासूसी फ्रेंचाइजी की तीनों फिल्मों को एक साथ लाने का कोई मतलब नहीं है। फ्रेंचाइजी के आखिरी में उन्हें एक साथ देखना मजेदार होगा।"

इसके अलावा साल 2022 में सुमेध शिंदे के साथ बातचीत के दौरान, शाहरुख खान ने भी इस बात का हिंट दिया था कि ऋतिक रोशन फिल्म का हिस्सा नहीं होंगे। उनसे पूछा गया था कि फिल्म से क्या गायब है। इसका जवाब देते हुए किंग खान ने कहा था कि "वॉर देखने के बाद तो केवल ऋतिक की कमी है।"

फिल्म में सलमान खान का 20 मिनट का कैमियो

बता दें कि फिल्म में शाहरुख खान का दमदार कैमियो देखने को मिल रहा है। फिल्म में सलमान खान का 20 मिनट का कैमियो है। फिल्म में लोग शाहरुख खान और सलमान खान की जोड़ी को काफी पसंद कर रहे हैं। ये पहली बार है जब सलमान और शाहरुख एक्शन करते नजर आ रहे हैं।

50 करोड़ का अपार्टमेंट, 2.17 करोड़ की गाड़ी

शादी के बाद अथिया- राहुल पर उपहारों की बारिश, सुनील शेट्टी, सलमान और विराट ने दिए करोड़ो के गिफ्ट्स

एक्ट्रेस अथिया शेट्टी और क्रिकेटर केएल राहुल 23 जनवरी को शादी के बंधन में बंध गए। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो शादी के बाद इस नए नवेले जोड़े को दोस्तों और रिश्तेदारों की तरफ से काफी महंगे-महंगे गिफ्ट्स मिले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सुनील शेट्टी ने अपनी बेटी और दामाद को मुंबई में 50 करोड़ का एक आलीशान अपार्टमेंट गिफ्ट किया है।

वहीं सुनील शेट्टी के करीबी दोस्त सलमान खान ने अथिया को 1.64 करोड़ की ऑडी कार गिफ्ट की है। जैकी श्रॉफ और अर्जुन कपूर ने भी अथिया और राहुल को महंगे उपहार दिए हैं।

अर्जुन कपूर ने दिया डायमंड ब्रेसलेट

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अथिया के खास दोस्त और एक्टर अर्जुन कपूर ने उन्हें 1.5 करोड़ का डायमंड ब्रेसलेट दिया है जबकि जैकी श्रॉफ ने अथिया को 30 लाख का लग्जरी वॉच गिफ्ट किया है। अथिया के अलावा केएल राहुल को भी काफी महंगे गिफ्ट्स मिले हैं। राहुल के करीबी दोस्त विराट कोहली ने उन्हें 2.17 करोड़ की बीएमडब्ल्यू कार गिफ्ट की है। वहीं टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने भी राहुल को 80 लाख रुपए की कावासाकी निंजा बाइक गिफ्ट की है।

अथिया और राहुल शादी 23 जनवरी को सुनील शेट्टी के खंडाला वाले फॉर्महाउस पर हुई। इस शादी को बेहद प्राइवेट रखा गया था। शादी में केवल 100 मेहमानों को ही इनवाइट किया गया था। दीपिका - रणवीर, आलिया- रणबीर और विक्की- कटरीना की शादी की तरह इसे भी काफी हद तक प्राइवेट रखा गया था। इस शादी में भी नो फोन पॉलिसी थी।

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में ये कहा जा रहा है कि फिल्म इंडस्ट्री और क्रिकेट जगत से जुड़े लोगों के लिए मई में एक ग्रैंड रिसेप्शन रखा जाएगा। फिलहाल इंडियन क्रिकेट के खिलाड़ी इस वक्त घरेलू सीरीज में व्यस्त हैं, इसलिए मई में IPL के खत्म होने के बाद एक बड़ी पार्टी का आयोजन किया जाएगा। हालांकि दोनों परिवारों की तरफ से इस बारे में अभी तक कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की गई है।

बेटी की शादी के बाद सुनील शेट्टी काफी हद तक इमोशनल नजर आए। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो फेरो के वक्त सुनील के आंसू निकल आए थे। शादी के बाद उन्होंने अथिया और राहुल की फोटो पोस्ट करते हुए लिखा, 'प्यार और विश्वास के साथ सही शख्स का हाथ पकड़ना हमेशा सही होता है। किसी भी रिश्ते को मजबूती प्यार और विश्वास ही देता है। तुम दोनों को ढेर सारी बधाई मेरे बच्चों। भगवान तुम्हें आशीर्वाद दें।'

हंसिका मोटवानी ने रॉयल ब्लू गाउन पहनकर अपना डायमंड नेकलेस फ्लॉन्ट करते हुए फोटोज शेयर की हैं।

अनुराग कश्यप ने की फिल्म 'पठान' में शाहरुख खान की तारीफ

शाहरुख खान की बहुचर्चित और बहुप्रतिक्षित फिल्म 'पठान' रिलीज हो चुकी है। पहले फिल्म की एडवांस बुकिंग ने सबको हैरान कर दिया और अब सिनेमाघरों के बाहर और सोशल मीडिया पर दर्शकों की प्रतिक्रिया कमाल की है। इसी बीच फिल्ममेकर अनुराग कश्यप का भी बयान सामने आया है। वह फिल्म की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। अनुराग ने शाहरुख खान के एक्शन और उनके लुक की तारीफ की।

अनुराग कश्यप पहले ही दिन 'पठान' देखने पहुंचे। थिएटर के बाहर अनुराग कश्यप ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि उन्हें इस फिल्म में शाहरुख बहुत ही बेहतरीन लगे हैं। अनुराग कश्यप की भाषा में बताएं तो उन्होंने कहा,"शाहरुख खान इतना हसीन, इतना सुंदर पहले कभी लगा नहीं। हम तो उसे देखने आए थे और दिल खुश हो गया। खतरनाक एक्शन है, इस तरह का एक्शन उन्होंने पहले कभी किया नहीं। खतरनाक एक्शन है।" इसके साथ ही उन्होंने जॉन अब्राहम की भी तारीफ की।

इन सितारों ने भी की तारीफ

बता दें कि 'पठान' को देखने के लिए इस वक्त हर कोई बेताब है। सोशल मीडिया पर बॉलीवुड से जुड़े तमाम लोग फिल्म और शाहरुख खान की तारीफ कर रहे हैं।

सिंगर और रैपर बादशाह ने ट्विटर पर बताया कि वह आज 'पठान' देखने जा रहे हैं। इसके अलावा पंजाबी सिंगर मीका सिंह ने शाहरुख खान को बधाई देते हुए कहा कि वह नाराज हैं क्योंकि उन्हें फिल्म देखनी है, लेकिन उन्हें टिकट नहीं मिल रहे।

आपको बता दें कि शाहरुख खान की फिल्म के लिए 50 करोड़ रुपये की एडवांस बुकिंग हुई थी। अब फिल्म को जबरदस्त तारीफ और रिव्यू मिल रहे हैं। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श समेत कई फिल्म क्रिटिक्स ने 'पठान' को 4.5 रेटिंग दी है। पहले दिन की धमाकेदार कमाई को देखते हुए उम्मीद जताई जा रही है कि फिल्म का कलेक्शन 26 जनवरी पर उछाल ले सकता है। वीकेंड तक फिल्म के 200 करोड़ का कलेक्शन कर सकती है। इस फिल्म के साथ शाहरुख खान ने बड़े पर्दे पर 4 साल बाद वापसी की है। इससे पहले वह 2018 में फिल्म 'जीरो' में नजर आए थे। उनकी ये फिल्म फ्लॉप रही थी। बॉलीवुड के लिए 2022 काफी खराब रहा था। एक के बाद एक फिल्में बॉक्स ऑफिस पर असफल रही। जिसके बाद अब शाहरुख की ये फिल्म उम्मीद की किरण बनकर आई है।

ट्विटर अकाउंट बहाल होते ही दिखे कंगना के तेवर

अभिनेत्री कंगना रनौत मंगलवार को एक बार फिर से ट्विटर पर वापस लौट आई हैं। इसके बाद उन्होंने ट्वीट किया। उन्होंने लिखा कि फिल्म इंडस्ट्री एक क्रैश है, जहां पर एक कला परियोजना की सफलता पैसों से की गई है। बता दें कि कंगना ने यह ट्वीट पठान फिल्म की रिलीज वाले दिन किया।

अभिनेत्री ने ट्वीट पर लिखा कि फिल्म उद्योग इतना क्रैश और क्रूड है कि जब भी वे किसी भी प्रयास, निर्माण, कला की सफलता का प्रोजेक्ट करना चाहते हैं तो वे आपके चेहरे पर पैसे फेंकते हैं। जैसे कि कला का कोई भी उद्देश्य नहीं। जो कि उनके गिरे हुए स्टैंडर्ड को दिखाता है।

उन्होंने आगे लिखा कि सिनेमा महज आर्थिक लाभ के लिए नहीं बना है और यही कारण है कि कलाकारों की पूजा की जाती है। शुरुआत में कला का प्रदर्शन मंदिरों में होता था और अब यह साहित्य, थिएटर और आखिर में सिनेमाघरों तक पहुंच गई है। यह एक उद्योग है, लेकिन इसके अरबों, ट्रिलियन डॉलर के अन्य व्यवसायों की तरह मुख्य रूप से आर्थिक लाभ के लिए नहीं बनाया गया है। यही वजह है कि कला और कलाकारों की पूजा की जाती है, न कि उद्योगपतियों या अरबपतियों की। कंगना ने आगे लिखा कि तो भले ही कलाकार देश में कला और संस्कृति को प्रदूषित कर रहे हो, उन्हें इसे बेशर्मी से नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण तरीके से करना चाहिए।

बता दें कि करीब दो साल पहले ट्विटर की गाइडलाइंस का उल्लंघन करने की वजह से कंगना का ट्विटर अकाउंट सस्पेंड कर दिया गया था। इसके बाद मंगलवार को कंगना का

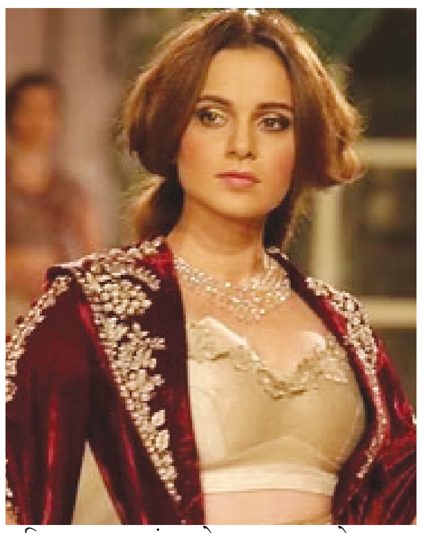

ट्विटर अकाउंट दोबारा शुरू हो गया। दरअसल, एलन मस्क ने जब ट्विटर की बागडोर संभाली, तब कंगना ने उनसे अकाउंट रिस्टोर करने का अनुरोध किया था।

बता दें कि कंगना की फिल्म मणिकर्णिका की सफलता के बाद कई फिल्में रिलीज हुईं। इनमें पंगा, थलाइवी और धाकड़ शामिल हैं। हालांकि, तीनों ही फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। मणिकर्णिका ने बॉक्स ऑफिस पर 92 करोड़ की कमाई की थी। इन दिनों अभिनेत्री अपनी आने वाली फिल्म इमरजेंसी पर काम कर रही हैं। उन्होंने हाल ही में बताया था कि इस फिल्म के लिए अपनी सारी संपत्ति गिरवी रख दी है। इमरजेंसी फिल्म पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर आधारित है।

क्या सलमान व आमिर अंदाज अपना अपना के सीक्वल में साथ नजर आने वाले हैं?

बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान को मंगलवार (25 जनवरी) को मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान के घर के बाहर स्पॉट किया गया। अब इसका एक वीडियो सामने आया है, जिसमें सलमान अपनी कार में बैठे हुए नजर आ रहे हैं। इस दौरान वो कैजुअल लुक में नजर आए। अब सलमान को आमिर के घर के बाहर देखने के बाद फैंस कयास लगा रहे हैं कि दोनों 'अंदाज अपना अपना' के सीक्वल में साथ दिखाई देने वाले हैं।

दरअसल सलमान खान और आमिर खान स्टारर फिल्म 'अंदाज अपना अपना' 29 साल पहले रिलीज हुई थी। ये फिल्म हिट साबित हुई थी और फैंस ने दोनों की जोड़ी को खूब पसंद किया था। वहीं कुछ दिनों पहले फिल्म के डायरेक्टर राजकुमार संतोषी ने फिल्म के सीक्वल की अनाउंसमेंट की थी। उन्होंने कहा था कि इस फिल्म के सीक्वल का नाम 'अदा अपनी अपनी' होगा। हालांकि उन्होंने फिल्म के एक्टर्स का खुलासा नहीं किया। अब सलमान को आमिर के घर के बाहर देखकर सोशल मीडिया यूजर्स तरह-तरह से रिएक्ट कर रहे हैं। जहां एक ने लिखा, 'क्या आमिर और सलमान एक साथ कोई फिल्म प्लान कर रहे हैं?' वहीं दूसरे ने लिखा, 'लगता है ये दोनों 'अंदाज अपना अपना' के सीक्वल में साथ नजर आने वाले हैं।' वर्कफ्रंट की बात करें तो आमिर खान आखिरी बार 'लाल सिंह चड्ढा' में नजर आए थे। ये फिल्म पिछले साल रिलीज हुई थी, जो फ्लॉप साबित हुई। वहीं सलमान, कटरीना कैफ के साथ 'टाइगर 3' में दिखाई देने वाले हैं। इसके साथ ही वो शहनाज गिल और पूजा हेगड़े के साथ 'किसी का भाई किसी की जान' में भी नजर आएंगे।

फोटो शूट में कहर ढाया फिल्मी हसीनाओं ने

प्रियंका चोपड़ा ने अपने हालिया फोटोशूट की झलक फैंस को दिखाई है। इसमें वे बेहद खूबसूरत लग रही हैं।

फैंस प्रियंका के इस अंदाज को खूब पसंद करते हुए उन्हें सबसे खूबसूरत एक्ट्रेस कह रहे हैं।

अनुष्का शर्मा ने येलो ऑफ शोल्डर टॉप में ग्लैमरस फोटोशूट कराया है।

नोरा फतेही ने व्हाइट आउटफिट में फोटोशूट कराया है। इसमें वे बेहद खूबसूरत लग रही हैं।

मलाइका अरोड़ा व्हाइट पैंटसूट में बेहद स्टनिंग लग रही हैं।

सोनाक्षी सिन्हा

पठान फ़िल्म की समीक्षा

शाहरुख खान की खुद को लॉन्च करने की एक बड़े बजट की फ़िल्म, जो फ़िल्म कम और हॉलीवुड की स्पाई थ्रिलर का मिक्चर ज्यादा हैं। वैसे इसमें कोई बुराई नहीं हैं। क्योंकि स्पाई थ्रिलर फिल्मों की कहानी एक जैसी ही होती हैं। पर बुराई ये हैं। कि उसे पेश जिस तरह से किया गया हैं। कुछ भी नया इस फ़िल्म में नहीं हैं। एक सिंगल शॉट भी ऐसा नहीं हैं। जो पहले ना देखा हो, पर क्या करें हमारे या फिल्में थोड़ी ना बनती हैं। यहाँ तो प्रोजेक्ट बनते हैं।, हीरो लॉन्च होते हैं, प्रोड्यूसर ये बताते हैं। कि हम बड़े बजट की फ़िल्म बनाएंगे।, निर्देशक पचास के होने पर ऐतिहासिक घटनाओं की तेहरवीं बनाते हैं। और जिस तरह से पृथ्वीराज चौहान फ़िल्म में वीर शब्द की ऐसी-तैसी मारी थी। इसमें सोल्जर शब्द पकड़ लिया हैं। और उसकी ऐसी-तैसी ढंग से मारी हैं। कोई भी लुका इस फ़िल्म में सोल्जर बन जाता हैं। और फाइट करने लगता हैं। जहाँ जरूरत नहीं हैं। वहाँ भी लड़ाई बज रही हैं। अरे भाई ठीक हैं। तुम्हें एक्शन दिखाना, तो पहले पटकथा तो लिखों।

कहानी- जिम(जॉन अब्राहम) को पाकिस्तान के एक जनरल ने काम दिया हैं। इंडिया को बर्बाद करने का, क्योंकि इंडिया ने धारा 370 को निष्प्रभावी कर दिया हैं। और पाकिस्तान कश्मीर को एक बार फिर चाहता हैं। ये जिम भारतीय गुप्तचर रॉ एजेंसी का पुराना एजेंट हैं। जिसकी देश ने मदद नहीं की, इसलिए अब उसे भी बदला लेने का अवसर मिल गया हैं। तो बस उसे रोकने के लिए पठान(शाहरुख खान) आता हैं। और रोक लेता हैं। और झुमहे जो पठान गाने के साथ फ़िल्म का अंत हो जाता हैं।

एक्टिंग; शाहरुख खान ने एक दम जबरदस्त एक्टिंग की हैं। क्योंकि वो अब जो भी फिल्में कर रहे हैं। वो उनकी आखिरी ही हैं। तो उन्होंने पूरी जान लगाकर काम किया हैं।, लुक्स, स्टाइल सब कुछ देखकर ठीक लगता हैं।

जॉन अब्राहम को एक साथ कूल, एंग्री, जोकिंग, टशनी, स्टाइलिश, ख़ौफ़ज़दा, बेख़ौफ़, दिखना था। लेकिन आप सब लोग जानते ही हैं। ये वो बन्दा हैं। जो एक्टिंग ना करने की कसम खाकर आया हैं। और पूरी फिल्म में एक जैसा दिखा हैं। और जब शाहरुख के साथ स्क्रीन शेयर कर रहा हैं। तब तो इस पर गुस्सा आएगा। इस रोल के लिए सेफ अली खान ज्यादा सही रहता दीपिका इस बन्दी को नचाने के लिए, बदन दिखाने के लिए, रखा गया हैं। और हालात ये हैं। कि ये इस चीज़ को ढंग से कर नहीं पा रही हैं। लेकिन डायरेक्टर की जिद्द हैं। कि बोल्ड दिख, अब जब किसी के अंदर जो चीज़ हैं। ही नहीं कहा से लाए।

बाकी एक्टर्स आशुतोष राणा रोते हुए एक्टिंग कर रहा हैं।, डिम्पल क्वाडिया इंटेंस दिखने की कोशिश कर रही हैं। और बाकी इस फ़िल्म में केवल मार खाने के लिए आये हैं।

पटकथा; अहा! ये ही शब्द निकला इस फ़िल्म को देखने के बाद, किस ने बेफकूफ ने ये लिखी हैं। कौन सा नशा किया था। कुछ भी हो रहा हैं। फ़िल्म में, रसिया में चौरी, ये कैसी चौरी थी। ज़रा बताओगे ऐसा लगा जैसे पठान ने उसकी प्लानिंग पिछले जन्म से कर रखी हैं। बिना किसी झंझट के चौरी हो जाती हैं। ऐसे ही दूसरा सीन जॉन इंडिया के पूरे डिफेंस सिस्टम को हैक कर लेता हैं। और अगले सीन में प्लैन में बैठकर कश्मीर का सौदा कर रहा हैं।

अफगानिस्तान से बड़ी मानवतावादी कंट्री इस पूरी दुनिया मे नही हैं। भारत के एक अनाथ बच्चें को पठान नाम दे देती हैं। यहाँ कि मानवता, और हद तो ये हैं। कि इस मानवता को उजाड़ने का काम अमेरिका कर रहा हैं। हद से ज्यादा प्रेम पाकिस्तान और अफगानिस्तान के लिए दिखाया हैं। फ़िल्म में,

या तो जिम इतना चालाक हैं। कि अगर खुदा भी उससे पूछे के तुझे क्या चाहिए तो वो कहेगा खुदा तेरी साज़िश हैं। इसमें, लेकिन हद हैं। उसने अपना एक भी प्लान सही से पूरा किया हो, हर बार वो क्या कर रहा हैं।, कहाँ कर रहा हैं। शाहरुख पता लगा लेता और लास्ट में तो हद हो जाती हैं। जब जिम तसल्ली से पठान से अपना प्लान डिसकस करता हैं। और फिर कहता हैं। अब हम लड़ेंगे, और पठान कहता हैं। बिल्कुल भैया तुम मारना और मैं पिटूंगा। सच में इसे स्क्रीनपले कहते हैं।

ऐसे ही सबको पता हैं। चीन वायरस वगैरह फैलाता हैं। लेकिन इन्होंने दिखाया रसिया को हैं। क्यों भाई थोड़ा भी सच नहीं दिखा सकते। या डरते हो कि फिर चीन फ़िल्म रिलीज़ नहीं करेगा अपने देश में।

एक्शन; इस फ़िल्म में फोकस केवल एक्शन पर ही हैं। पर उसमें भी कुछ एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी नहीं हैं। वो ही कार,बाइक चेजिंग, हेलीकॉप्टर शॉट, मेन टू मेन फाइट, पचास बन्दों को एक साथ पीटना, स्टाइल से गन पकड़ना, और हद ये हैं। जिस सीन को बहुत बड़े लेवेल पर शूट किया गया हैं। सलमान का कैमियों वहाँ वीएफएक्स इतना गन्दा हैं। कि देखा नहीं जाता, ऊपर से ट्रेन की रफ्तार अरे भाई, क्या दिखा रहे हो इसे कुछ ढंग से समझाओ, लेकिन मेकर्स को लगा कि सलमान सब संभाल लेगा।

और केजीएफ टू में यश ने बंदूक क्या चलाई। ये सब लोग उस सीन को कितनी बार डालेंगे। ऐसा लग रहा हैं। जैसे वो इंडियन एक्शन मूवी सिग्नेचर सीन हो गया हैं।

अंतिम बात ये हैं। कि ये फ़िल्म एक पाकिस्तानी प्रेम से भरी हुई फ़िल्म हैं। इसमें बताया गया हैं। आईएसआई पाकिस्तान एजेंसी के दो हिस्से हैं। एक अच्छा वाला, और एक बुरा वाला, अच्छा वाला चाहता हैं। दुनिया एक शांति की जगह बनी रहे, और बुरा वाला तोड़-फोड़, बस फिर क्या हैं। अच्छे वाले से हमारा हीरो इश्क़ करता हैं। और बुरे वाले को पिटता हैं। और तो और अब पाकिस्तान ने आतंकवाद से किनारा कर लिया हैं। और वो प्राइवेट ट्रेररिस्ट को हायर करता हैं। और उन्हें अताह पैसा दे देता हैं। इस फ़िल्म में बताया गया हैं। कि रॉ कभी भी अपने गुप्तचरों से पीछा छुड़ा सकती हैं। और फिर वो बाद में जाकर आतंकवादी बन जाते हैं।

लड़की ऑब्जेक्ट ही होती हैं। बॉलीवुड में ये फ़िल्म इस बात को ढंग से साबित करती हैं। लेकिन मजाल हैं। कोई उंगली उठाये इस बात पर, आखिर यश चोपड़ा के बेटे ने प्रोड्यूस की हैं। और फास्ट पांच का बिकनी पर फिंगर प्रिंट लेने वाला सीन कॉपी कर लिया वो भी खुले आम और दिखाया क्या हैं। कि रसियन लोग औरतों को देखकर लार टपका रहे हैं। अरे भाई तुम्हें मालूम होना चाहिए सेक्स रेश्यो उनका खराब नहीं हैं। और रसिया में लड़कियां ज्यादा महत्व देती हैं। सेक्स को बनिबस्त लड़कों के, लेकिन इन्हें तो कुछ भी दिखाना हैं।

असल मे ये फ़िल्म 370 के हटने के दर्द को जो बॉलीवुड को हुआ हैं। उसकी अभिव्यक्ति हैं। ये पाकिस्तान को बताना चाहती हैं। कि तुम इस तरह से कश्मीर ले सकते हों, क्योंकि भारत के पास सेना हैं। ही नहीं, और ना पैसा हैं। जो अफगानिस्तान के पठान को हायर कर सकें। क्योंकि दुनिया मे जो पठान हैं। उनसे ज्यादा ताकतवर कोई नहीं हैं। और ये असल मे बॉलीवुड वाले ज्ञान देते हैं। जात-पात, दीन धर्म सब बेकार हैं।

तो सार ये हैं। कि फ़िल्म बेकार हैं।, देखना चाहते हो तो देख सकते हैं। पर खुद को जान से मारने का मन करें देखने के बाद, तो कृपया करकर गाली ही देकर काम चला लेना क्योंकि इस देश में लड़के-लड़कियों की बहुत जरूरत देश सेवा के लिए जब पाकिस्तान हमला करवाएगा प्राइवेट टेरीरिस्ट ग्रुप से, क्योंकि अफसोस सारे पठान दुनिया की रिचेस्ट कंट्री अफगानिस्तान में तालिबान जैसा शांति समर्थक एनजीओ बनाकर दुनिया के भुखमरी को मिटाने के लिए खाद्यान्न उत्पादन में लगे हुए हैं। और वो आ नहीं पाएंगे।

गदर 2 का फर्स्ट लुक पोस्टर हुआ आउट

सनी देओल हाथ में हथौड़ा लिए आए नजर, 11 अगस्त 2023 को रिलीज होगा सीक्वल

बॉलीवुड एक्टर सनी देओल और अमीषा पटेल की मच अवेटेड फिल्म 'गदर 2' इस साल रिलीज होने वाली है। ये 22 साल पहले रिलीज हुई फिल्म 'गदरः एक प्रेम कथा' का सीक्वल है। अब रिपब्लिक डे के खास मौके पर सनी ने फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर शेयर करते हुए फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है।

11 अगस्त को रिलीज होगा गदर का सीक्वल

सनी देओल ने 'गदर 2' का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, 'हिंदुस्तान जिंदाबाद है, जिंदाबाद था और जिंदाबाद रहेगा। इस स्वतंत्रता दिवस पर हम आपके लिए इंडियन सिनेमा की सबसे बड़ी फिल्म का सीक्वल ला रहे हैं। 'गदर 2' इस साल 11 अगस्त को रिलीज होने वाली है।' इसके साथ ही सनी ने सबको गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं भी दी हैं।

15 जून 2023 को एक बार फिर रिलीज होगी गदर

'गदर' के मेकर्स ने कुछ दिनों पहले ऑफिशियल स्टेटमेंट शेयर कर बताया था कि 'गदर 2' से पहले 'गदरः एक प्रेम कथा' को रिलीज किया जाएगा। इसे उसी तारीख को रिलीज किया जाएगा, जिसमें इसे 2001 में रिलीज किया गया था। फिल्म के मेकर्स ने ये फैसला इसलिए लिया है ताकि ऑडियंस को फिल्म की पूरी कहानी एक बार फिर से समझ आ जाए। मेकर्स ने इस फिल्म को 15 जून 2023 को रिलीज करने का फैसला किया है।

गदर के पहले पार्ट ने की थी 250 करोड़ की कमाई

फिल्म 'गदरः एक प्रेम कथा' 22 साल पहले रिलीज हुई थी। ये फिल्म सनी के करियर की सबसे बड़ी हिट फिल्म थी। फिल्म की रिलीज के बाद आलम ये था कि लोग ट्रकों में भरकर फिल्म देखने आते थे और कई बार तो टिकट नहीं मिलने पर लोगों ने बवाल भी करते थे। उस वक्त इस फिल्म ने 250 करोड़ की कमाई की थी। इस फिल्म के सीक्वल को लेकर 15 साल से काम चल रहा है। इसकी कहानी जहां पर खत्म हुई थी, वहीं से आगे बढ़ेगी। ये सनी देओल (तारा सिंह), अमीषा पटेल (सकीना) और उनके बेटे जीत की कहानी होगी। फिल्म की कहानी को इंडिया पाकिस्तान एंगल से आगे बढ़ाया जाएगा।

टीवी सीरियल अनुपमा में काव्या की मॉडलिंग रोकने के लिए वनराज चलेगा गंदी चाल

अनुपमा सीरियल के आने वाले एपिसोड में बड़ा बवाल देखने को मिलने वाला है। काव्या के सामने वनराज की सस्ती चाल का खुलासा हो जाएगा। वहीं अब अनुपमा-अनुज के साथ एक बड़ा कांड होने वाला है। अनुपमा लेटेस्ट एपिसोड के आज के एपिसोड में काव्या और वनराज के बीच जबरदस्त लड़ाई देखने को मिलेगी। वनराज जो अपनी पत्नी काव्या को मॉडलिंग से रोकने के लिए अपनी सालों पुरानी गंदी चाल का इस्तेमाल करने की सोच रहा है।

जैसे ही काव्या को इस बात का पता चलता है, वह वनराज (अनुपमा वनराज) को इतना कड़ा सबक सिखाती है कि उसके होश ठिकाने आ जाते हैं। अनुपमा सीरियल के लेटेस्ट एपिसोड में काव्या को पता चलेगा कि वनराज उसे प्रेग्नेंट करने के बारे में सोच रहा है ताकि वह मॉडलिंग में अपना करियर न बना सके। वहीं काव्या को इस बारे में पता चल जाएगा और वह वनराज को बताएगी कि उसे अच्छी तरह याद है कि कैसे उसने अनुपमा (अनुपमा रूपाली गांगुली) को अमेरिका जाने से रोकने के लिए प्रेग्नेंट करवाया था। वनराज यह सुनकर चौंक जाएगा। काव्या अपने पति वनराज से कहेगी कि अगर कोई उसे रोकता है तो वह रुकने वाली नहीं है।

माया की एंट्री ने अनुपमा-अनुज (अनुपमा-अनुज लव स्टोरी) की जिंदगी में जहर घोलना शुरू कर दिया है। अनुज कपाड़िया (अनुपमा गौरव खन्ना) और अनुपमा (रूपाली गांगुली) अनाथालय को बुलाएंगे। तब उन्हें पता चलेगा कि माया छोटी अनु की असली माँ है। दूसरी ओर, अनुपमा सपना देखेगी कि कोई छोटी बच्ची का अपहरण कर रहा है और फिर वह चीख उठेगी। फिर वह रोते हुए अनुज को अपने सपने के बारे में बताएगी।

बिग बॉस 16: प्रियंका के कपड़ों को लेकर शिव ठाकरे ने किया कमेंट

बिग बॉस 16 के लेटेस्ट एपिसोड में निमृत कौर अहलूवालिया की कप्तानी और टिकट टू फिनाले को लेकर प्रियंका चौधरी और शिव ठाकरे के बीच लड़ाई होती दिखी। नए एपिसोड में, उन्होंने अपने दोस्तों के चरित्र हनन के लिए प्रियंका की आलोचना की। वहीं, प्रियंका ने उन्हें झूठा इंसान कहा। बिग बॉस ने घरवालों को एक टास्क दिया कि अगर वे चाहते हैं कि निमृत कप्तानी से हट जाए और फिनाले का टिकट छोड़ दे तो उन्हें उसके बोर्ड से रिंग निकालनी होगी। तो ऐसे में शिव, सुम्बुल तौकीर खान और एमसी स्टेन अपने दोस्त निमृत के समर्थन में आए। निमृत के खिलाफ प्रियंका ने जो कहा उससे शिव असहमत थे, जबकि उन्होंने उन्हें झूठा इंसान भी कहा था। बिग बॉस ने निर्देश दिया था, आप सभी बातचीत कर निमृत को कैप्टेंसी और टिकट टू फिनाले वीक की हकदारी से निकलने के लिए दस रिंग निकालेंगे। टास्क के दौरान प्रियंका ने शिव से कहा, तुम्हारी तरह नहीं जो लड़कियों के लिए गंदा बोलती हूं। गुस्से में, दोनों एक दूसरे के चेहरे के करीब आ गए और फिर शिव ने कहा, लड़कियों पर तुम जाते हो। तुम सिर्फ चमचे रखती हो, दोस्त नहीं रखती हो। प्रियंका ने चिल्लाते हुए कहा, झूठा इंसान, झूठा इंसान।

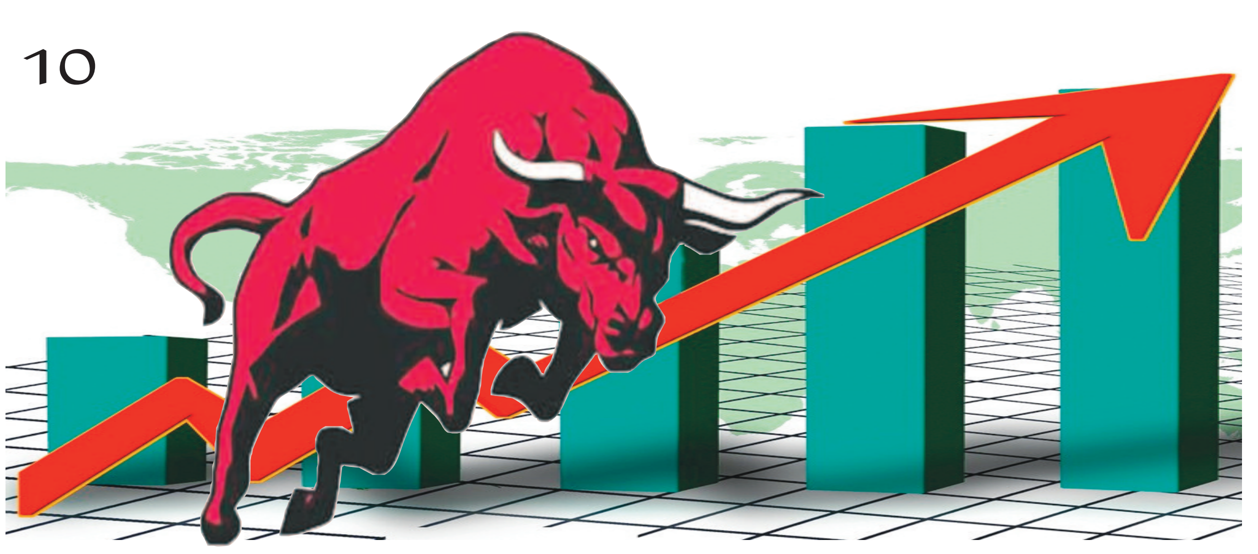

आसान इलेक्ट्रॉनिक पेमेंट का बढ़ा ट्रेंड:कैशलेस हो रही इकोनॉमी, 1 साल में 27% बढ़ा कार्ड पेमेंट

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। देश में कार्ड पेमेंट का चलन तेजी से बढ़ रहा है। बीते साल देश में कार्ड पेमेंट करीब 27% बढ़ा। ग्लोबलडेटा का अनुमान है कि अगले चार वर्षों के दौरान ये सालाना 18.7% की दर से बढ़ेगा। डेटा एंड एनालिटिक्स कंपनी के मुताबिक 2026 तक देश में कार्ड के जरिये पेमेंट 43.3 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच जाएगा। ग्लोबल डेटा के पेमेंट कार्ड एनालिटिक्स के मुताबिक, 2022 के दौरान भारत में कार्ड के जरिये किए गए पेमेंट की वैल्यू 26.7% बढ़ी होगी। आम लोगों के बीच इलेक्ट्रॉनिक पेमेंट का बढ़ता ट्रेंड और पेमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार इसकी बड़ी वजह है। कोविड संबंधी पाबंदियां हटने के बाद उपभोक्ता खर्च बढ़ने के बीच बीते साल बड़े पैमाने पर कार्ड पेमेंट किए गए। विश्लेषक कार्तिक छल्ला ने कहा, 'हाल के वर्षों में इलेक्ट्रॉनिक पेमेंट तेजी से बढ़ा है। सरकार भी कार्ड स्वाइप, यूपीआई या इंटरनेट से इलेक्ट्रॉनिक पेमेंट को सपोर्ट करती रही है।' ग्लोबल डेटा के मुताबिक, 2022 में हर 100 में से सिर्फ 6.3 लोगों के पास क्रेडिट कार्ड और चार्ज कार्ड हैं। लेकिन कुल कार्ड पेमेंट में इनकी हिस्सेदारी 63.2% रही। दूसरी तरफ हर 100 में से 71.7 लोगों के पास डेबिट कार्ड हैं, लेकिन कुल कार्ड पेमेंट में इनकी हिस्सेदारी 36.8% रही। इसका मतलब है कि क्रेडिट कार्ड के जरिये ज्यादा खर्च किया जा रहा है। रिजर्व बैंक ने जनवरी 2021 में पेमेंट इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड (पीआईडीएफ) बनाया था। इसके जरिये पीओएस (पॉइंट ऑफ सेल) टर्मिनल और क्यूआर कोड इंस्टॉल करने पर व्यापारियों को सब्सिडी देकर पेमेंट इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार किया गया।

बजट से पहले 'हलवा समारोह' में पहुंचीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2023-24 से पहले वित्त मंत्रालय में आयोजित 'हलवा समारोह' में भाग लिया। केंद्रीय बजट 2023-24 से संबंधित दस्तावेजों की छपाई की शुरुआत को चिह्नित करने के लिए 'हलवा समारोह' आयोजित किया जाता है। इस दौरान केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री डॉ. भागवत किशनराव कराड, वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

क्या है हलवा सेरेमनी ?

मीठी शुरुआत के तौर पर हलवा सेरेमनी एक परंपरागत बजट पूर्व कार्यक्रम है, जिसे बजट की छपाई से पहले मनाया जाता रहा है। कहा जाता है लंबे समय तक चलने वाली बजट बनाने की प्रक्रिया की समाप्ति के बाद मीठा खाकर बजट की छपाई को औपचारिक रूप से हरी झंडी दिखाई जाती है। यह समारोह वित्त मंत्रालय के नॉर्थ ब्लॉक के बेसमेंट में होता है, जहां एक विशेष प्रिंटिंग प्रेस है।

यह भी है एक परंपरा

कहते हैं कि संसद में बजट पेश होने से पहले करीब 10 दिनों तक बजट से जुड़े वित्त मंत्रालय के अधिकारी और कर्मचारी नॉर्थ ब्लॉक के बेसमेंट में ही रहते हैं। जहां पूरी गोपनीयता रखी जाती है। दावों के मुताबिक मंत्रालय के अधिकारियों और कर्मचारियों पर इंटेलिजेंस ब्यूरो की चौबीसों घंटे निगरानी रहती है, उन्हें प्रियजनों से संपर्क करने की भी अनुमति नहीं होती। यहां तक की उन्हें फोन करने की भी इजाजत नहीं होती है। सीसीटीवी का एक मजबूत नेटवर्क और जैमर उन्हें बाहरी संपर्क से काट कर रखता है।

1950 तक छपाई राष्ट्रपति भवन में होती थी

बताया जाता है 1950 तक बजट दस्तावेज की छपाई राष्ट्रपति भवन में होती थी, लेकिन उसी वर्ष एक लीक हो जाने के बाद इसे मिंटो रोड और बाद में नॉर्थ ब्लॉक के बेसमेंट में स्थानांतरित कर दिया गया। बजट की छपाई स्थायी रूप से इसी प्रिंटिंग प्रेस में होने लगी।

बजट सत्र 31 जनवरी से शुरू होगा

संसद का बजट सत्र 31 जनवरी से शुरू होगा। इसी दिन लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का अभिभाषण होगा। संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि इस सत्र में 27 बैठकें होंगी और बजट के कागजात की जांच के लिए एक महीने के अवकाश के साथ 6 अप्रैल तक चलेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को केंद्रीय बजट 2023-24 पेश करेंगी।

बैंक हड़ताल: 30-31 जनवरी को होने वाली है बैंकों की देशव्यापी हड़ताल ?

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। इस महीने के आखिर में बैंकों में हड़ताल के चलते आपके बैंकों के कामकाज अटक सकते हैं। दरअसल 30-31 जनवरी को देश की कुछ बैंकिंग यूनियनों ने हड़ताल का आह्वान किया है। हालांकि क्या ये हड़ताल पूरी तरह पक्की हो गई है, इस लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। बैंक यूनियनों द्वारा घोषित दो दिवसीय हड़ताल के स्टेटस का पता 27 जनवरी को चलेगा। बैंक यूनियनों और मैनेजमेंट के बीच एक और दौर की सुलह बैठक 27 जनवरी को होने जा रही है। अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी संघ (एआईबीईए) के महासचिव सी।एच। वेंकटचलम ने बताया है कि, 30 व 31 जनवरी को हड़ताल का आह्वान किया गया है। दरअसल मंगलवार को मुंबई में उप मुख्य श्रम आयुक्त की सुलह बैठक में बैंक यूनियनों की मांगों के समाधान का कोई ठोस आश्वासन नहीं निकला है।

दूसरी ओर भारतीय बैंक संघ (आईबीए) ने कहा कि वह 15 दिनों के भीतर यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के साथ चर्चा करने के लिए तैयार है। उनके मुताबिक, सुलह बैठक का अगला दौर 27 जनवरी को होगा और इस तरह हड़ताल का आह्वान जारी है। यदि हड़ताल होती है तो यह 1 फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए जाने वाले केंद्रीय बजट से पहले होगी।

आईबीएम ने 3900 एंप्लाइज की छंटनी का प्रोसेस शुरू किया, ये बताया कारण

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। टेक दिग्गज आईबीएम 3,900 कर्मचारियों की छंटनी कर रही है। आईबीएम के मुख्य वित्तीय अधिकारी जेम्स कवानुघ के अनुसार छंटनी से कंपनी को जनवरी-मार्च की अवधि में 300 मिलियन डॉलर का शुल्क लगेगा। बुधवार देर रात कंपनी की आय कॉल के दौरान उन्होंने कहा, हमने पिछले कुछ वर्षों में कई महत्वपूर्ण कार्रवाई की है, इसके परिणामस्वरूप हमारे व्यवसाय में कुछ फंसी हुई लागतें आई हैं।

मेटा, अल्फाबेट, माइक्रोसॉफ्ट की कतार में शामिल हुई आईबीएम

कवानुघ ने कहा, हम साल की शुरुआत में इन शेष फंसे हुए खर्चों को दूर करने की उम्मीद करते हैं और पहली तिमाही में करीब 300 मिलियन डॉलर का शुल्क लगाने की उम्मीद करते हैं। आईबीएम अब मेटा, अल्फाबेट, माइक्रोसॉफ्ट और अन्य जैसी कई तकनीकी कंपनियों में शामिल हो गया है, जो वैश्विक आर्थिक प्रतिकूलताओं के बीच कर्मचारियों की छंटनी कर रही है।

दिसंबर तिमाही में कंपनी का ऐसा रहा प्रदर्शन

31 दिसंबर, 2022 को समाप्त होने वाली तिमाही में कंपनी ने 16.7 बिलियन डॉलर का राजस्व, 3.8 बिलियन डॉलर का परिचालन पूर्व-कर आय, और 3.60 डॉलर प्रति शेयर परिचालन आय हासिल की। कंपनी ने कहा, मौसमी रूप से सबसे मजबूत तिमाही में हमने 5.2 बिलियन डॉलर का फ्री कैश फ्लो जेनरेट किया। स्थिर मुद्रा पर तिमाही के लिए राजस्व 6 फीसदी से अधिक था।

आईबीएम के मैनेजमेंट का क्या है कहना

आईबीएम के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरविंद कृष्णा ने कहा कि सॉफ्टवेयर पोर्टफोलियो को मजबूत करने के लिए हमने हाइब्रिड क्लाउड और एआई क्षमताओं में निवेश किया है। कृष्णा ने कहा, इस वर्ष हम अधिक उत्पादकता हासिल करेंगे, अपनी रणनीतिक साझेदारी का विस्तार करेंगे, और विशिष्ट विकास बाजारों में अधिक निवेश करेंगे। उन्होंने कहा, 2023 के लिए हम अपने मिड-सिंगल-डिजिट मॉडल रेंज और लगभग 10.5 बिलियन डॉलर की मुफ्त नकदी के अनुरूप राजस्व वृद्धि देखते हैं।

संयुक्त राष्ट्र ने 2023 में भारत की जीडीपी के 5.8 फीसद पर रहने का अनुमान दिया, पिछले साल से कम है आंकड़ा

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। भारत की आर्थिक विकास दर को लेकर कई अनुमान आते रहते हैं। इसके साथ ही वैश्विक संस्थाएं इस बात पर ध्यान देती रही हैं कि भारत सबसे तेजी से आगे बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा। अब एक और वैश्विक संस्था संयुक्त राष्ट्र ने भारत की आर्थिक विकास दर के लिए अनुमान जारी किया है। इसमें जो उम्मीद जताई गई है, हालांकि वो साल 2022 के आंकड़े के मुताबिक कम है।

भारत की जीडीपी साल 2023 में कितनी रहेगी

संयुक्त राष्ट्र ने बुधवार को अनुमान जताया कि भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वित्त वर्ष 2023 में 5.8 फीसदी रह सकता है। ऊंची ब्याज दरों और वैश्विक आर्थिक मंदी से निवेश और निर्यात पर दबाव पड़ रहा है और इसका असर भारत की आर्थिक विकास दर पर देखा जाएगा। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र ने देश की आर्थिक वृद्धि मजबूत रहने की उम्मीद जताई है जबकि अन्य दक्षिण एशियाई देशों के लिए संभावनाएं ज्यादा चुनौतीपूर्ण हैं।

ग्लोबल इकोनॉमी की जीडीपी दर में आएगी गिरावट- संयुक्त राष्ट्र

'वैश्विक आर्थिक स्थिति और संभावनाएं-2023' रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक उत्पादन वृद्धि 2022 में अनुमानित तीन फीसदी से घटकर 2023 में 1.9 फीसदी रहने का अनुमान है, जो हाल के दशकों में सबसे कम विकास दर में से एक है। रिपोर्ट में इसके लिए कोविड महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध से उपजे हालात को जिम्मेदार ठहराया गया है, जिसके चलते खाद्य और ऊर्जा संकट खड़ा हुआ और मंहगाई बढ़ी। साल 2022 के मुकाबले कम रहेगी 2023 में भारत की जीडीपी रिपोर्ट में कहा गया, भारत में विकास दर 5.8 फीसदी पर रहने की उम्मीद है, हालांकि यह 2022 में अनुमानित 6.4 फीसदी से थोड़ा कम है, क्योंकि उच्च ब्याज दरों और वैश्विक मंदी से निवेश और निर्यात पर दबाव पड़ा है।भारत सरकार ने देश की जीडीपी के लिए जो आंकड़ा जारी किया है वो पहले के मुकाबले कम पर है। वित्त वर्ष 2023 के लिए भारत सरकार ने 7 फीसदी की आर्थिक विकास दर रहने का अनुमान लगाया है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारभ समय	
सूर्य-	मकर	में	मकर-	06-03 बजे
चंद्र-	मीन	में	कुंभ -	07-53 बजे
मंगल	वृष	में	मीन...	09-32 बजे
बुध-	धनु	में	मेष--	11-07 बजे
गुरु-	मीन	में	वृष--	12-52 बजे
शुक्र-	कुंभ	में	मिथुन..	14-54 बजे
शनि-	कुंभ	में	कर्क...	17-05 बजे
राहु-	मेष	में	सिंह...	19-17 बजे
केतु-	तुला	में	कन्या..	20-24 बजे
			तुला	23-29 बजे
			वृश्चिक.	01-40 बजे
			धनु.....	03-57 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-शिशिरदिशाशूल- पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- षष्ठी- **09 -10** तक उपरान्त सप्तमी
मास - माघ शुक्ल पक्ष , शुक्रवार **Jan 27**
नक्षत्र -रेवती - **18 -36** तक उपरान्त अश्विनी
योग - सिद्ध - **13 - 21** - तक उप साध्य
करण- तैतिल **-09 - 10** - तक उप- गर
विशेष:-
व्रत -त्योहार - पंचक **-18-36** तक

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 11:04 से 12:29 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल.	06:53 - 08:15	शुभ	रोग.	18:07 - 19:43	अशुभ
लाभ.	08:15 - 09:40	शुभ	काल.	19:43 - 21:18	अशुभ
अमृत.	09:40 - 11:04	शुभ	लाभ.	21:18 - 22:53	शुभ
काल.	11:04 - 12:29	अशुभ	उत्पात	22:53 - 00:29	अशुभ
शुभ.	12:29 - 13:54	शुभ	शुभ.	00:29 - 02:04	शुभ
रोग	13:54 - 15:18	अशुभ	अमृत	02:04 - 03:40	शुभ
उत्पात	15:18 - 16:43	अशुभ	चंचल	03:40 - 05:15	शुभ
चंचल	16:43 - 18:03	शुभ	रोग	05:15 - 06:53	अशुभ

कौन हैं नाथन एंडरसन जिनकी एक रिपोर्ट ने गौतम अडानी को दे दिया 45 हजार करोड़ का झटका

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका की शॉर्ट-सेलिंग फर्म हिंडनबर्ग अनुसंधान की एक निगेटिव रिपोर्ट के कारण अडानी ग्रुप के शेयरों में बुधवार को भारी गिरावट आई। इससे भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस गौतम अडानी को 45 हजार करोड़ रुपये का झटका लगा। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक अडानी की नेटवर्थ 113 अरब डॉलर रह गई है और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में चौथे नंबर पर खिसक गए हैं। हिंडनबर्ग अनुसंधान की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अडानी ग्रुप में सबकुछ ठीकठाक नहीं है। ग्रुप दशकों से खुल्लम-खुल्ला शेयरों में गड़बड़ी और अकाउंट धोखाधड़ी में शामिल रहा है। हालांकि अडानी ग्रुप ने इस रिपोर्ट को झूठ का पुलिंदा बताते हुए कहा है कि यह एफपीओ से पहले उसे बदनाम करने की साजिश है। अडानी ग्रुप का 20,000 करोड़ रुपये का एफपीओ शुक्रवार को खुल रहा है। हिंडनबर्ग अनुसंधान ने अब तक कई कंपनियों का पर्दाफाश किया है। इसकी स्थापना 2017 में नाथन एंडरसन ने की थी। यह एक फोरेंसिक फाइनेंशियल रिसर्च फर्म है जो इक्विटी, क्रेडिट और डेरिवेटिव्स को एनालाइज करती है। इस कंपनी का नाम छह मई, 1937 में हुए हाई प्रोफाइल हिंडनबर्ग एयरशिप हादसे के नाम पर रखा गया है। यह दुर्घटना अमेरिका में न्यू जर्सी के मैनचेस्टर टाउनशिप में हुई थी। हिंडनबर्ग अनुसंधान किसी भी कंपनी में हो रही गड़बड़ी का पता लगाती है और फिर उसके बारे में रिपोर्ट पब्लिश करती है। कंपनी के वेबसाइट में कहा गया है कि उसकी नजर मैन-मेड डिजास्टर्स पर रहती है। इनमें अकाउंटिंग में गड़बड़ी, कुप्रबंधन और अनडिस्क्लोज्ड रिलेटेड पार्टी ट्रांजैक्शंस शामिल है। यह प्रॉफिट कमाने के लिए टारगेट कंपनी के खिलाफ बेट लगाती है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक नाथन एंडरसन ने यूनिवर्सिटी ऑफ कनेक्टीकट से इंटरनेशनल बिजनस में डिग्री लेने के बाद एक डेटा कंपनी फैक्टसेट रिसर्च सिस्टम्स इंक में काम किया। वहां उनका काम इनवेस्टमेंट मैनेजमेंट कंपनियों से जुड़ा हुआ था। साल 2020 में वॉल स्ट्रीट जर्नल को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था, 'मुझे महसूस हुआ कि कामचलाऊ एनालिसिस हो रहा है।' दिलचस्प बात है कि नाथन एंडरसन इजरायल में एंबुलेंस ड्राइवर का काम भी कर चुके हैं। उनका कहना है कि उन्हें भारी दबाव में काम करने में मजा आता है।हैरी मार्कपोलोस को एंडरसन अपना रोल मॉडल मानते हैं। मार्कपोलोस एक एनालिस्ट हैं जिन्होंने बर्नी मेडॉफ की फ्रॉड स्कीम का पर्दाफाश किया था। हिंडनबर्ग ने सितंबर 2020 में इलेक्ट्रिक ट्रक मेकल निकोला कॉर्प के खिलाफ बेट लगाई थी और भारी रकम जीती थी। हालांकि एंडरसन ने इस अमाउंट का खुलासा नहीं किया। उनका कहना है कि निकोला ने अपने टेक्नोलॉजिकल डेवलपमेंट के बारे में निवशकों को धोखा दिया।

यूपीआई व आधार जैसे भारतीय तकनीकी मंचों को अपनाएंगे कई देश, मार्च तक करेंगे समझौता

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। सरकार की उम्मीद है कि भारत में विकसित यूपीआई-आधार जैसे प्रौद्योगिकी मंचों को अपनाने को मार्च तक 5-7 देश समझौता करेंगे। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने बुधवार को 'इंडिया स्टैक डेवलपर कॉन्फ्रेंस' में कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने में मदद के लिए विभिन्न देशों को भारतीय तकनीकी मंच मुहैया कराने का फैसला किया है। इसलिए मुझे उम्मीद है कि फरवरी-मार्च तक दुनिया के 5-7 देश इन मंचों को अपनाने के लिए समझौता करेंगे। सरकार ने जी-20 के अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी के तहत अन्य देशों को अपने प्रौद्योगिकी मंचों मसलन आधार, यूपीआई, डिजी लॉकर, को-विन, जीईएम, जीएसटीएम आदि की पेशकश की है। चंद्रशेखर ने कहा, डाटा व उपकरणों की बढ़ती कीमतें डिजिटलीकरण के तेजी से प्रसार के लिए चिंता का विषय हैं। केंद्रीय मंत्री की यह टिप्पणी भारती एयरटेल के न्यूनतम मासिक रिचार्ज योजना को 57 फीसदी महंगा करने की पृष्ठभूमि में आई है। उन्होंने कहा, उन्हें एयरटेल के इस फैसले के बारे में जानकारी नहीं थी।

आपका राशिफल

मेष — धू धे धो ला ली लू ले लो ञा
मौज-मस्ती की यात्राएँ और सामाजिक मेलजोल आपको तनावमुक्त और ख़ुश रखेंगे। आज आप एक सकारात्मक आभा बिखेरेंगे और अच्छे मन की स्थिति के साथ घर से बाहर निकलेंगे, लेकिन आपका कोई कीमती सामान लुट जाने से आपका मूड खराब हो सकता है। रिश्तेदार आपका दुख बांटेंगे।

वृष — ई उ ए जो वा वी वू वे वो
अपने दिमाग को परेशान करने वाली समस्याओं को सुलझाने के लिए आपको अपनी बुद्धिमत्ता, चतुराई और कूटनीति से काम लेने की जरूरत है। दिन की शुरुआत में आपको कोई आर्थिक नुकसान हो सकता है जिससे पूरा दिन खराब हो सकता है। अपनी पत्नी का काम का बोझ कम करने के लिए घरेलू कामों में उनकी मदद करें।

मिथुन — का की कू घ ड झ के को हा
आपकी झुंझलाहट आपकी सेहत बिगाड़ सकती है- अगर आप बीती घटनाओं के बारे में सोचते रहेंगे- तो जितना हो सके आराम करने की कोशिश करें। जिन लोगों ने किसी से पैसा उधार लिया है उन्हें किसी भी परिस्थिति में कर्ज चुकाना पड़ सकता है। ऐसे में यह आपकी आर्थिक स्थिति को कमजोर कर सकता है।

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
आपको अपनी टेंशन से मुक्ति मिल सकती है। आज बिना किसी पूर्व सूचना के आपके कर्जदार का पैसा आपके खाते में आ जाएगा, जो आपको हैरान भी कर सकता है और खुश भी कर सकता है। आपका तल्ख़ बर्ताव आपके भाई का मूड ख़राब कर सकता है। प्रेम बंधन को बनाए रखने के लिए आपको आपसी सम्मान और विश्वास विकसित करने की आवश्यकता है।

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
प्रकृति ने आपको अद्भुत आत्मविश्वास और बुद्धिमत्ता प्रदान की है- इसलिए इसका सर्वोत्तम उपयोग करें। पैसों के लेन-देन पूरे दिन लगातार होते रहेंगे और दिन के ख़त्म होने के बाद आप पर्याप्त बचत कर पाएंगे। प्रेम-साथी और जुड़ाव बढ़ेगा। दोस्ती के गहराते ही रोमांस आपके रास्ते में आ जाता है।

कन्या — टो पा पी पू ष ण ट पे पो
ओवरस्ट्रेस से बचें क्योंकि इससे केवल तनाव और थकावट ही होगी। जिन लोगों ने बिना सोचे समझे कहीं निवेश किया था उन्हें आज अपनी गलती का खामियाजा भुगतना पड़ सकता है, क्योंकि वह पैसा डूब सकता है। पड़ोसी से झगड़ा आपका मूड खराब कर सकता है। लेकिन अपना आपा न खोएं क्योंकि यह आग में घी डालने का ही काम करेगा।

तुला — स री रु रे से ता तू ते
व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद स्वास्थ्य ठीक रहेगा। पैसों को बचाने के आपके प्रयास आज विफल हो सकते हैं। हालांकि आपको इससे घबराने की जरूरत नहीं है, स्थिति में जल्द ही सुधार होगा। घरेलू कामकाज आपको ज्यादातर समय व्यस्त रखता है। सगाई करने वालों को अपनी मंगेतर बड़ी खुशी का स्रोत मिलेगी।

वृश्चिक — तो मा मी मू मे मो य यी यू
हृदय रोगियों के लिए कॉफी छोड़ने का यह सही समय है। कोई और प्रयोग आपके दिल पर अनावश्यक दबाव डालेगा। आज आपके माता-पिता में से कोई आपको पैसे बचाने के महत्व पर लेक्चर दे सकता है। आपको उनकी बातों को बहुत ही ध्यान से सुनने की जरूरत है, नहीं तो आने वाले समय में आपको दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

धनु — ये यो भा भी मू धा फा ढा भे
अपने स्वास्थ्य के बारे में चिंता न करें क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। बिना किसी से सलाह लिए आज आपको अपना धन निवेश नहीं करना चाहिए। छोटा भाई या बहन आपसे सलाह ले सकते हैं। आज रोमांस की कोई उम्मीद नहीं है। आज के दिन आपको अपने किए हुए काम के लिए पहचान मिलेगी।

मकर — भे जे जी खी खू खो मा मी
तनाव के कारण छोटी मोटी बीमारी हो सकती है। बेवजह के खर्चे आज आपकी आर्थिक स्थिति को खराब कर सकते हैं। जितना हो सके कम खर्च करें और केवल उन्हीं चीजों पर खर्च करें जो जरूरी हैं। बेवजह दूसरों में कमियां निकालना आपके रिश्तेदारों की आलोचना का विषय बन सकता है। आपको यह समझना चाहिए कि यह केवल समय की बर्बादी है।

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
मानसिक शांति के लिए अपने तनाव को दूर करें। जिन लोगों ने अपना पैसा सट्टे या जुए में लगाया था उन्हें आज नुकसान हो सकता है। इसलिए आपको सलाह दी जाती है कि सट्टेबाजी से दूर रहें। युवाओं को शामिल करने वाली गतिविधियों में शामिल होने का अच्छा समय है। रोमांस आपके दिल और दिमाग पर राज करता है।

मीन — ढी दू ध झ ञ दे दो घ घी
अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए गंभीर प्रयास करें। पैसों से जुड़ी समस्याओं को लेकर आज आप कुछ चिंतित रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने विश्वस्त विश्वासपात्र से सलाह लेनी चाहिए। अपने परिवार के सदस्यों की भावनाओं को आहत करने से बचने के लिए अपने गुस्से पर नियंत्रण रखें।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

फ्लाइट टिकट रिफंड के नए नियम

टिकट डाउनग्रेड या कैंसिल करने, बोर्डिंग से इनकार करने पर 75% तक पैसा वापस होगा

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। डायरेक्टर जनरल ऑफ सिविल एविएशन ने पैसेंजर्स के टिकट को लेकर नया निर्देश जारी किया है। नए नियमों के मुताबिक अगर कोई एयरलाइन सर्विस कंपनी किसी पैसेंजर का टिकट डाउनग्रेड करती है, उसे बिना बताए टिकट कैंसिल करती है या बोर्डिंग से इनकार करती है तो उसे टिकट का 30% से 75% तक की राशि रिफंड करनी होगी।

नए नियम 15 फरवरी से लागू होंगे। नए नियमों के तहत कंपनियों को घरेलू फ्लाइट्स पर टिकट की लागत का 75% रिफंड देना होगा। इसमें टिकट पर लिया गया टैक्स भी शामिल होगा। इसके अलावा इंटरनेशनल पैसेंजर्स के साथ ऐसी कोई स्थिति बनती है तो 1500 किलोमीटर या उससे कम की उड़ानों के लिए टिकट की लागत का 30%, 1500 किमी से 3500 किमी के बीच की उड़ानों के लिए 50% और 3500 किमी से अधिक की उड़ानों के लिए 75% रिफंड यात्रियों को देना होगा। इसमें टिकट पर लिया गया टैक्स भी शामिल होगा। पेशाब केस में एअर इंडिया पर 30 लाख जुर्माना डीजीसीए अफसर लगातार एक्शन मोड में हैं। पिछले दिनों चर्चा में रहे न्यूयॉर्क से नई दिल्ली आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट के पेशाब कांड के बाद डीजीसीए ने एयरलाइन पर 30 लाख का जुर्माना लगाया था। डीजीसीए ने पायलट का लाइसेंस 3 महीने के लिए सस्पेंड कर दिया था।

बिग बुल राकेश झुनझुनवाला को पद्म श्री अवॉर्ड

कुमार मंगलम बिड़ला और सुधा मूर्ति को पद्म भूषण

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने 74वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर पद्म पुरस्कार विजेताओं के नामों का ऐलान किया। इस अवसर पर सरकार ने उद्योगपतियों राकेश झुनझुनवाला, कुमार मंगलम बिड़ला, सुधा मूर्ति और अरीज पिरोजशॉ खंबाटा को भी पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वहीं सरकार ने 6 हस्तियों को पद्म विभूषण, 9 को पद्म भूषण और 91 को पद्म श्री सम्मान से सम्मानित किया है।आदित्य बिड़ला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला और इंफोसिस को-फाउंडर एन नारायाण मूर्ति की पत्नी सुधा मूर्ति को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया है। वहीं बीते साल दुनिया को अलविदा कह गए भारतीय शेयर बाजार के बिग बुल राकेश झुनझुनवाला को मरणोपरांत देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म श्री अवॉर्ड से नवाजा गया है।राकेश झुनझुनवाला के अलावा रसना ग्रुप के फाउंडर और चेयरमैन अरीज पिरोजशॉ खंबाटा को भी मरणोपरांत पद्म श्री से नवाजा गया है। बता दें कि झुनझुनवाला का निधन 62 साल की उम्र में बीते साल 14 अगस्त 2022 को हो गया था। सिर्फ 5 हजार रुपए से शेयर बाजार में अपनी शुरुआत करने वाले झुनझुनवाला ने अपनी ऐसी पहचान बनाई थी कि उन्हें भारत का वॉरेन बफे कहा जाने लगा था।

कुमार मंगलम ने 1995 में बिड़ला ग्रुप की कमान संभाली थी

वहीं 28 साल की उम्र में बिड़ला ग्रुप की जिम्मेदारी अपने कंधे पर उठाकर केएम बिड़ला ने अपने ग्रुप का तेजी से विस्तार किया। कुमार मंगलम ने अपने पिता आदित्य विक्रम बिड़ला के निधन के बाद 1995 में ग्रुप की कमान संभाली थी। उन्होंने अपनी काबिलियत और मेहनत से आदित्य बिड़ला ग्रुप का टर्नओवर 60 बिलियन डॉलर तक पहुंचाया।

अरीज खंबाटा का नवंबर 2022 में हुआ था निधन

सुधा मुर्ति की बात करें तो आईटी दिग्गज कंपनी इंफोसिस को शुरू करने में उनका सबसे अहम रोल रहा था। दरअसल, उनके दिए गए 10,000 रुपयों से ही इस कंपनी की नींव पड़ी थी। वहीं अरीज पिरोजशॉ खंबाटा का 85 साल की उम्र में नवंबर 2022 में निधन हो गया था। साल 1976 में खंबाटा परिवार ने रसना ग्रुप की नींव रखी थी। उन्होंने ऑरेंज वैरिएंट का नाम 'जाफे' रखा था।

बीजेपी का यूपी वाला हिंदुत्व एजेंडा कर्नाटक में फेल

हिजाब, हलाल-अजान के मुद्दे बेअसर, अगले 90 दिनों के लिए नई स्ट्रैटजी

बेंगलुरु(एक्सक्लूसिव डेस्क), 26 जनवरी। यूपी में हिंदुत्व के जिस मुद्दे पर बीजेपी ने 255 सीटें जीती थीं, वो कर्नाटक में फेल होता दिख रहा है। ये साबित हो रहा है कर्नाटक में बीजेपी की बदली रणनीति से। बीते 90 दिनों में पार्टी ने हिजाब-हलाल-अजान जैसे मुद्दों से किनारा किया है और डेवलपमेंट पर बात करनी शुरू की है। बीजेपी सूत्रों के मुताबिक अगले 90 दिनों के लिए एक नई स्ट्रैटजी भी तैयार की जा रही है। इसमें डेवलपमेंट के अलावा जाति की राजनीति पर फोकस रहने वाला है।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव में बमुश्किल तीन महीने का वक्त बचा है। दक्षिण भारत में सिर्फ कर्नाटक ही ऐसा राज्य है, जहां बीजेपी सत्ता में है। 2018 में यहां भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला था, लेकिन कांग्रेस के विधायकों को तोड़कर बीजेपी ने सरकार बना ली थी। हालांकि, इस बार जो सर्वे सामने आ रहे हैं, उनके आंकड़ों ने पार्टी को मुश्किल में डाल दिया है।

गृहमंत्री शाह ने सीएम बोम्मई को लगाई फटकार

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बीजेपी केंद्रीय नेतृत्व के सर्वे में पार्टी को कर्नाटक में एक बार फिर बहुमत नहीं मिल रहा है। सर्वे में राज्य की कुल 224 विधानसभा सीटों में से पार्टी को सिर्फ 60-70 सीटें मिलती दिख रही हैं। ऐसा ही एक सर्वे सीएम बसवराज बोम्मई ने भी कराया, जिसमें पार्टी को 110 सीटें मिलने का दावा किया गया। हालांकि बहुमत के लिए 113 सीट चाहिए।

बीजेपी सोर्सेज के मुताबिक बीते दिनों गृहमंत्री शाह बेंगलुरु आए थे। उन्होंने बसवराज बोम्मई के साथ मीटिंग की थी। शाह ने बोम्मई से सख्त लहजे में पूछा था कि जब पार्टी के सर्वे में 60 से 70 सीटें आती दिख रही हैं, तो आप किस आधार पर 110 सीटें जीतने का दावा कर रहे हैं। इसके बाद बीजेपी ने अगले तीन महीने के लिए चुनावी रणनीति में बड़ा बदलाव किया है।

धर्म की जगह अब जाति पर फोकस

कर्नाटक के सीनियर जर्नलिस्ट बेलागुर समीउल्ला कहते हैं, 'हिजाब-हलाल और अजान का इश्यू क्रिएट करके हिंदू और मुस्लिम वोटों को बांटने की कोशिश की गई थी। तीन महीने पहले तक यही मुद्दे कर्नाटक में छाए हुए थे। नेशनल से लेकर लोकल टेलीविजन चैनल पर सुबह-शाम इन्हीं पर डिबेट हो रही थी, लेकिन जो लोकल चैनल ये शो दिनभर दिखा रहे थे, उनकी टीआरपी 100 से 40 पर आ गई।'

समीउल्ला आगे कहते हैं, 'पिछले एक साल के दौरान बीजेपी को ग्राउंड पर रिस्पॉन्स मिलता नहीं दिखा, उसी के बाद हिंदुत्व की राजनीति से पार्टी पीछे हट गई है। बीजेपी ने अब कास्ट पॉलिटिक्स पर जाने का फैसला लिया है। इसी के तहत राज्य में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण बढ़ाने का अध्यादेश विधानसभा में पेश किया गया।

इस ऑर्डिनेंस के जरिए एससी का रिजर्वेशन 15 से 17%और एसटी का 3 से बढ़ाकर 7% तक किया गया है। ये फैसला हाईकोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस एचएन नागमोहन दास की अध्यक्षता वाले आयोग की सिफारिशों के हिसाब से लिया गया है।

इससे कर्नाटक में आरक्षण 56% तक पहुंच जाएगा। इसलिए विपक्षी दल सरकार से पूछ रहे हैं कि वे इसे कैसे लागू करेंगे। सरकार ने यह कवायद एससी-एसटी वोट बैंक को साधने के लिए की है, क्योंकि दोनों को मिला दें तो कर्नाटक में ये 16% के आसपास है।'

लिंगायत और वोक्कालिगा को किसी भी तरह जोड़ने की कोशिश

इसी तरह सरकार ने पंचमसाली लिंगायत और वोक्कालिगा समुदाय के आरक्षण को भी बढ़ा दिया था। हालांकि हाईकोर्ट ने अभी सरकार को पिछड़ा वर्ग के आरक्षण पर यथास्थिति बनाए रखने को कहा है।

एससी-एसटी के बाद लिंगायतों की आबादी राज्य में सबसे ज्यादा है। पंचमसाली लिंगायत में आने वाली सबसे बड़ी कम्युनिटी है, जो लंबे समय से आरक्षण बढ़ाने की मांग कर रही है। उनकी मांग कम्युनिटी को ओबीसी आरक्षण मैट्रिक्स की श्रेणी 3बी से 2ए में शामिल करने की है। इससे आरक्षण 5 से बढ़कर 15% पहुंच जाएगा।

पंचमसाली के अलावा वाल्मीकि समुदाय भी अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण को तीन से बढ़ाकर 7.5% करने की मांग कर रहा है। इसी तरह बीजेपी छोटी-छोटी कम्युनिटी पर भी फोकस कर रही है। जैसे, बंजारा समुदाय से खुद प्रधानमंत्री मोदी मिले थे।

उन्होंने बंजारा समुदाय की रैली में कहा, 'एक पार्टी जिसने राज्य में सबसे ज्यादा समय तक शासन किया, उसने सिर्फ वोट बैंक पर ध्यान दिया और बंजारा कम्युनिटी के परिवारों के विकास के बारे में कभी नहीं सोचा।'

येदियुरप्पा को साइडलाइन करना चाहा, लेकिन फिर मनाना पड़ा

2021 में पार्टी ने येदियुरप्पा को मुख्यमंत्री पद से हटा दिया था। उनकी जगह उन्हीं की पसंद के बसवराज बोम्मई को मुख्यमंत्री बना दिया था। सीएम पद से हटाने के बाद येदियुरप्पा को बड़े प्रोग्राम्स में बुलाना भी बंद कर दिया था, लेकिन ग्राउंड पर इसका निगेटिव इम्पैक्ट नजर आया।

समीउल्ला कहते हैं, 'सीएम के प्रोग्राम में ही कुर्सियां खाली पड़ी थीं। येदियुरप्पा भी चुपचाप हो गए थे। इसके बाद पार्टी ने उनसे दोबारा कैम्पेन में शामिल होने की रिक्वेस्ट की। येदियुरप्पा लिंगायत समुदाय में काफी पॉपुलर हैं और हिंदू-मुस्लिम दोनों ही कम्युनिटी के लोग उन्हें पसंद करते हैं।'

सीनियर जर्नलिस्ट एम सिद्धाराजू कहते हैं, 'कर्नाटक में दो ग्रुप हैं। एक ग्रुप येदियुरप्पा का है और दूसरा उनके खिलाफ है। ऐसा कहा जाता है कि पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष उन्हें पसंद नहीं करते। कर्नाटक में हिंदुत्व की राजनीति की रणनीति भी बीएल संतोष के कहने पर ही आजमाई गई थी।'

'हालांकि येदियुरप्पा को दूर करना और हिंदुत्व की राजनीति दोनों से ही पार्टी को फायदा नहीं मिल रहा था, इसलिए अब हिंदुत्व की राजनीति को कास्ट पॉलिटिक्स में बदल दिया गया है और येदियुरप्पा की वापसी हो गई है।'

हम अपनी स्ट्रैटजी लोगों को क्यों बताएंगे: बीजेपी प्रवक्ता

इस मामले में बीजेपी के स्पोक्सपर्सन गणेश कर्णिक से सवाल किया तो जवाब मिला, 'क्या हिजाब का मुद्दा हमने उठाया था। क्या शिमोगा में 23 साल के बजरंग दल के कार्यकर्ता का मर्डर हमने किया। नहीं न। फिर यदि कोई हिजाब को मुद्दा बनाएगा तो हम चुप क्यों बैठेंगे।'

कर्णिक आगे कहते हैं, 'हिंदुत्व तो हमारा कोर इश्यू है, लेकिन हम चुनाव डेवलपमेंट पर लड़ते हैं। और बीजेपी की चुनावी स्ट्रैटजी क्या है, इसका जिक्र हम पब्लिक में क्यों करेंगे।'

येदियुरप्पा के बाद पार्टी के पास कोई पॉपुलर चेहरा नहीं

जानकारों के मुताबिक बीजेपी के पास कर्नाटक में लोकल लेवल पर कोई पॉपुलर चेहरा नहीं बचा है। येदियुरप्पा का उम्रदराज होना पार्टी के लिए सबसे बड़ी मुसीबत है। वो 79 साल के हो चुके हैं। बसवराज बोम्मई मास लीडर नहीं हैं। इसलिए पार्टी इस बार पीएम मोदी के चेहरे पर ही चुनाव लड़ रही है।

सिद्धाराजू कहते हैं, 'कर्नाटक में विधानसभा और लोकसभा की वोटिंग एकदम अलग होती है। पीएम मोदी के चेहरे पर लोकसभा में फायदा मिल सकता है, लेकिन विधानसभा में वो कितना असर दिखाएगा, यह कहा नहीं जा सकता। कांग्रेस लगातार एंटी इनकम्बेंसी वेव पैदा करने की कोशिश कर रही है। 23 जनवरी को कांग्रेस ने बेंगलुरु में एक साथ 200 जगहों पर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। इसमें करप्शन मुख्य मुद्दा था, जिसे उठाकर कहा गया कि यह 60% कमीशन वाली सरकार है। बिना कमीशन दिए यहां कोई काम नहीं होता।'

सिद्धाराजू की बात ठीक भी है, क्योंकि कर्नाटक स्टेट कॉन्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन भी बीजेपी सरकार पर 40% कमीशन लेने का आरोप लगा चुकी है। एसोसिएशन के प्रेसिडेंट डी केम्पन्ना ने बताया, 'रिश्वत तो कांग्रेस के जमाने में भी देनी पड़ती थी। इससे किसी एक पार्टी का लेना-देना नहीं है, लेकिन पहले 5 से 10% रिश्वत ली जाती थी। 2019 से ये अमाउंट बढ़कर 40% तक पहुंच गई। 40% रिश्वत दे देंगे तो फिर काम कैसे करेंगे। फिर कॉन्ट्रैक्टर से ही पूछा जाएगा कि काम क्यों नहीं हुआ।'

सिद्धाराजू कहते हैं, 'इसका पब्लिक में बड़ा असर हुआ है। लोगों को ऐसा लगने लगा है कि सरकार में हर काम के लिए कमीशन लिया जा रहा है।'

1. 100 में से 40 रुपए मंत्री-विधायक की रिश्वत, कॉन्ट्रैक्टर ने सुसाइड नोट में आरोप लगाया

'ईश्वरप्पा मेरी मौत के जिम्मेदार हैं। उन्हें सजा मिलनी चाहिए। पीएम, सीएम और येदियुरप्पा से गुजारिश है कि वे मेरे परिवार का ख्याल रखें।' ये वॉट्सऐप मैसेज सिविल कॉन्ट्रैक्टर संतोष पाटिल ने 11 अप्रैल 2022 को सुसाइड से पहले अपने दोस्तों को भेजा था। इसी से पता चला कि कर्नाटक में पेमेंट से पहले बिल पास करने के लिए 40% तक रिश्वत देनी पड़ रही है। पाटिल ने सुसाइड से पहले कई बार बीजेपी के सीनियर नेता और तब ग्रामीण विकास और पंचायत राज मंत्री रहे ईश्वरप्पा को भ्रष्ट बताया था।

2. सुषमा स्वराज को मां कहने वाले जनार्दन रेड्डी ने नई पार्टी बनाई, बागियों को टिकट देंगे

साल 1999 था, बीजेपी नेता सुषमा स्वराज कर्नाटक के बेल्लारी से कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के खिलाफ चुनाव लड़ी थीं। सुषमा हार गईं, लेकिन यहां उन्हें मिले गली करुणाकर रेड्डी, गली जनार्दन रेड्डी और गली सोमशेखर रेड्डी। रेड्डी भाई सुषमा को थाई यानी मां कहते थे। इनमें से जी. जनार्दन रेड्डी बीजेपी से अलग होकर नई पार्टी कल्याण राज्य प्रगति पक्ष (केआरपीपी) बना चुके हैं। जनार्दन रेड्डी 16 हजार करोड़ के माइनिंग घोटाले में आरोपी हैं। उनकी पार्टी बीजेपी और कांग्रेस से बागी हुए नेताओं को टिकट देगी।

छत्तीसगढ़ के युवाओं को हर माह मिलेगा बेरोजगारी भत्ता

सीएम भूपेश का ऐलान, रायपुर में बनेगी एयरोसिटी, पंचायतों को हर साल मिलेंगे 10 हजार

जगदलपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गणतंत्र दिवस के मौके पर जगदलपुर के मंच से प्रदेशवासियों के लिए विभिन्न घोषणाएं की है। छत्तीसगढ़ के युवाओं को अब बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा इसके साथ ही राजधानी रायपुर में एयरोसिटी का निर्माण किया जाएगा महिला और युवा वर्ग के लिए भी राज्य में बहुत से काम किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने आगामी वित्तीय वर्ष से बस्तर संभाग, सरगुजा संभाग और प्रदेश के अनुसूचित क्षेत्रों में आदिवासी समाज के पर्वों के उत्तम आयोजन के लिये मुख्यमंत्री आदिवासी पर्व सम्मान निधि के तहत प्रतिवर्ष प्रत्येक ग्राम पंचायत को 10 हजार रूपये प्रदान करने, अगले वित्तीय वर्ष से बेरोजगारों को हर महीने बेरोजगारी भत्ता दिए जाने, महिला समूहों महिला उद्यमियों, महिला व्यवसायियों एवं महिला स्टार्ट अप को व्यापार उद्योग स्थापित करने हेतु नवीन योजना प्रारंभ किए जाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ की संस्कृति और विरासत को अनवरत आगे बढ़ाने के लिये राज्य में छत्तीसगढ़ राज्य नवाचार आयोग का गठन करने, रायपुर एयरपोर्ट में यात्री सुविधाओं को बढ़ावा देने, एयरपोर्ट क्षेत्र के वाणिज्यिक विकास और रोजगार सृजन के लिये स्वामी विवेकानंद विमानतल के पास एयरोसिटी विकसित करने, छत्तीसगढ़ में कुटीर उद्योग आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने, रोजगार और लोगों की आय बढ़ाने के लिये ग्रामीण उद्योग नीति बनाने, औद्योगिक क्षेत्रों में स्थित इकाईयों को संपत्ति कर के भार से मुक्त करने, खारून नदी पर उत्कृष्ट रिवर फ्रंट विकसित करने, विद्युत शिकायत के निराकरण के लिए आधुनिक ऑनलाईन निराकरण प्रणाली विकसित करने, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक आवास सहायता योजना शुरू करने, राज्य में प्रतिवर्ष राष्ट्रीय रामायण/मानस महोत्सव तथा चंदखुरी में मां कौशल्या महोत्सव का आयोजन करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री बघेल ने इस मौके पर राज्य के सभी जिलों में अप्रैल माह से समस्त राशनकार्ड धारियों को पीडीएस के माध्यम से फोर्टिफाइड चावल दिए जाने की घोषणा की।

गौरतलब है कि अभी तक फोर्टिफाइड चावल का वितरण राज्य के 12 जिलों में मध्यान्ह भोजन योजना और पूरक पोषण आहार योजना में वितरित किया जा रहा था। मुख्यमंत्री ने अंत्योदय, प्राथमिकता, एकल निराश्रित एवं निःशक्त जन राशनकार्डधारियों को जनवरी 2023 से दिसम्बर 2023 तक निःशुल्क चावल वितरित किए जाने की भी घोषणा की। गणतंत्र दिवस का यह समारोह जगदलपुर के लालबाग मैदान में हर्ष और उल्लास के वातावरण में आयोजित हुआ। इस मौके पर मुख्यमंत्री बघेल ने प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। समारोह में सशस्त्र बल के जवानों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

सीएम की घोषणाएं

1. अगले वित्तीय वर्ष से बेरोजगारों को हर महीने बेरोजगारी भत्ता दिया जायेगा ।
2. आगामी वित्तीय वर्ष से बस्तर संभाग, सरगुजा संभाग और प्रदेश के अनुसूचित क्षेत्रों में आदिवासी समाज के पर्वों के उत्तम आयोजन के लिये प्रत्येक ग्राम पंचायत को 10 हजार रूपये प्रतिवर्ष प्रदान किया जाएगा।
3. महिला समूहों महिला उद्यमियों, महिला व्यवसायियों एवं महिला स्टार्ट अप को व्यापार उद्योग स्थापित करने हेतु नवीन योजना आरंभ की जायेगी ।
4. छत्तीसगढ़ की संस्कृति और विरासत को सहेजने और संजोने के बाद छत्तीसगढ़ को प्रगति पथ पर अनवरत आगे बढ़ाने के लिये राज्य में छत्तीसगढ़ राज्य नवाचार आयोग का गठन किया जायेगा ।
5. रायपुर एयरपोर्ट में यात्री सुविधाओं को बढ़ावा देने, एयरपोर्ट क्षेत्र के वाणिज्यिक विकास और रोजगार सृजन के लिये स्वामी विवेकानंद विमानतल के पास एरोसिटी विकसित किया जाएगा।
6. छत्तीसगढ़ में कुटीर उद्योग आधारित ग्रामीण अर्थ व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने, रोजगार और लोगों की आय बढ़ाने के लिये ग्रामीण उद्योग नीति बनाई जायेगी।
7. उद्योग विभाग द्वारा विकसित औद्योगिक क्षेत्रों में स्थित इकाईयों को संपत्ति कर के भार से मुक्त किया जायेगा ।
8. रायपुर और दुर्ग जिले की जीवनदायिनी और जन आस्था का केंद्र खारून नदी व्यापार और मनोरंजन का भी एक महत्वपूर्ण केंद्र है। खारून नदी पर उत्कृष्ट रिवर फंट विकसित किया जाएगा।
9.बिजली बिल हाफ योजना को मिले उत्कृष्ट प्रतिसाद के बाद बिजली उपभोक्ताओं की सुविधा के लिये अत्याधुनिक ऑनलाईन शिकायत एवं निराकरण प्रणाली विकसित की जायेगी ।
10.छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में लगातार तीन साल पंजीकृत निर्माणी श्रमिकों को स्वयं का मकान बनाने हेतु 50 हजार रूपये अनुदान देने की योजना लाई जायेगी।
11. छत्तीसगढ़ की जनता की अगाध आस्था भांचा राम और माता कौशल्या में है । प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय रामायण / मानस मंडली महोत्सव आयोजित किया जाएगा।
12. छत्तीसगढ़ माता कौशल्या की धरती है अतः प्रतिवर्ष चंदखुरी में कौशल्या महोत्सव आयोजित किया जाएगा।

राज्यपाल ने रायपुर में फहराया तिरंगा

कहा- राज्य सरकार ने नक्सली हिंसा पर लगाम लगाई, विकास की सोच के साथ बढ़े

रायपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की राज्यपाल अनुसुईया उइके ने भूपेश सरकार की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सभी क्षेत्रों में विकास की ओर आगे बढ़ी है। राज्य में नक्सली गतिविधियों पर लगाम लगा दी गई। जिससे वह हिंसा छोड़कर मुख्य धारा में लौट रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने सभी क्षेत्रों में विकास के लिए नई सोच के साथ काम किया है। जिससे सीमित संसाधनों के बावजूद सफलता की दिशा में आगे बढ़ना संभव हुआ है। राज्यपाल गणतंत्र दिवस समारोह में बोल रही थीं।

नीतियों, योजनाओं से राज्य के लोगों को सशक्त बनाया

रायपुर के पुलिस परेड मैदान में राज्यपाल अनुसुईया उइके ने ध्वजारोहण किया और परेड की सलामी ली। इस दौरान सुरक्षा बलों के विभिन्न दलों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। राज्यपाल उइके ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की नीतियों, योजनाओं और अभियानों ने राज्य के लोगों को सशक्त बनाया है।

समृद्धि और विकास का संदेश राज्य के कोने-कोने तक पहुंच गया है। दूरदराज और नक्सल प्रभावित इलाकों में स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम संस्थानों सहित स्कूल खोले गए हैं।

योजनाओं की उपलब्धियों की सराहना की

राज्यपाल ने कहा कि, वह खुश हैं कि राज्य में लोकतंत्र की जड़ें मजबूत हो रही हैं। राज्यपाल ने धान की खरीद, राजीव गांधी किसान न्याय योजना, राजीव गांधी भूमिहीन कृषि मजदूर योजना और गोधन न्याय योजना सहित राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की उपलब्धियों की सराहना की। कहा कि, पिछले चार सालों में 1,856 औद्योगिक इकाइयां स्थापित की गई हैं। जिनमें 20,000 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है और 34,000 से अधिक लोगों को रोजगार मिला है।

16 पन्नों के संबोधन में गिनाई राज्य की योजनाएं

अपने 16 पन्नों के संबोधन में राज्यपाल उइके ने कहा कि, इसके अलावा, 186 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए, जिसके तहत 93,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश और 1.14 लाख लोगों को रोजगार के अवसर प्रस्तावित किए गए।

राज्य सरकार की प्रमुख 'गोधन न्याय योजना' एक अनूठी पहल साबित हुई है, जिसका पालन अब राष्ट्रीय स्तर पर भी किया जा रहा है। कहा कि गोबर बेचने वालों, गौठान समितियों और इससे जुड़े स्वयं सहायता समूहों ने योजना से 362 करोड़ रुपये कमाए हैं।

दरभंगा में तिरंगे का अपमान !

कमिश्नर ने फहराया उलटा तिरंगा डीएम और एमएलए भी रहे मौजूद

पटना, 26 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार में गणतंत्र दिवस पर प्रशासन की ओर से उलटा तिरंगा फहराने का मामला सामने आया है। मामला दरभंगा का है। यहां के नेहरू स्टेडियम में दरभंगा प्रमंडल के कमिश्नर ने उलटा तिरंगा पहरा दिया। इस दौरान झंडे को सलामी भी दी गई और राष्ट्र गान भी गाया गया। हालांकि, बाद में किसी ने इस बात की जानकारी अधिकारियों को दी। उन्होंने तत्काल तिरंगे को सीधा किया। लेकिन, इस दौरान कार्यक्रम स्थल पर अफरातफरी का माहौल रहा। बताया जाता है कि तिरंगा फहराने वाले अधिकारी का नाम मनीष कुमार है। नेहरू स्टेडियम में हर साल 26 जनवरी को तिरंगा फहराया जाता है। इसको लेकर एक महीने पहले से ही तैयारियां शुरू हो जाती हैं। इस बार भी गणतंत्र दिवस को लेकर अधिकारियों ने काफी तैयारियां की थीं। समारोह के लिए एक बड़ा सा मंच बनाया गया था। जहां से झंडे को सलामी दी गई। इस बार कार्यक्रम में आईजी ललन मोहन प्रसाद ने भी शिरकत की थी।

कार्यक्रम में डीएम राजीव रौशन, एसएसपी अवकाश कुमार, सीटी एसपी सागर कुमार और केवटी के बीजेपी एमएलए मुरारी मोहन झा भी शामिल हुए थे। बेनीपुर के जेडीयू विधायक विनय कुमार भी इस कार्यक्रम का हिस्सा बने थे। जिसने भी झंडा बांधा था, लोग उसपर नाराजगी जता रहे थे।

कोर्ट ने सिलागाईं हिंसा से जुड़े मामले में 44 आरोपियों को किया बरी

दो समुदायों के बीच भड़की थी

रांची, 26 जनवरी (एजेंसियां)। रांची की एक कोर्ट ने 2014 में रांची में हुई सिलागाईं हिंसा से जुड़े एक मामले में 44 आरोपियों को बरी कर दिया। ईद पर दो समुदायों के बीच नमाज की जगह को लेकर हिंसा भड़क गई थी। चान्हो थाने में 4 प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अन्य तीन प्राथमिकी में ट्रायल कोर्ट के समक्ष जारी है। नौ जुलाई को ईद के दिन रांची जिले के चान्हो ब्लॉक के सिलागाईं में जमीन विवाद को लेकर दो समुदायों के बीच हिंसक झड़प हो गई थी। इसमें आदिवासी और मुस्लिम समुदायों के लोगों सहित पुलिस कर्मी घायल हो गए थे। इस हिंसा के दौरान एक ग्रामीण दशरथ उरांव की मौत भी हो गई थी। घटना के बाद आसपास दहशत का माहौल बन गया था। लोग गांव छोड़कर भाग गए थे। पुलिस तीन दिनों तक गांव में कैंप करती रही। पूरे गांव में कर्फ्यू लगा दिया गया था। कई दिनों तक लोग दहशत के माहौल में रहे। यह उस साल की सबसे बड़ी घटना थी। इसका असर राजधानी रांची के लिए दूसरे जिलों में भी देखने को मिला था। इस घटना के दूसरे दिन ही दूसरे समाज के लोगों द्वारा भी मारपीट की गई थी।

गांव में राज्य के नेता भी पहुंचने लगे थे, घटना पर खूब राजनीति भी हुई थी। बाद में प्रशासन और गांववालों के बीच समझौता कराकर इसे शांत किया गया।

सीएम सोरेन ने दुमका में किया ध्वजारोहण

गिनाईं सरकार की उपलब्धियां

दुमका, 26 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गुरुवार को 74वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर दुमका पुलिस लाइन में ध्वजारोहण किया। इसके बाद अपने संबोधन में उन्होंने राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को गिनाया। सीएम सोरेन ने कहा कि वह नेताओं और आम लोगों के सपनों को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिन्होंने अलग झारखंड के निर्माण के लिए लड़ाई लड़ी थी। सीएम सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार ने वर्ष 1932 के खतियान के आधार पर स्थानीय व्यक्ति को परिभाषित करने एवं सरकारी नौकरियों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा पिछड़ा वर्ग के लिए तय आरक्षण का प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से संबंधित दोनों विधेयकों को पारित कराया है। उन्होंने 1932 के खतियान पर आधारित अधिवास नीति को झारखंड की मूल आबादी के हितों की रक्षा के लिए उठाया गया एक बड़ा कदम करार दिया। सोरेन ने लोगों से आह्वान किया कि आइए हम सब एक ऐसे राज्य के निर्माण का संकल्प लें, जो झारखंड के गठन में बलिदान देने वालों के सपनों और आशाओं के अनुरूप हो। उन्होंने कहा कि राज्य के गरीब और जरूरतमंद लोग ग्रीन राशन कार्ड, बिरसा हरित ग्राम योजना, सर्वजन पेंशन योजना और मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना जैसी योजनाओं से लाभान्वित हो रहे हैं। सोरेन ने कहा कि उनकी सरकार को अपनी महत्वाकांक्षी 'आपकी सरकार आपके द्वार' योजना के तहत 55 लाख से अधिक आवेदन मिले हैं।

सामाजिक विषमताओं से ऊपर उठ कर नये भारत का निर्माण करना जरूरी : डॉ. संजीव सिंह यादव

आरोग्य अस्पताल में मना गणतंत्र दिवस

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मोज़्जमजाही मार्केट स्थित आरोग्य अस्पताल व कैलाश डायगोनस्टिक तथा रिहैबिलिटेशन सेंटर में 74वें गणतंत्र दिवस संपन्न हुआ। समारोह की शुरुआत डॉ. महेश शर्मा द्वारा मुख्य अतिथि नगरद्वय के प्रसिद्ध शल्य चिकित्सक डॉ. संजीव सिंह यादव, सम्मानीय अतिथि मक्का मस्जिद के प्रबंधक और पूर्व पुलिस अधिकारी मोहम्मद अब्दुल क़दीर सिद्दिकी एवं अन्य अतिथिगण के अभिनन्दन से हुई। आरोग्या अस्पताल की ओर से डॉ. श्यामसुन्दर अग्रवाल ने मुख्य अतिथि डॉ. संजीव सिंह यादव और डॉ मोहन गुप्ता ने मोहम्मद अब्दुल क़दीर सिद्दिकी का स्वागत किया। वरुण गुप्ता ने दिल्ली से पधारे विशेष अतिथि लेखक एवं पत्रकार डॉ. दिनेश सी शर्मा एवं राजस्थानी स्नातक संघ के अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता का स्वागत किया। मुख्य अतिथि डॉ. संजीव सिंह यादव ने भारत माता का माल्यार्पण-पूजन किया एवं राष्ट्रीय ध्वज फहराया। अपने सम्बोधन में डॉ. संजीव कुमार यादव ने सभी को गणतंत्रता दिवस की बधाई देते हुये कहा कि सामाजिक विषमताओं से उठ कर नये भारत का निर्माण करना है। उन्होंने देश के प्रगति में सभी के योगदान की आवश्यकता पर जोर दिया। मोहम्मद अब्दुल क़दीर सिद्दिकी ने कहा कि गणतंत्र दिवस और स्वतन्त्रता दिवस जैसे पर्वों के आयोजनो की हमें आपस में जोड़ने में विशेष भूमिका है और यह हमें भारतीय संविधान में निहित संवैधानिक अधिकार और समानता जैसे सिध्दांतों की याद दिलाते है। उन्होंने अपने संस्मरणों का उल्लेख करते हुए सामाजिक सामंजस्य के महत्व और विधटनकारी परिस्थितियों से सावधान रहने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। डॉ. दिनेश सी शर्मा ने डॉ. मोहन गुप्ता को राष्ट्रीय पर्वों पर सामूहिक आयोजन करने की बधाई दी। राजस्थानी स्नातक संघ के पूर्व अध्यक्ष हरिकिशन ओझा ने उपस्थित अतिथियों को गणतंत्रता दिवस की बधाई दी। इस अवसर पर डॉ. श्यामसुंदर अग्रवाल, डॉ विजय मोहन, डॉ. निर्मल कुमार, डॉ. बी. प्रभाकर, डॉ. एमके सिंह, अनिल कुमार वाजपेयी, जावेद भाई झंझुआ, मोहम्मद उस्मान, मोहम्मद सलीम, शंभुदयाल अग्रवाल, ललिता प्रसाद अग्रवाल, सरोज अग्रवाल, भगवानदास विजयवर्गीय और अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. महेश शर्मा ने किया। अन्त में नन्द गोपाल भट्टड के आभार प्रदर्शन से समारोह का समापन हुआ।

बिहार एसोसिएशन द्वारा गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार एसोसिएशन हैदराबाद अपने कार्यालय परिसर में गणतंत्र दिवस अवसर पर ध्वजारोहण समारोह का आयोजन किया। एसोसिएशन के महासचिव प्रभास कुमार ने बताया कि एसोसिएशन के वरिष्ठ पदाधिकारियों के गरिमामई उपस्थिति में गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन हुआ, जिसमें एसोसिएशन के अध्यक्ष हरेराम सिंह के द्वारा ध्वजारोहण के साथ ही राष्ट्रीय गान के स्वर गुंजन से वातावरण आनंदमय हो गया। तत्पश्चात सभा को संबोधित करते हुए अध्यक्ष ने बताया कि यह आज़ादी हमारे पूर्वजों द्वारा अथक प्रयास एवं कठिन परिश्रम के माध्यम से हमें प्राप्त हुआ अतः हमारा भी फर्ज बनता है कि हम अपने आने वाले पीढ़ी के लिए एक अच्छा वातावरण का प्रारूप तैयार करें। जिस तरह हम अपने पूर्वजों को याद करते हैं वैसे ही अगली पीढ़ी हमारे भी कार्य को सराहे एवं सही मायने में गणतंत्र का पूर्ण लाभ सर्वसाधारण को मिल सके। बिहार फाउंडेशन के अध्यक्ष मानवेंद्र मिश्रा ने कहा कि हम सभी को सकारात्मक कार्य करने की आवश्यकता है जिससे समाज के सभी वर्गों को समान रुप से लाभ पहुंचे। सभा में एसोसिएशन के वरिष्ठ कार्यकारी दशरथ यादव, उपाध्यक्ष उत्तम यादव, रविशंकर सिंह, दिनेश सिंह, जितेंद्र सिंह, मदन सिंह, अशोक प्रसाद सिंह, अजय ओझा, दीपक यादव एमके सिंह, हरेराम यादव, सुभाष यादव, अजय भगत, चंदन यादव, गोपाल शाह, भरत सिंह, दिलीप कुमार यादव, हरेराम यादव इत्यादि ने अपने अपने विचार प्रकट किए। एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता ने सदस्यों को बिहार एसोसिएशन सदस्यों से भवन निर्माण हेतु अधिक से अधिक सहयोग की अपील की। इस पर एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार जी ने सहमति जताई और कहा कि सहयोग का यह उत्तम अवसर है जिसमें सभी सदस्यों को दिल खोलकर हिस्सा लेना चाहिए।

उपाध्यक्ष रविशंकर सिंह ने बिहार एसोसिएशन उप्पल इकाई कार्यालय हेमा नगर में ध्वजारोहण किया, जिसमें वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य रविंद्र कुमार झा, मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार, प्रवीण कुमार, मुकेश कुमार झा, एसएस पाठक, अजय भगत, संतोष यादव इत्यादि गणमान्य ने सम्मिलित हुए, समारोह का समापन अल्प आहार एवं मिठाई वितरण के साथ किया गया।

जीडीमेटला स्थित श्री आई माता मंदिर में 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वजा फहराते हुए अध्यक्ष मांगीलाल काग, अर्जुनलाल बर्फा, नारायणलाल बर्फा, प्रेम पंवार, सोहनलाल परिहार, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

संविधान हमें महान पुरुषों द्वारा दी गई स्वतंत्रता का फल : कलेक्टर

आसिफाबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गुलामी की बेड़ियों से आजाद होकर देश को आजादी दिलाने के बाद डॉ. बी.आर. अंबेडकर के नेतृत्व में महानेय द्वारा बनाए गए संविधान ने हमें कई अधिकार दिए हैं। 74वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर गुरुवार को जिला केंद्र स्थित समाहरणालय भवन परिसर में पुलिस सलामी के बाद अपर जिलाधिकारी राजेशम, चाहत बाजपाई, एसपी सुरेश कुमार, एडिशनल एस.पी. अचेस्वरा राव, भीम राव, आसिफाबाद विधानसभा क्षेत्र के विधायकों ने अतराम सक्कू के साथ राष्ट्रीय ध्वज का अनावरण किया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर राहुल राज ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में अनेक लोगों के त्याग और बलिदान के फलस्वरूप हमने आजादी प्राप्त की है, संविधान बनाया है और आजादी और स्वतंत्रता का आनंद ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुसार देश के प्रत्येक नागरिक को जाति, धर्म, रंग, क्षेत्र, लिंग के बावजूद समान अधिकार प्राप्त हैं। उन्होंने कहा कि सभी को संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों को प्राप्त करना चाहिए और अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को जानना चाहिए और देश के विकास में योगदान देना चाहिए। जिले में बेहतर सेवाएं देने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। तेलंगाना के सांस्कृतिक नेताओं द्वारा गाए गए देशभक्ति गीतों ने सभी का मनोरंजन किया। बाद में, उन्होंने जिला ग्रामीण विकास विभाग के तत्वावधान में बांस से बनी कला कृतियों और सामानों के स्टालों का अवलोकन किया। तेलंगाना के सांस्कृतिक प्रमुख कलाकारों के साथ-साथ सामाजिक कार्यक्रमों में विशिष्ट सेवा प्रदान करने वालों को स्मृति चिन्ह और प्रशंसा के प्रमाण पत्र सौंपे गए। कार्यक्रम में जिला राजस्व अधिकारी राजेश्वर, डी. एस पी. करुणाकर, श्रीनिवास, जेडपीटीसी नागेश्वर राव, संतोष, पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित गुसादी कनकराज, मंडल प्रजापरिषद के सदस्य मल्लिकार्जुन, कृषि बाजार समिति के अध्यक्ष मल्लेश, पैक्स के अध्यक्ष अलीबिन अहमद, जिले के अधिकारी, शहर के गणमान्य व्यक्ति, संबंधित विभागों के अधिकारी और अन्य उपस्थित थे।

सीरवी समाज, कोरेमुला के तत्वावधान में गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में अध्यक्ष कालुराम काग एवं सचिव डायराम लचेटा द्वारा राष्ट्रीय ध्वजारोहण समारोह एवं श्री आई माता मंदिर (बडेर) के निर्माण हेतु भूमि पूजन समारोह में हर्षोल्लास के साथ भाग लेते हुए समाज के सभी पदाधिकारीगण एवं समाज के भाई-बहन।

एलआईसी दक्षिण मध्य क्षेत्रीय कार्यालय में मना गणतंत्र दिवस

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एलआईसी के दक्षिण मध्य क्षेत्रीय कार्यालय में 74वें गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। मुक्काविली जगन्नाथ, अंचल प्रबंधक ने राष्ट्रीय ध्वज फहराने के पश्चात सभी कर्मचारियों, विकास अधिकारियों और एजेंटों को संबोधित किया। अपने संबोधन में, श्री जगन्नाथ ने कहा कि एलआईसी अपनी नवीन तकनीकी प्रगति के साथ पॉलिसीधारकों को सर्वोत्तम सेवाएं प्रदान कर रही है। कई सुविधाएं सामने आई हैं जो ग्राहकों को कम से कम संभव समय में सेवाएं प्राप्त करने की सुविधा प्रदान कर रही हैं। उन्होंने सभी से आने वाले परिवर्तनों के अनुकूल होने का आह्वान किया, जो स्वयं के साथ-साथ संगठन के विकास में योगदान कर सकते हैं। विद्यानंद झा, विनीत श्रीवास्तव, साईनाथ, के. मुरलीधर, क्षेत्रीय प्रबंधक और श्री राजीव विश्वास, वरिष्ठ डीएम उपस्थित थे।

लक्सर अपार्टमेन्ट, कोंडापुर में गणतन्त्र दिवस समारोह का आयोजन किया गया कार्यक्रममें विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। सोसायटी के पदाधिकारी दीपक सिंह, महासचिव वीपी राजा, श्रीमती अंकिता, सुधा कुमार, नवीन कुमार, पंकज कुमार सारथी, बालराज एवं अन्य ने भाग लिया।

अग्रणी महिला मंच द्वारा आयोजित गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में भाग लेती हुईं अध्यक्ष सुमन भुवानिया, बबिता गर्ग, रितु गर्ग, टीना खंडेलवाल, श्वेता खंडेलवाल, सुनयना नरसरिया, रूपा गुप्ता, संगीता जाजोदिया, स्मिता शाह, रीता अग्रवाल, प्रीति गोयल, पवन भुवानिया व अन्य।

बंडलागुडा आईमाता मंदिर स्थित सीरवी समाज एल.बी.नगर वेल्फेयर एसोशिएशन समाज बन्धुओं द्वारा आयोजित गणतंत्र दिवस ध्वजा रोहण कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष जगदीश प्रसाद काग, उपाध्यक्ष वेनाराम चोयल, सचिव प्रकाश सेपटा, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

उप्पल काचवानी सिंगारम स्थित कुमावत समाज ट्रस्ट समाज बन्धुओं द्वारा आयोजित गणतंत्र दिवस ध्वजा रोहण कार्यक्रम में उपस्थित संरक्षक अमरचन्द अडाणीया, अध्यक्ष श्रवणकुमार मालीवाड, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

कुमरम भीम आसिफाबाद जिला पुलिस कार्यालय में गुरुवार को 74वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। आसिफाबाद एसपी के सुरेश ने तिरंगा फहराया।

गणतंत्र दिवस के उपलक्ष में नागी रेड्डी नगर कॉलोनी ओल्ड अलवाल में भारत माता की पूजा करते हुए विश्वमंगल गौशाला के मुख्य सचिव शांतिलाल सुथार, नवीन रेड्डी अजी आना उपस्थित रहे

शमशाबाद स्थित सीरवी समाज बडेर में आयोजित 26 जनवरी ध्वजा रोहण कार्यक्रम में उपस्थित बत्तौर मुख्यअतिथि अ.भा.सीरवी महासभा अध्यक्ष हरजीराम काग। अवसर पर सचिव भूराराम परिहार, सहसचिव जगदीश काग, कोषाध्यक्ष हरिराम परिहारियां, प्रवीण पंवार, भीकाराम काग, महिला सचिव भारती परिहारियां व अन्य।

रामंतापुर में गणतंत्र दिवस व वसंतोत्सव संपन्न

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सरस्वती पूजा समिति रामंतापुर के तत्वावधान में रामतापुर स्थित गंगा भवानी मंदिर प्रांगण में गणतंत्र दिवस एवं वसंतोत्सव का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ किया गया। सर्वप्रथम समिति सदस्यगण द्वारा झंडातोलन किया गया। तत्पश्चात उत्सव की शुरुआत मंत्रोचार के साथ सरस्वती पूजन से हुआ पूजा-पाठ के बाद अक्षराभ्यास, निराला जयंती, अन्नदान कार्यक्रम आयोजित की गई।

गायक पवन पांडेय की भजन मंडली द्वारा बड़े हीं मंत्रमुग्ध कर देने वाले मधुरभजन-कीर्तन प्रस्तुत किया गया, जिसमें हजारों-हजार के संख्या में भक्तजनों ने बड़े ही उत्साह पूर्वक भाग लिया।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उप्पल क्षेत्र से स्थानीय विधायक बी सुभाष रेड्डी, भूतपूर्व विधायक एनवीएसएस प्रभाकर, कारपोरेट श्रीवाणि वेंकट राव, हब्सीगुडा कारपोरेटर के. चेतना हरीश, ज्योत्स्ना, रेखा सिंह अशुतोष त्रिपाठी, राम बिनोद झा, रंजन झा, बिहार एसोसिएशन के अध्यक्ष हरेराम सिंह एवं अन्य पदाधिकारी शामिल हुए। अपने अथक परिश्रम से समारोह को सफल बनाने वाले सरस्वती पूजा समिति के समर्पित सदस्यगण सुरेश सिंह, राम प्रकाश गुप्ता, भगवान सिंह पंकज झा कमलेश पांडेय, अजय शर्मा, सुनील सिंह, मंजूनाथ गुप्ता राजेश शर्मा, राजीव कुमार बाबा सुरेश पासवान, संतोष गुप्ता, राजू राय, शिव कुमार, धर्मेन्द्र कुमार, पवन सिंह, विजय शर्मा उदय चंद्र शर्मा, धनजय शर्मा, हरिन्द्र चौबे, अजय शर्मा, रवि शंकर सिंह, प्रभास, राजाराम शर्मा, शनि प्रकाश अनिल झा, संजय पंडित, राज कुमार, अवधेश सिंह, लालु रंजन सिंह विमल चंद्रा, राधारमण सिंह, अजय कुमार दुबे, सुजीत शर्मा लक्ष्मण गुप्ता, रामजन्म शर्मा, राजकुमार गुप्ता, राजेश पांडेय, संजय कुमार पंडित, बिहारी, पप्पू सिंह, धनंजय सिंह, सतीश सिंह, प्रकाश, नागेन्द्र यादव, रंजन सिंह, बीके मिश्रा, अनील यानी व अन्य सदस्यगण शामिल हुए।

74वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर पुड्डुचेरी कांग्रेस कार्यालय में राष्ट्रीय ध्वज और कांग्रेस ध्वज फहराया गया, जिसमें एआईसीसी पर्यवेक्षक और पूर्व सांसद वी. हनुमंत राव, पुड्डुचेरी पीसीसी अध्यक्ष ए वी.सुब्रमण्यन, पूर्व मुख्यमंत्री वी. नारायणसामी, सांसद वैथिलिंगम, विधायक वैद्यनाथन और पूर्व मंत्री, विधायक और सदस्य उपस्थित थे।

गहलोत बोले- 'मिशन-156' पर काम शुरू

चाहे मोदी पड़ाव डालें, नड्डा-भागवत आएं, जनता नहीं करेगी स्वीकार

जयपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान सीएम गहलोत ने बीजेपी मुख्यालय के बाहर होर्डिंग में पूर्व सीएम वसुंधरा राजे को भी फोटो लगने पर कहा- वो बीजेपी पार्टी का अंदरूनी मामला है, पार्टी उन्हें तवज्जो दे या नहीं दे। हमारा रास्ता बिल्कुल साफ है। जब हमने 1998 में सरकार बनाई थी तो 156 सीटें आई थीं। तब मैं पीसीसी अध्यक्ष था।

मैं चाहूंगा कि मिशन 156 लेकर हम चलें। इस रूप में हमने काम शुरू कर दिया है। हमारे चारों बजट शानदार आए हैं। इस बार का बजट भी शानदार आएगा, यह हमारा प्रयास है। हम चाहेंगे कि राजस्थान को देश में नंबर 1 स्टेट बनाएं। उसी दिशा में हम चल पड़े हैं।

हमारे फैसले आज देश में चर्चा का विषय

गहलोत बोले-हमारी सरकारी योजनाओं को लेकर दूसरे राज्यों की सरकारें हमारे अफसरों से बात कर रहे हैं, स्कीमें अपना रही हैं। हमारे फैसलों को वो मानते हैं। हमने ग्रामीण ओलम्पिक कराया तो सभी राज्य सरकारों ने उसे बहुत ही वेलकम किया और वो भी उसे लागू करने की सोच रही हैं। हमारे हर फैसले देश में आज चर्चा का विषय बने हुए हैं। मैं उम्मीद करता हूं- हेल्थ सर्विस, शहरी रोजगार, उड़ान योजना, बच्चों की अनुप्रति कोचिंग योजना, 250 नौजवानों को विदेश में पढ़ाई के लिए भेजने की स्कीम शानदार है। विदेश में पढ़ने आने वाले नौजवान भी कुछ बनकर राज्य की चिंता करेंगे। हमें खुदका मानव संसाधन मिलेगा। हमारे प्रोग्राम एक से बढ़कर एक हैं। सीएम गहलोत बोले-हमने ओपीएस लागू किया, कई अर्थशास्त्री इसका विरोध भी कर रहे हैं। लेकिन आजादी के 75 साल तक ओपीएस देश में लागू रही। देश कहां से कहां तक आज पहुंचा। पहले सुई नहीं बनती थी। आधुनिक भारत ओल्ड पेंशन स्कीम के साथ बना है। अब ओपीएस के बारे में जो इकोनॉमिस्ट अपनी राय देते हैं, वो हमारे अधिकारियों से डिस्कशन करें। हम डिस्कशन और मार्गदर्शन के लिए तैयार हैं। लेकिन सोशल कमिटमेंट और मानवता भी कोई चीज होती है।

मानवीय दृष्टिकोण से भेदभाव क्यों हो, आर्मी में ओपीएस और बीएसएफ में ओपीएस नहीं है, यह एक ही उदाहरण बताने को काफी है। पैरामिलिट्री में भी ओपीएस नहीं है। जो ओपीएस ले रहे हैं, वो अधिकारी-कर्मचारी डीए छोड़ने को तैयार हैं क्या ? वो तैयार नहीं है। लेकिन नए लोगों को मार्केट के भरोसे छोड़ा जा रहा है। म्युचुअल फंड, बॉम्बे शेयर मार्केट के भरोसे छोड़ा जा रहा है। सालों पहले अमेरिका में बातें हो चुकी हैं कि कभी भी सोशल सिक्योरिटी को मार्केट में नहीं छोड़ना चाहिए। सवाल पर गहलोत पानी पीकर बोले- जब मैंने मिशन 156 की बात की है, तो सोच समझकर की होगी। सिलसिला टूटना चाहिए। मैंने सरकार चलाने के अंदर जान लगा दी है। कोई कमी नहीं रखी, रात और दिन एक कर रहा हूँ। मुझे चाहे 3 बार कोरोना हो गया हो, मैंने 500 बार वीडियो कांफ्रेंसिंग की है। सारी पॉलिटिकल पार्टी, धर्मगुरूओं को साथ लेने का काम किया है। आम लोगों को भूखा नहीं सोना चाहिए नारा दिया। दवाईयां, इंजेक्शन फ्री... क्या कुछ नहीं किया। मैं हर चीज में जान लगा रहा हूँ। बार-बार बोल रहा हूँ तो कुछ सोचकर ही बोलता हूं। सीएम गहलोत बोले- मैं बिना सोचे नहीं बोलता हूँ। मुझे गॉड गिफ्ट है, जब बोलता हूं तो दिल की आवाज जुबान पर आती है। इसलिए बोल रहा हूं, तो लगता है जनता मेरा साथ देगी। पहले एक बार कर्मचारियों ने नाराजगी व्यक्त की और चुनाव में हमें हरवा दिया। जब उन्होंने 64 दिनों की स्ट्राइक की। 'नो वर्क, नो पे' बहुत बड़ा हमारा डिसीजन था। कुछ हमारी गलती भी रही हम डायलॉग नहीं कर पाए कर्मचारियों से ।

राजस्थान में विपक्ष को बार-बार ऊपर से डांट

गहलोत ने कहा-राजस्थान में विपक्ष बौखलाया हुआ है। उनको बार-बार ऊपर से डांट पड़ती है कि तुम कर क्या रहे हो। चार साल निकम्मापन तुमने क्यों दिखाया, इसका जवाब उनका केंद्रीय नेतृत्व पूछ रहा है। इसलिए बार-बार नड्डा साहब को आने की जरूरत पड़ती है। सीएम गहलोत ने कहा- मैं गणतंत्र दिवस की प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देता हूँ। यह शुभ दिन है, लेकिन यह हम सबको गुलामी और सामंतशाही की याद भी दिलाता है, जिससे छुटकारा मिला। उसकी कल्पना भी नहीं कर सकते हैं। गांधी जी के सान्निध्य में संघर्ष किया गया। जिसें पंडित नेहरू, सरदार पटेल, मौलाना आजाद सहित कई लोगों ने संघर्ष किया। फिर अम्बेडकर साहब ने संविधान बनाया।

देश में तनाव और हिंसा का माहौल चिंता का विषय

गहलोत ने कहा-अभी एक चिन्ता का विषय बना हुआ है। देश में तनाव और हिंसा का माहौल है। अमीरी गरीबी के बीच खाई बढ़ती जा रही है। महंगाई और बेरोजगारी है। आज शुभ दिन पर भी बोलना पड़ता है, क्योंकि ये मुद्दे ऐसे बर्निंग हैं इस पर सरकार का ध्यान जाना जरूरी है। चाहे वो राज्यों की सरकारें हों या केंद्र की हों। हम सब मिलकर कैसे इन मुद्दों का हल कर सकते हैं। देश और प्रदेशवासियों को भी संज्ञान लेना चाहिए कि राहुल गांधी को इतनी टफ यात्रा क्यों करनी पड़ी ? क्योंकि भारत सरकार पर कुछ दबाव पड़ेगा, तो जनता का कुछ भला होगा, ये सोचकर उनका संकल्प था।

संघ प्रमुख डॉ. भागवत ने किया ध्वजारोहण

बोले-एक-दूसरे की स्वतंत्रता का सम्मान ही हमें महान बनाता है

जयपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर के केशव विद्या पीठ जामडोली में संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने 74 वें गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर ध्वजारोहण कर अपने संदेश में कहा कि हमको यह नहीं भूलना चाहिए कि स्वतंत्रता सभी के लिए है, अगर मैं स्वतंत्र हूं तो सामने वाला भी स्वतंत्र है। एक दूसरे की स्वतंत्रता का सम्मान और रक्षा करने का भाव ही हमको महान बनता है। डॉ. मोहन भागवत ने डॉ. अम्बेडकर को भी याद किया और कहा कि हर गणतंत्र दिवस पर अम्बेडकर के उस संदेश को भी जरूर पढ़ना चाहिए, जिसमें उन्होंने लिखा था कि अब कोई बंदिश नहीं है अंग्रेज भी चले गए हैं अब हमको भी अपने मन को विशाल करना होगा और उन सभी बेड़ियों को तोड़ना होगा जो हमको बार-बार पीछे खींचती हैं। डॉ. मोहन भागवत ने यह भी कहा कि ये तिरंगा हमने सदा शिक्षित करता है, तिरंगे का सफेद रंग शांति और स्थिरता का प्रतीक है, जबकि हरा रंग समृद्धि और लक्ष्मी जी का प्रतीक है, गणतंत्र को महान बनाना है तो सबका सम्मान करना होगा।

डॉ. मोहन भागवत पांच दिवसीय कार्यक्रम के चलते जयपुर पहुंचे हैं। सुरक्षा कारणों से संघ प्रमुख का कार्यक्रम सार्वजनिक नहीं किया गया है, परंतु संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत पांच दिन तक निरंतर संघ परिवार के सदस्यों और उनके परिवार के साथ संवाद करने वाले हैं।

भरतपुर में दिनदहाड़े छात्रा का अपहरण कर मांगे पांच लाख रुपये

पुलिस ने कार्रवाई कर दो को पकड़ा

भरतपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। भरतपुर में 22 वर्षीय एक कोचिंग छात्रा के अपहरण का मामला सामने आया है। अपहरणकर्ताओं ने छात्रा के परिजनों से पांच लाख की रुपये की फिरौती की मांग की है। फिरौती मांगने के बाद लड़की के पिता ने मथुरा गेट थाना पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, जिसके बाद पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई। इसके बाद पुलिस ने बुधवार देर रात छात्रा को जयपुर से दस्तयाब कर दो युवकों को डिटेन कर लिया है।

फिलहाल पुलिस दोनों आरोपियों को भरतपुर लेकर आ रही है। इसके बाद मामले का खुलासा होगा। मामला मथुरा गेट थाना इलाके का है। दरअसल, रूपवास कस्बे में रहने वाली 22 वर्षीय युवती भरतपुर शहर में किराए के मकान में रहकर कोचिंग से प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही है। उसका मंगलवार को कोचिंग जाते समय अपहरण हो गया। जानकारी के अनुसार छात्रा मंगलवार को ही अपने घर से भरतपुर गई थी। वहां पहुंचे के बाद उसने अपने पिता को फोन कर कहा कि मैं सकुशल कमरे पर पहुंच गई हूं। वहीं, बुधवार सुबह करीब 11:00 बजे छात्रा के मोबाइल से किसी व्यक्ति का फोन आया और उसने धमकी दी कि आपकी छात्रा को अगवा कर लिया गया है। बदले में पांच लाख रुपये फिरौती की डिमांड की गई।

दो आरोपियों को डिटेन

इसके बाद छात्रा के पिता ने मथुरा गेट थाना पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की छानबीन कर छात्रा को दस्तयाब कर दो आरोपियों को डिटेन किया है। सिटी सीओ सतीश वर्मा ने बताया कि रूपवास निवासी एक लड़की भरतपुर में रहकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही थी, जो अचानक लापता हो गई। लड़की के फोन से ही परिजनों को किसी व्यक्ति का फोन आया, जो रुपये मांग रहे थे। पुलिस टीम का गठन कर छात्रा को दस्तयाब कर लिया गया है।

जयपुर समेत 13 जिलों में बारिश-ओले की चेतावनी

जयपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान में 28 जनवरी से एक बाद फिर बारिश का दौर शुरू हो सकता है। मौसम विभाग ने इस बार बारिश के साथ जयपुर समेत 13 जिलों में ओले गिरने की भी आशंका जताते हुए इन जिलों के लिए येल्लो अलर्ट जारी किया है। दो दिन बाद एक वेस्र्टन डिर्स्टबेंस के एक्टिव होने से मौसम में ये बदलाव होगा। इसका असर 29 जनवरी को भी प्रदेश के कई हिस्सों में रहेगा।

प्रदेश में मौसम की स्थिति देखे तो आज अधिकांश जगहों पर आसमान साफ रहा। सुबह हल्की धूप भी निकली। दो दिन पहले हुई बारिश और कल पड़े घने कोहरे के चलते शहरों में सर्दी का असर बढ़ गया। तापमान 2-3 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। माउंट आबू में आज न्यूनतम तापमान माइनस 4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

साइकिल के पंक्चर बनाए, दीवार पर पेंट किया-अब पद्मश्री

गायकी के लिए पढ़ाई तक छोड़ी, फिर बॉलीवुड में छा गए गजल सिंगर हुसैन बंधु

जयपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। आज जो पहचान बनी है, जो शानो शौकत बनी है, वह हैरान करने वाली नहीं है। इस पहचान को बनाने के लिए कठिन रास्तों से लेकर कई तरह के मुश्किलों का सामना भी करना पड़ा है। यह शेर जयपुर के गजल सिंगर अमहद हुसैन और मोहम्मद हुसैन की गायकी का असली फलसफा है।

दरअसल, राष्ट्रपति ने 2023 के लिए पद्म विभूषण और पद्म भूषण, पद्मश्री सम्मान की घोषणा कर दी। जयपुर के अहमद हुसैन और मुहम्मद हुसैन को पद्मश्री सम्मान दिया जाएगा है, लेकिन उनका ये सफर आसान नहीं था। पहले गायकी के लिए पढ़ाई छोड़ दी। फिर पिता का निधन हो गया तो पंचर तक बनाने पड़े। आखिरकार जयपुर में एक परफॉर्मेंस से उनकी गायकी को मुंबई तक पहचान मिल गई। हुसैन बंधुओं के नाम से

पहचाने जाने वाले उस्ताद अहमद हुसैन और मोहम्मद हुसैन का जन्म संगीत परिवार में हुआ, इनके नाना, पिता, चाचा सहित परिवार के सभी सदस्य संगीत की पूजा करते हैं। दोनों भाई भी यही कहते हैं कि संगीत हमारे खून में समाया हुआ है।

दोनों ने संगीत की शुरुआती शिक्षा वालिद उस्ताद अफजल हुसैन से की। इसके बाद सुगम संगीत की तरफ दायरा बढ़ाया। जब संगीत सीखने का मन बनाया तो इनके पिता ने मां से कहा- दोनों बच्चों को मेरे पास बेटों के रूप में नहीं शिष्यों के रूप में भेजना। तभी ये असली ज्ञान अर्जित कर पाएंगे। जब हम पिता के पास म्यूजिक सीख रहे थे, उन्होंने हमारे गाने के बाद कहा- तुम दोनों साथ में खूब नाम कमाओगे। उन्होंने शास्त्रीय संगीत के साथ सुगम संगीत की भी शिक्षा लेने की प्रेरणा दी।

इसके बाद हम दोनों भाइयों ने पढ़ाई छोड़कर म्यूजिक में ही कॅरियर बनाने का निर्णय लिया। संगीत का सफर शुरू होने के कुछ साल बाद ही पिता को गंभीर बीमारी हो गई। परिवार की आर्थिक स्थिति तो पहले से ही ठीक नहीं थी। ऐसे में हम दोनों भाइयों ने पार्ट टाइम जॉब भी शुरू कर दिया। कभी हम साइकिल की पंक्चर बनाया करते थे तो कभी नही घिसाई का काम करते थे। उस दौरान हमने दीवारों पर पेंट भी किया। यदि उस वक्त हम ये काम नहीं करते तो घर में खाने की भी दिक्कतें आ जाती।

सितारा देवी ने दिखाया मुम्बई का रास्ता

मोहम्मद हुसैन ने कहा- एक बार हम जयपुर में परफॉर्म कर रहे थे, तब वहां सितारा देवी भी आई हुई थीं। परफॉर्मेंस के बाद उन्होंने हमें बहुत प्यार दिया। हमें मुंबई में आमंत्रित किया। इसके बाद मुंबई गए। सितारा देवी के सामने कई बार गाना गाया। वहां बड़े-बड़े लोगों से मिलते रहे। काम मिलता रहा, लेकिन हम मुंबई में बसे नहीं। सिर्फ काम के सिलसिले में ही जाते रहे। इस दौरान सिताराजी ने हमें कल्याणजी आनंदजी से मिलवाया। उन्होंने कहा- 1980 में हमारा एलबम 'गुलदस्ता' रिलीज हुआ। इसका प्रजेंटेशन कल्याणजी आनंदजी का था। म्यूजिक कल्याण विजु शाह का था। यह एलबम इतना लोकप्रिय हुआ कि हमने फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। इसके बाद वीर जारा का गाना 'तेरे दर पर दीवाना' रिलीज हुआ। यह पूरी दुनिया में हमारी पहचान बन गया।

ऐसी प्रतिमा, जिसके प्रसाद में चढ़ती है सिगरेट

कार से बैक गियर हटाने वाले राजा से जज-वकील और पुलिस मांगते हैं मन्नत

जोधपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। अगर आप सर प्रताप के बारे में नहीं जानते तो आपको जोधपुर का इतिहास फिर से पढ़ने की दरकार है। यह एक ऐसे राजाओं के राजा की सच्ची दास्तान है, जो खुद कभी राजगद्दी पर नहीं बैठे, अशिक्षित थे लेकिन ब्रिटिश महारानी विक्टोरिया को इंप्रेस किया। अपनी कार से बैक गियर निकलवा दिया क्योंकि जिंदगी में पीछे जाना उनका उसूल नहीं था।

सर प्रताप जोधपुर राजघराने के एक मात्र व्यक्ति हैं, जिनकी दिन में दो समय आरती होती है। उनकी मूर्ति पर जज, वकील पुलिस सभी नमन करते हैं। मान्यता है कि यहां मांगी जाने वाली हर मन्नत पूरी होती है। प्रसाद में शराब, अफीम, सिगरेट चढ़ती है। यही नहीं, सर प्रताप सिंह पर आरती बनाई गई है, दिन में दो बार आरती गाई भी जाती है।

उनकी प्रतिमा पर सर्दी में कोट पहनाया जाता है। विश्वभर में प्रसिद्ध जोधपुरी कोट की ईजाद सर प्रताप की ही है। जोधपुर में जुबली कोर्ट यानी कोर्ट का हैरिटेज भवन सर प्रताप ने बनवाया था। यहीं सर प्रताप की आदमकद प्रतिमा स्थापित है। जोधपुर के जुबली कोर्ट में स्थापित सर प्रताप की प्रतिमा की पूजा 28 साल से हो रही है। पिछले 28 साल से पुजारी संपत शर्मा यहां पूजा अर्चना कर रहे हैं। मान्यता है कि रात 12 बजे आज भी सर प्रताप सिंह इस प्रतिमा के पास से सफेद घोड़े पर सवार होकर निकलते हैं और पूरे जोधपुर के परकोटे की सुरक्षा का जायजा लेते हैं। मूर्ति की पूजा अर्चना करने वाले संपत शर्मा ने बताया कि वे 1994 से यहां पूजा अर्चना कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 1994 में किसी व्यक्ति से मैं 500 रुपए मांगता था।

उसने वह पैसा देने के लिए इस मूर्ति के सामने बुलाया था। सुबह 7 बजे से दोपहर 2 बजे तक संपत उस व्यक्ति का इंतजार करते रहे लेकिन वह नहीं आया। उन्होंने बताया कि उन्हें 500 रुपए की सख्त जरूरत थी। इस पर उन्होंने सर प्रताप की मूर्ति के सामने अर्चना की कि वह व्यक्ति नहीं आया तो घर कैसे जाऊंगा। मुझे 500 रुपए की जरूरत थी। इस पर उन्हें एक आवाज सुनाई दी, उन्हें सुना- गेट के पास जाओ। संपत ने बताया कि जब वे कलेक्ट्रेट के गेट के पास गए तो वहां 500 रुपए पड़े मिले। तब से इस प्रतिमा में उनका विश्वास बन गया।

बसंत पंचमी पर आराध्य देव श्री गोविंददेवजी का प्रागट्योत्सव, पीले वस्त्रों में सजाई भगवान की झांकी

जयपुर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर शहर के आराध्य देव श्री गोविंद देव जी मंदिर में बसंत पंचमी के पावन अवसर पर प्रागट्य उत्सव मनाया जा रहा है। बसंत पंचमी पर ठाकुर जी और राधा रानी को पीले वस्त्र धारण करवाए गए और अभिषेक किया गया। सुबह 4 से 4:15 बजे तक मंगला आरती हुई। मंदिर में ठाकुरजी के प्रागट्योत्सव को पारंपारिक रूप से धार्मिक अनुष्ठानों के साथ मनाया जा रहा है। मंदिर महंत के सान्निध्य में सुबह 5 बजे तक राधारानी-ठाकुरजी का अभिषेक किया गया। इस अवसर पर तिथि पूजन भी किया गया। धूप झांकी खुलने से पहले अधिवास पूजन हुआ। इसके बाद धूप आरती हुई। फिर श्रृंगार झांकी के बाद ज्ञान की देवी मां सरस्वती का पूजन पश्चिमी परिक्रमा में ठाकुरजी के चित्रपट के समक्ष किया गया। इसके बाद राजभोग आरती रखी गई। बसंत पंचमी होने की वजह से राधारानी और ठाकुरजी को पीले रंग की मनोहारी पोशाक धारण करवाई गई है। श्रृंगार में भी गेंदा और अन्य पीले रंग के पुष्पों का उपयोग किया गया है। केसर मिश्रित खीर से ठाकुरजी को भोग अर्पित किया गया। शाम को ग्वाल झांकी से लेकर शयन झांकी होंगी।

श्रीगोविंद प्रगटे होइलो रूप द्वारे। इसका अर्थ है रूप गोस्वामी ने ठाकुर श्रीगोविंद देवजी को प्रगट किया है। पहले वृदांवन में और बाद में जयपुर में बसंत पंचमी को ही ठाकुरजी को प्रतिष्ठित किया गया।

मकान में चल रहा था गैस रिफिलिंग का गोरखधंधा

रसद विभाग ने मारा छापा, 38 सिलेंडर जब्त

अजमेर, 26 जनवरी (एजेंसियां)। अजमेर शहर के नागफनी क्षेत्र में कमर्शियल से घरेलू गैस सिलेंडर में गैस रिफिलिंग करने का मामला सामने आया है। नागफनी क्षेत्र में स्थित घरेलू मकान में गैस रिफिलिंग का गोरखधंधा चल रहा था। सूचना की जानकारी मिलते ही बुधवार को रसद विभाग की टीम ने छापा मारा और 38 सिलेंडर जब्त किए।

नागफनी इलाके में स्थित एक आवासीय मकान में लंबे समय से घरेलू गैस में अवैध रिफिलिंग का कारोबार चल रहा था। मामले की सूचना रसद विभाग की टीम को लगी तो कार्रवाई का अंजाम दिया गया। डीएसओ विनय कुमार ने बताया कि दीपक पुत्र भंवर लाल माली महादेव कॉलोनी बड़ी नागफनी अजमेर के आवासीय मकान में घरेलू गैस की अवैध रिफलिंग की सूचना पर दीपक की मौजूदगी में कार्रवाई की गई। यहां से 19 किलो के 28 सिलेंडर,

14.2 किलो के चारे सिलेंडर और पांच किलो के छह सिलेंडर सहित कुल 38 सिलेंडर, एक इलेक्ट्रिक रिफलिंग मोटर, एक बांसुरी एक इलेक्ट्रॉनिक कांटा, एक हेंड वेट मशीन तथा 25 सीलें मिलीं। सारा सामान विभाग की टीम ने जब्त कर लिया है।

होटल, रेस्टोरेंट वालों को उपलब्ध कराते थे सिलेंडर

विनय कुमार शर्मा ने बताया कि कमर्शियल गैस सिलेंडर 19 किलोग्राम की बाजार में कीमत 1765 रुपये है। गैस रिफलिंग के अवैध कारोबार में कमर्शियल गैस सिलेंडर से गैस निकालकर खाली घरेलू गैस सिलेंडर में रिफिल की जाती थी। आरोपी गैस चोरी की इस गैस का फायदा सस्ती दरों में होटल, रेस्टोरेंट वालों को उपलब्ध करवाते थे। जांच दल में डीएसओ विनय कुमार शर्मा के साथ ईओ अब्दुल सादिक, इआई योगेश मिश्रा, इआई अंकुश अग्रवाल, इआई दुर्गावती व इआई उर्मिला सेहर शामिल थे।

नगरद्वय में हर्षोल्लास से मनाया गया 74वां गणतंत्र दिवस

बिहार समाज सेवा संघ पैराडाइज पान बाजार के मुख्यालय में झंडावंदन किया गया। इसमें भाग लेते हुए संघ के अध्यक्ष दीपक सिंह, महासचिव मनीष गुप्ता, रामगोपालपेट पार्षद सी. सुचित्रा, सी. श्रीकांत, महेश व्यास, मनोज, पप्पु व अन्य।

74वें गणतंत्र दिवस पर बीआरएस पार्टी कार्यालय, मंगलहाट में झंडावंदन करते हुए वरिष्ठ बीआरएस नेता नंद किशोर व्यास बिलाल, पूर्व पार्षद परमेश्वरी सिंह व शशिराज सिंह व अन्य।

बोइनपल्ली मार्केट यार्ड में 74वां गणतंत्र दिवस समारोह में भाग लेते हुए मार्केट यार्ड के सचिव श्रीनिवास, व्यापारी संघ के अध्यक्ष ए.गौतम जैन, सोमा देवेंदर रेड्डी व अन्य।

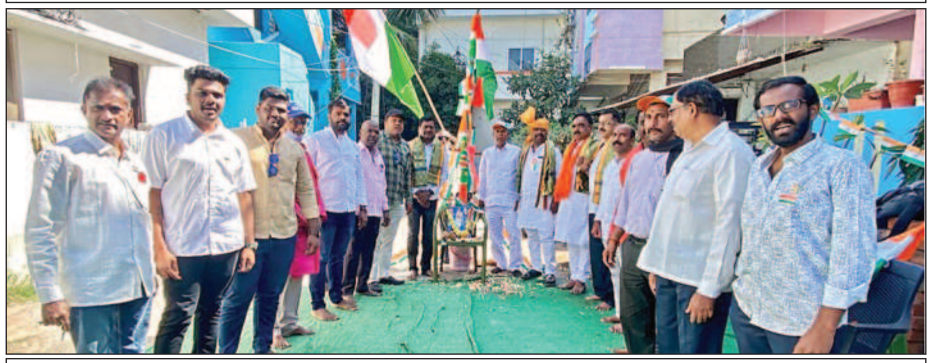

उत्तर भारती नागरिक संघ द्वारा शारदा नगर कॉलोनी वनस्थलीपुरम में आयोजित 74वां गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में झंडावंदन करते हुए संघ के चेयरमैन एन.के. सिंह, चेयरमैन नंद किशोर सिंह, अमरजीत सिंह, एच. श्रीनिवास राव, डॉ. अप्पा राव, सूरज सिंह, आदित्य सिंह, पी. सुरेश, राजेंद्र तिवारी व अन्य।

रोटरी क्लब ऑफ हैदराबाद सेंटेनियल के तत्वावधान में मूसारामबाग स्थित गवर्नमेंट प्राइमरी एंड हाई स्कूल में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में भाग लेते हुए अशोक काबरा, पंकज संघी, आशीष अवस्थी, गोविंद अग्रवाल, महेश सिंघानिया, रामराज कतरी, डॉक्टर देवेंद्र व अन्य।

बिहार सहयोग समिति हैदराबाद द्वारा इंदिरा नेहरू नगर, मलकाजगिरी में आयोजित गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में भाग लेते हुए अध्यक्ष बिनय कुमार यादव, मुख्य अतिथि वरिष्ठ पूर्व सैनिक राजेश्वर भगत और समिति के वरिष्ठ प्रधाकारी चंद्रदेव सिंह, एवं उपाध्यक्ष सागर भगत, बिजेंद्र गुप्ता, आंनद गुप्ता, सुनील ठाकुर, सूरज यादव, सुनील, मनोज, रामफल, ललन मिश्रा, दीपक गुप्ता व अन्य।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर गोशामहल के पार्षद लाल सिंह ने विभिन्न क्षेत्रों में बतौर अतिथि झंडा फहराया। उपस्थित हैं नटराज नामधारी, रणवीर सिंह, विपिन रावत, बी. नरसिम्हा, गुणवंत बिरादर, राजा जौहरी, अक्षय साहू व अन्य।

हिल रिज स्प्रिंग्स गच्ची बावली में गणतंत्र दिवस पर झंडारोहण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम किए गए, जिसमें उपस्थित उमा देवी सुंकरी, गीता अग्रवाल, कमलेश अग्रवाल, आशा अग्रवाल, सरस्वती देवी, अनु, सरिता व अन्य।

निःशुल्क प्रभात हाई स्कूल खैरताबाद में आयोजित 74वां गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में भाग लेते हुए अध्यक्ष श्रवण कुमार नरेडी, मुख्य अतिथि तेज प्रकाश अग्रवाल, मानद मंत्री प्रकाश एच भंडारी, राकेश भटनागर, उपाध्यक्ष मेजर किरण, कोषाध्यक्ष गोविंद चांडक, कार्यकारिणी सदस्य ललीता देवी व अन्य।

बिहार समाज सेवा संघ सिकंदराबाद स्थित गांधी नगर के मलयालम मठ में आयोजित गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में भाग लेते राष्ट्रीय चेयरमैन राजू ओझा, समाज के मनिष तिवारी, विकास सिंह, राघवेन्द्र मिश्रा, राधेश्याम प्रजापति, दिपक तिवारी, महेंद्र प्रजापति, राजेश गौड़, अखिल भारत हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय महासचिव कमलेश दास महाराज, धर्मेंद्र सिंह, राकेश सिंह, रामनाथ यादव व अन्य।

नीलकंठ नगर यूथ एसोसिएशन, जियागुड़ा द्वारा आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में उपस्थित अनुराग, लक्ष्मीकांत, आनंद, नटराज, धरमा, किशोर व अन्य।

रानी पार्क, कोटी में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में उपस्थित मुख्य अतिथि डॉ. जेपी जायसवाल, एनआर लक्ष्मण राव, भिक्षापति, रमेश, लक्ष्मण, रजनी, श्रीरामुलु, रमनदीप व अन्य।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर आदर्श विद्या समिति ने झंडा फहराया। उपस्थित हैं टी. शंकर सिंह, एम. भारत सिंह, टी. रमेश सिंह, जी. शेखर सिंह, बी. राकेश सिंह, जी. कुंदन सिंह, बी. अनिल सिंह, व अन्य।

गणतंत्र दिवस पर सिकंदराबाद छावनी के विधायक जी. सायन्ना ने अपने विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर ध्वज फहराया।

राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान में आयोजित 74वां गणतंत्र दिवस समारोह में भाग लेते हुए संस्थान के प्रभारी डॉ. गोलि पेंचल प्रसाद, डॉ. वी. श्रीदेवी, अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद), डॉ. अशफाक अहमद, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी), डॉ. बिस्वरंजन दास, अनुसंधान अधिकारी (होमियो) और अन्य कर्मचारी।

श्री छत्रपति शिवाजी मराठा नवयुवक मंडल द्वारा श्री छत्रपती शिवाजी महाराज प्रतिमा शिवाजी ब्रिज पर 74वें गणतंत्र दिवस पर तिरंगा ध्वज फहराया गया। इस अवसर पर समाज के पदाधिकारि एवं सदस्य।

रिकाबगंज, भंडारा चौक पर गणतंत्र दिवस पर झंडा वंदन कार्यक्रम का आयोजन अशोक फाउंडेशन एवं रिकाबगंज वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में पंकज कुमार अग्रवाल द्वारा किया गया। अवसर पर बृज मोहन, राकेश पटवारी, प्रखर अग्रवाल, मोहक अग्रवाल, राजू एवीएम आदि उपस्थित रहे।

जनहित फ्रेंड्स एसोसिएशन द्वारा गणतंत्र दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते हुए चिक्कडपली ट्राफिक पुलिस अधिकारी नानू नायक, एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज कुमार, सेक्रेटरी के. रवि, उपाध्यक्ष क्रिस्तान, मैखेल व सदस्य।

निर्दोष सेसियल वेलफेयर सोसायटी कार्यालय, खैरताबाद में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में भाग लेते हुए संस्था के प्रमुख रामकुमार तिवारी व अन्य कर्मचारी।

हैदराबाद के चारमीनार विधानसभा क्षेत्र के बीआरएस पार्टी के प्रभारी एमडी सलाउद्दीन लोधी ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर तिरंगा फहराया। इस अवसर पर गोविंद राज, सैयल सलीम, मोहम्म अहमद, सैफुद्दीन, मोहम्म अमीन आदि

श्री आईजी गौशाला, जवाहर नगर, खापरा मण्डल में गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में ध्वजारोहण करते हुए अध्यक्ष जे.सी. प्रकाश चोलाराम हाम्बड, सचिव मंगलराम पंवार, कार्यकारिणी समिति सदस्य एवं गौभक्त।

खेल जगत के तीन दिग्गजों को पद्मश्री सम्मान

पूर्व क्रिकेटर गुरचरण सिंह भी शामिल

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। इस बार के पुरस्कार वितरण में खेल जगत से जुड़े तीन शख्सियत पद्मश्री से सम्मानित किए जाएंगे। इनमें गुरचरण सिंह, एसआरडी प्रसाद और शानाथोएबा शर्मा शामिल हैं।

गुरचरण सिंह और एसआरडी प्रसाद

केंद्र सरकार ने पद्म पुरस्कार के विजेताओं की घोषणा कर दी है। इन पुरस्कारों को विभिन्न क्षेत्र के व्यक्तियों को उनके योगदान के लिए दिया जाता है। इस पुरस्कार के तीन भाग हैं- पद्म विभूषण , पद्म भूषण और पद्मश्री। इस बार के पुरस्कार वितरण में खेल जगत से जुड़े तीन शख्सियत पद्मश्री से सम्मानित किए जाएंगे। इनमें पूर्व क्रिकेटर और कोच गुरचरण सिंह, मार्शल आर्ट प्रशिक्षक एसआरडी प्रसाद और थांग-ता के प्रशिक्षक के शानाथोएबा शर्मा शामिल हैं।

गुरचरण सिंह का भारतीय क्रिकेट में योगदान

गुरचरण सिंह का जन्म 25 मार्च 1935 को हुआ था। वह एक भारतीय क्रिकेट कोच और पूर्व प्रथम श्रेणी क्रिकेटर हैं। उन्होंने 12 अंतरराष्ट्रीय और 100 से अधिक प्रथम श्रेणी क्रिकेटरों को प्रशिक्षित किया है। 87 साल के गुरचरण द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित होने वाले दूसरे क्रिकेट कोच हैं।

गुरचरण ने 37 प्रथम श्रेणी मैचों में 1198 रन बनाए। इनमें एक शतक और सात अर्धशतक शामिल है। उनका उच्चतम स्कोर 122 रन का रहा है। इसके अलावा 44 विकेट भी लिए हैं। 100 से अधिक प्रथम श्रेणी क्रिकेटरों के अलावा, उन्होंने मनिंदर सिंह, सुरिंदर खन्ना, कीर्ति आजाद, विवेक राजदान, गुरशरण सिंह, अजय जडेजा, राहुल सांघवी और मुरली कार्तिक सहित 12 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों को प्रशिक्षित किया। 1987 में देश प्रेम आजाद (1986 में सम्मानित) के बाद, वे भारत के सर्वोच्च खेल कोचिंग सम्मान द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित होने वाले दूसरे क्रिकेट कोच बने।

मार्शल आर्ट्स कोच एसआरडी प्रसाद को भी सम्मान

सिर्फ क्रिकेट ही नहीं, बल्कि भारत की दो प्राचीन और स्थानीय मार्शल आर्ट्स के प्रशिक्षकों को पद्मश्री सम्मान के लिए चुना गया है। केरल के दिग्गज एसआरडी प्रसाद को प्राचीन मार्शल आर्ट्स कलारीपयट्टू को बढ़ावा देने और सैकड़ों लोगों को सिखाने के लिए पद्मश्री से सम्मानित किया जाएगा। उन्हें मार्शल आर्ट्स में योगदान के लिए ही 2016 में संगीत नाटक अकेडमी से भी सम्मानित किया गया था।

केएस शर्मा को भी सम्मान

मणिपुर के स्थानीय मार्शल आर्ट्स 'थांग-ता' के कोच के शानाथोएबा शर्मा को इसे बढ़ावा देने के लिए पद्मश्री से नवाजा जाएगा। थांग-ता एक मशहूर मणिपुरी मार्शल आर्ट्स है, जिसमें मुख्य रूप से तलवार और भालों का इस्तेमाल किया जाता है। केएस शर्मा के मुताबिक, थांग-ता की मदद से ही पूर्वजों ने मणिपुर को विदेशी हमलों से बचाया था।

106 हस्तियों को सम्मान

केंद्र सरकार ने बुधवार को देश के शीर्ष नागरिक सम्मानों का एलान किया। इस बार कुल 106 हस्तियों को सम्मानित किया जाएगा। देश का दूसरा सबसे बड़ा सम्मान पद्म विभूषण इस बार छह दिग्गजों को मिला है। वहीं नौ शख्सियतों को पद्म भूषण से सम्मानित किया जाएगा। इनके अलावा अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े 91 लोगों को पद्मश्री से नवाजा जाएगा।

रैंकिंग सीरीज जाग्रेब ओपन में पहलवानों को मिली मंजूरी

डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष बृजभूषण सिंह का विरोध करने वाले पहलवान विनेश- बजरंग भी टीम में

दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय पहलवान जाग्रेब रेसलिंग रैंकिंग सीरीज में भाग लेंगे। खेल मंत्रालय ने इसकी मंजूरी दे दी है। यह रैंकिंग चैंपियनशिप 1 से 5 फरवरी तक क्रोएशिया में होना है। इस रैंकिंग चैंपियनशिप में 13 पुरुष पहलवान फ्री स्टाइल में, जबकि 11ग्रीको रोमन में भाग लेंगे। साथ ही 12 महिला रेसलर्स भी फ्री स्टाइल में भाग लेंगी।

निगरानी समिति ने पहलवानों के नामों की सिफारिश

पहलवानों के नामों की सिफारिश खेल मंत्रालय की ओर से गठित निगरानी समिति ने की। दरअसल हाल ही ओलिंपिक मेडलिस्ट साक्षी मलिक, विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया सहित कई पहलवानों ने रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह को हटाने की मांग की थी। यही नहीं महिला रेसलर्स ने फेडरेशन के अध्यक्ष और कोचों पर सेक्सुअल हैरेसमेंट के आरोप लगाए थे। इसके बाद खेल मंत्रालय ने बॉक्सर मैरीकॉम की अध्यक्षता में निगरानी समिति बनाई थी। यह समिति जांच पूरी होने तक कुश्ती संघ का काम देखने के साथ ही कुश्ती फेडरेशन के अधिकारियों पर लगाए गए आरोपों की जांच भी करेगी।

ओलिंपिक मेडल विजेता मुक्केबाज एमसी मैरी कॉम के साथ इस समिति में चार अन्य सदस्यों में ओलिंपिक मेडलिस्ट योगेश्वर दत्त, ध्यानचंद अवॉर्डी तृप्ती मुरगुंडे, स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया की सदस्य राधिका श्रीमन के अलावा टाप्स कमेटी के पूर्व-सीईओ कमांडर राजेश राजगोपालन को भी शामिल किया गया।

आरोप लगाने वाले पहलवान भी टीम में शामिल

रेसलिंग रैंकिंग चैंपियनशिप में कुश्ती फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह पर आरोप लगाने वाली पहलवान विनेश फोगट, अंशु मलिक के साथ ही टोक्यो ओलंपियन रवि कुमार दहिया, बजरंग पूनिया और दीपक पूनिया के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले पहलवान शामिल हैं।

आईओए की जांच समिति की अध्यक्ष भी मैरी कॉम

उधर, इंडियन ओलिंपिक एसोसिएशन ने भी पहलवानों के आरोपों की जांच के लिए 7 सदस्यीय कमेटी बनाई है। इस कमेटी में बॉक्सर मेरीकॉम, तीरंदाज डोला बनर्जी, बैडमिंटन प्लेयर अलकनंदा अशोक, फ्रीस्टाइल कुश्तीबाज योगेश्वर दत्त, भारतीय भारोत्तोलन महासंघ के अध्यक्ष सहदेव यादव और दो वकील शामिल हैं।

फुटबॉल फेडरेशन देश भर में बनाएगा 20 हजार क्लब

सेक्रेटरी डॉ शाजी प्रभाकरन बोले- रैंकिंग सुधारना लक्ष्य, वर्ल्ड कप का रोडमैप तैयार

खेल डेस्क, 26 जनवरी (एजेंसियां)। इस भारतीय फुटबॉल फेडरेशन (एआईएफएफ) का फोकस देश में खेल के विकास और भारतीय टीम की रैंकिंग सुधारने पर है। इसके लिए फेडरेशन ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है। फेडरेशन के जनरल सेक्रेटरी डॉ. शाजी प्रभाकरन ने बताया कि 2026 अंडर-16 वर्ल्ड कप में भारतीय टीम को क्वालिफाई कराना हमारी पहली चुनौती है। इसके अलावा देश की आजादी के शताब्दी वर्ष 2047 में फुटबॉल के विभिन्न राज्यों में 20 हजार क्लब तैयार करना और एशियन देशों में भारत को टॉप फोर में लाना हमारा विजन है। हम ग्रास रूट लेवल पर ज्यादा से ज्यादा फुटबॉल कराना चाहते हैं, जिससे बड़े टूर्नामेंट में नतीजे हमारे पक्ष में आएं और हमारी वर्ल्ड रैंकिंग में सुधार हो। उन्होंने कहा, 'हमने एक प्लान बनाया है। हम विभिन्न राज्यों के संघ से लगातार संपर्क में रहेंगे। कहां पर आयोजन हो रहे हैं या नहीं, इसकी मॉनिटरिंग की जाएगी।

उन्हें आवश्यकतानुसार फंड दिया जाएगा। खेल मंत्रालय के साथ-साथ साई भी हमारे इस विजन में साथ काम कर रहा है।' प्रभाकरण ने बताया, 'आईएसएल से पहले भी भारत में कई प्रोफेशनल लीग चल रही थीं, लेकिन आईएसएल को मिल रही सफलता इस बात का संकेत है कि देश में फुटबॉल की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। हम लक्ष्य न सिर्फ 20 हजार क्लब खड़े करने का है, बल्कि इसी तर्ज पर पूरे देश में ज्यादा से ज्यादा कोच भी तैयार करेंगे। इसके लिए राज्यों में छोटे-छोटे सेमिनार और कोर्स आयोजित करेंगे।

हम 2026 को लक्ष्य बनाकर वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई करने की दिशा में काम कर रहे हैं। इसके लिए कुछ खिलाड़ियों को चुन लिया है और जिन पर काम करना शुरू कर दिया है। हमें सिर्फ मेजबान के रूप में क्वालिफाई नहीं करना है, बल्कि खेलकर अपनी जगह बनानी है। 2026 तक भारत को एशिया के टॉप-10 देशों की सूची में लाना हमारी प्राथमिकता है।'

विराट कोहली से लेकर साइना नेहवाल और लक्ष्मण तक

खिलाड़ियों ने दी गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय खिलाड़ियों ने 74वें गणतंत्र दिवस पर सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। विराट कोहली से लेकर साइना नेहवाल और वीवीएस लक्ष्मण ने सोशल मीडिया पर सभी भारतीयों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। 74वें गणतंत्र दिवस के मौके पर देश के कई बड़े खिलाड़ियों ने सभी भारतीयों को शुभकामनाएं दी हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद आराम कर रहे विराट कोहली ने भी सभी फैंस को 26 जनवरी के मौके पर शुभकामनाएं दी हैं। बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। एनसीए हेड वीवीएस लक्ष्मण ने भी इस राष्ट्रीय पर्व के मौके पर सभी को शुभकामनाएं दी हैं। गणतंत्र दिवस के मौके पर भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली भी देशभक्ति के रंग में डूबे नजर आए। कोहली ने तिरंगे के साथ एक वीडियो शेयर किया, जिसमें राष्ट्रभक्ति से जुड़ा संगीत भी बज रहा था।

फुटबॉल इतिहास में पहली बार दिखा व्हाइट कार्ड

खेल डेस्क, 26 जनवरी (एजेंसियां)। फुटबॉल में यलो कार्ड और रेड कार्ड के बारे में तो सभी जानते है, लेकिन पुर्तगाल की विमेंस लीग में रेफरी ने अपनी जेब से वाइट कार्ड निकाला। यह सफेद कार्ड पुर्तगाल के क्लब बेनफिका और स्पोर्टिंग लिस्बन के बीच महिला कप के क्वार्टर फाइनल मैच के दौरान दिखाया गया। हाफ टाइम के ठीक पहले बेनफिका 3-0 से आगे चल रही थी, उसी समय रेफरी ने व्हाइट कार्ड दिखाने का फैसला किया। कार्ड के निकलते ही स्टेडियम के दर्शकों ने रेफरी के लिए चीयर किया।

बाबर आजम से ज्यादा हो सकती है मंधाना की सैलरी

पहले सीजन से डब्ल्यूपीएल बनेगी दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी लीग

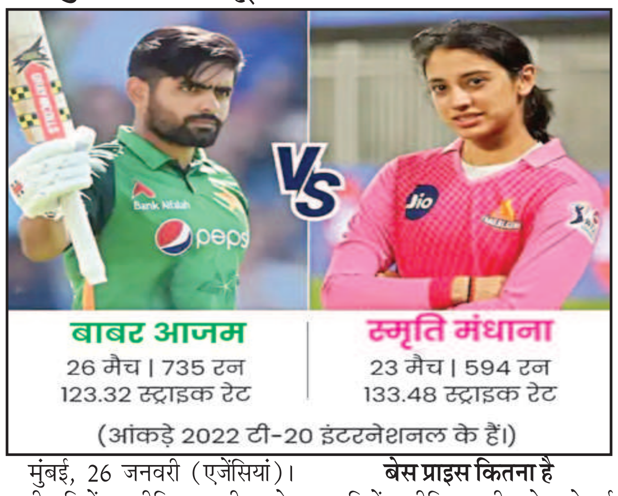

मुंबई, 26 जनवरी (एजेंसियां)। अभी विमेंस प्रीमियर लीग के खिलाड़ियों की नीलामी नहीं हुई है। नीलामी फरवरी के दूसरे हफ्ते में हो सकती है। विमेंस प्रीमियर लीग का खाका तैयार हो चुका है। बुधवार को इस भारतीय लीग की टीमें नीलाम हो गई हैं। कुछ दिन पहले बीसीसीआई ने 5 साल के मीडिया राइट्स भी नीलाम किए थे। इन दोनों से बीसीसीआई को करीब साढ़े 5 हजार करोड़ मिल चुके हैं। ऐसे में विमेंस प्रीमियर लीग पहले सीजन से ही दुनिया की सबसे बड़ी महिला क्रिकेट लीग बन गई है। साथ ही यह पुरुष और महिला लीग मिलाकर दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी लीग भी बन गई है। इससे आगे सिर्फ पुरुष आईपीएल है। बोर्ड अब डब्ल्यूपीएल के खिलाड़ियों की नीलामी की तैयारी कर रहा है, जो फरवरी महीने के दूसरे हफ्ते में हो सकती है। खिलाड़ियों की नीलामी की चर्चाओं के साथ सबके मन में एक ही सवाल है, सबसे महंगी खिलाड़ी कौन होगी...और उसकी सैलरी क्या होगी?साल-2022 के टी-20 इंटरनेशनल में भारतीय महिला खिलाड़ियों के प्रदर्शन को देखें तो स्मृति मंधाना और हरमनप्रीत कौर सबसे ज्यादा सैलरी पाने की दावेदार नजर आ रही हैं। दोनों सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में टॉप-2 में हैं।

यह भी मुमकिन बताया जा रहा है कि इन खिलाड़ियों की सैलरी न सिर्फ अपनी लीग में सबसे ज्यादा होगी बल्कि आईपीएल को छोड़कर दुनिया की किसी भी पुरुष लीग के टॉप प्लेयर से भी ज्यादा हो सकती है। आगे हम इसे पाकिस्तान सुपर लीग के हीरो बाबर आजम के उदाहरण के साथ समझेंगे।

डब्ल्यूपीएल प्लेयर्स ऑक्शन में बेस प्राइस कितना है

विमेंस प्रीमियर लीग के प्लेयर्स ऑक्शन के लिए खिलाड़ियों की बेस प्राइज 10 से 50 लाख रुपए तय की गई है। नेशनल टीम के लिए खेलने वाली कैप खिलाड़ी 30 से 50 लाख तक अपनी बेस प्राइस रख सकती हैं। जबकि अनकैप्ड खिलाड़ियों की बेस प्राइज 10 और 20 लाख रुपए होगी। इसमें 5 कैटेगरीज होंगी।

हर टीम को प्लेयर्स ऑक्शन के लिए मिलेंगे 12 करोड़

एक डब्ल्यूपीएल टीम को ऑक्शन में खिलाड़ी खरीदने के लिए 12 करोड़ रुपए का पर्स मिलेगा। हर साल पर्स में 1.5 करोड़ रुपए का इजाफा होगा। पुरुष आईपीएल में एक टीम का पर्स 95 करोड़ रुपए है। यानी डब्ल्यूपीएलमें टीमों का पर्स आईपीएल टीमों से करीब 8 गुना कम है। आईपीएल में ऑक्शन के जरिए सबसे ज्यादा सैलरी पाने वाले खिलाड़ी इंग्लैंड के सैम करन बने हैं। पंजाब किंग्स की टीम उन्हें हर सीजन के लिए 18.5 करोड़ रुपए देगी। अगर आईपीएल की सबसे ज्यादा सैलरी इससे 8 गुना कम भी होती है तो भी टॉप प्लेयर को 2 से 2.50 करोड़ रुपए तक की सैलरी मिल सकती है।

फिर बाबर को पीछे छोड़ देंगी डब्ल्यूपीएल की विमेंस स्टार

डब्ल्यूपीएल की सबसे बड़ी सैलरी अगर 2 करोड़ रुपए से ऊपर जाती है तो फिर इस लीग की सबसे बड़ी सैलरी पाकिस्तान सुपर लीग, बिग बैश जैसी विदेशी लीग की सबसे बड़ी सैलरी से ज्यादा होगी। पाकिस्तान सुपर लीग यानी पीएसएल में वहां के स्टार प्लेयर बाबर आजम को 1.38 करोड़ रुपए की सैलरी मिलती है। बाबर के अलावा कुछ अन्य सितारों को भी इतनी ही रकम मिलती है।

खेलो इंडिया गेम्स में शामिल हैं कलारीपयट्टू

थांग-ता, गतका और मलखंब, जानें इनके बारे में

नई दिल्ली, 26 जनवरी (एजेंसियां)। खेलो इंडिया गेम्स में कलारीपयट्टू, थांग ता, गतका और मलखंब जैसे खेलों को शामिल किया गया है। सरकार इन खेलों को बचाए रखना चाहती है। इसी वजह से इन्हें खेलो इंडिया गेम्स में शामिल किया गया है। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2023 में कलारीपयट्टू, थांग-ता, गतका और मलखंब जैसे खेल भी शामिल हैं। इन खेलों के बारे में आपने कम ही सुना होगा और शायद ही कभी इन खेलों के मैच देखे होंगे। हालांकि, ये भारत पारंपरिक खेल हैं और इन खेलों का अस्तित्व बनाए रखने के लिए ही सरकार ने इन्हें खेलों इंडिया गेम्स में शामिल किया है। ये सभी खेल देश के किसी न किसी कोने में लोकप्रिय हैं, लेकिन पूरे देश में इनकी लोकप्रियता बढ़ाने के लिए इन खेलों को खेलो इंडिया गेम्स में शामिल किया गया है। यहां हम बता रहे हैं कि ये खेल कैसे खेले जाते हैं।

थांग-ता

थांग ता का शाब्दिक अर्थ है तलवार और भाला। थांग का अर्थ है तलवार और ता का मतलब है भाला। यह लगभग 400 साल पहले मणिपुर के राजा-महाराजों ने शुरू किया था। अंग्रेजों को डर था कि इस खेल में भाले और तलवार का उपयोग होता है। इस खेल में हिस्सा लेने वाले लोग बगावत में शामिल हो सकते हैं। इस वजह से इस खेल पर बैन लगा दिया गया था। हालांकि, मणिपुर में यह खेल अपना अस्तितिव बनाए रखने में सफल रहा और अब खेलो इंडिया गेम्स में भी इसे शामिल किया गया है।

कलारीपयट्टू

केरल में उपजा यह खेल पूरी दुनिया में लोकप्रिय है। बॉलीवुड अभिनेता विद्युत जामवाल भी इसमें माहिर हैं। यह एक तरह की मार्शल आर्ट है। इसमें दो लोग मिलकर कलाबाजियों दिखाते हैं। इस खेल में महिला और पुरुष दोनों हिस्सा लेते हैं। कलारीपयट्टू में कई तरह की तकनीक होती हैं, जिसमें मैपयट्टू, वादीपयट्टू , वेरुकैयपरयोगा आदि शामिल है। इस खेल में कुल 16 तरह की फाइट होती हैं। शुरुआत बॉडी एक्सरसाइज के साथ होती है। इसके बाद आगे की लड़ाई होती है। इसमें डिफेंस, अटैक कई चीजें शामिल होती है।

मलखंब

मध्य प्रदेश का राज्य खेल मलखंब भी खेलो इंडिया गेम्स का हिस्सा है। इस बार खेलो इंडिया गेम्स का आयोजन मध्यप्रदेश में ही हो रहा है, ऐसे में राज्य के सबसे चर्चित खेल का इसमें शामिल होना लाजिमी है। इस खेल में लकड़ी के एक खंबे पर खिलाड़ियों को करतब दिखाने होते हैं। इसमें तीन तरह के खेल होते हैं, जिसमें फिक्स्ड मलखम्ब (केवल पुरुषों के लिए), हेंगिंग मलखम्ब (केवल पुरुषों के लिए), शेप मलखम्ब (महिलाओं के लिए) शामिल है।

गतका

पंजाब के खेल गतका को भी खेलो इंडिया गेम्स में शामिल किया गया है। यह खेल निहंग सिख योद्धाओं की पारंपरिक लड़ाई शैली से उपजा है। इसका उपयोग आत्म-रक्षा के लिए भी होता है। गतका सिक्खों की पारंपरिक युद्ध कला है। सिक्खों के धार्मिक उत्सवों में इसका हथियारों के साथ प्रदर्शन किया जाता है। इसे पारंपरिक कपड़ों में तलवार और ढाल के साथ खेला जाता है।

चोट के बाद पहली बार बल्लेबाजी के लिए उतरे रवींद्र जडेजा के साथ ये क्या हो गया?

खेल डेस्क, 26 जनवरी (एजेंसियां)। टीम इंडिया के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा इस वक्त रणजी ट्रॉफी में तमिलनाडु के खिलाफ खेल रहे हैं. चेन्नई में चल रहे इस मैच में जडेजा सौराष्ट्र की कमान संभाले हुए हैं. जडेजा के लिए ये मैच बेहद अहम है क्योंकि घुटने की चोट के बाद ये उनका पहला मुकाबला है. जडेजा ने इस मैच में पहले गेंदबाजी की और उन्होंने 24 ओवर में 48 रन देकर एक विकेट हासिल किया लेकिन जब ये ऑलराउंडर बल्लेबाजी के लिए उतरा तो उनके साथ कुछ ऐसा हुआ जिसकी उम्मीद उन्हें नहीं होगी. रवींद्र जडेजा महज 15 रन बनाकर आउट हो गए. जडेजा ने शुरुआत कमाल की थी और उन्होंने तीन बेहतरीन चौके लगाए थे लेकिन बाबा अपराजित की गेंद पर उन्होंने विकेट गंवा दिया. वो एलबीडब्ल्यू आउट हुए. रवींद्र जडेजा अगर इस मैच में अच्छी बल्लेबाजी करते तो उनका आत्मविश्वास लौट आता. अगले महीने से टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है और जडेजा को उससे पहले लय हासिल करनी जरूरी है.

बूंदाबांदी नहीं, शुभमन गिल लाए तूफानी बारिश

गिल कोच राहुल द्रविड़ से बोले- पिता फिर भी खुश नहीं होंगे

26 जनवरी (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज में भारत ने क्लीन स्वीप किया। युवा ओपनर शुभमन गिल मैन ऑफ द सीरीज रहे। उन्होंने 3 मैचों की सीरीज में 180 की औसत से 360 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में दो शतक जमाए। पिछले चार वनडे में गिल ने 3 सेंचुरी जड़ी। हालांकि, इससे पहले तक गिल अच्छी शुरुआत के बाद भी बड़े स्कोर नहीं बना पाते थे, उनके पिता भी नाराज रहते थे और उनसे कहा करते थे कि बूंदबांदी कब तक दिखाओगे.. तूफानी बारिश की तरह रन कब बरसाओगे? तीसरे वनडे खत्म होने के बाद टीम इंडिया के कोच राहुल द्रविड़ ने बीसीसीआई टीवी के लिए उनसे बातचीत की और गिल को पिता की इन्हीं बातों की याद दिलाई। इसका वीडियो बीसीसीआई ने शेयर किया है। द्रविड़ ने कहा, 'शुभमन गिल कई सारे 50 और 60 रन बना रहा था, लेकिन उसे शतक में तब्दील नहीं कर पा रहा था, तब शुभमन के पिता ने कहा था कि क्या सिर्फ बूंदाबांदी ही दिखाओगे या सच में हमें कोई बारिश या तूफान भी देखने को मिलेगा? मुझे लगता है कि पिछले एक महीने में आपने जो किया है, उससे आपके पिता को आप पर गर्व जरूर होगा।' इस पर गिल ने हंसते हुए कहा, 'हां, मुझे लगता कि वह इस खेल से बहुत ज्यादा खुश होंगे। वह निश्चित रूप से मुझसे कहेंगे कि मुझे इसी फॉर्म को बरकरार रखना चाहिए। मुझे इसी तरह खेलते रहना चाहिए।

इस पर द्रविड़ ने कहा, 'आपके पिता का टास्क काफी कड़ा है। यदि हम आपको प्रेरित नहीं करेंगे, तो वह करेंगे। इसलिए आप अच्छे हाथों में हैं।'

संविधान भावना की रक्षा और सम्मान किया जाना चाहिए : राज्यपाल

तमिलिसाई ने केसीआर सरकार पर कटाक्ष किया

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन ने राज्य सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि विकास का मतलब केवल भवन निर्माण नहीं है, बल्कि वास्तविक विकास राष्ट्र निर्माण के माध्यम से किया जाना है। गुरुवार को यहां राजभवन में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद 74 वें गणतंत्र दिवस समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन ने कहा कि अब हमें कुछ लोगों के लिए फार्महाउस बनाने की नहीं, बल्कि लोगों के लिए कृषि भूमि की जरूरत है। बड़ी संख्या में किसान आत्महत्या कर रहे हैं, इसे रोका जाना चाहिए। केसीआर सरकार की कार्यशैली पर गंभीर असंतोष व्यक्त करते हुए राज्यपाल ने कहा कि संविधान की भावना को नजरअंदाज करने के बजाय उसकी रक्षा और सम्मान किया जाना चाहिए। राज्यपाल ने राज्य के विश्वविद्यालयों की अनदेखी के लिए भी सरकार पर निशाना साधा। हमारे छात्र उच्चशिक्षा पाने के लिए विदेश जा रहे हैं। हमें अपने विश्वविद्यालयों में अंतरराष्ट्रीय मानकों के उचित बुनियादी ढांचे का निर्माण करना चाहिए। सरकार द्वारा दिए गए एक तैयार पाठ की अनुपस्थिति में, राज्यपाल ने केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार की खुले तौर पर प्रशंसा करते हुए, तेलंगाना सरकार के खिलाफ आलोचनात्मक टिप्पणी करते हुए कहा कि 'मुझे तेलंगाना राज्य पसंद है। कुछ लोग मुझे नापसंद कर सकते हैं लेकिन मैं तेलंगाना के विकास के लिए कड़ी मेहनत करती हूं। इसके अलावा, राजभवन इस संबंध में हर तरह का सहयोग देने के लिए तैयार है और निश्चित रूप से तेलंगाना की प्रगति में मेरी भूमिका जारी रहेगी।' गणतंत्र दिवस समारोह परेड का संचालन करने वाली पुलिस टुकड़ियों के साथ शानदार ढंग से औपचारिक भव्यता, उल्लास और देशभक्ति के उत्साह के साथ आयोजित किया गया था। समारोह में मुख्य सचिव शांति कुमारी, पुलिस महानिदेशक अंजनी कुमार और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। इस अवसर पर, राज्यपाल ने आरआरआर फिल्म के संगीत निर्देशक एमएम कीरावनी और गीतकार चंद्रबोस को सम्मानित किया। राज्य सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारियों और विभिन्न क्षेत्रों के लोगों ने भी बड़ी संख्या में समारोह में भाग लिया। इससे पहले, राज्यपाल ने सिकंदराबाद के परेड ग्राउंड में युद्ध स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

पैकेजिंग में प्लास्टिक का इस्तेमाल करने पर मिठाई दुकान पर लगा 20 हजार रुपये का जुर्माना

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने पैकेजिंग के लिए सिंगल-यूज प्लास्टिक का उपयोग करने के लिए बुधवार को जी पुल्ला रेड्डी स्वीट्स की सोमाजीगुडा शाखा पर 20,000 रुपये का जुर्माना लगाया।

वरिष्ठ आईएफएस अधिकारी और अतिरिक्त पीसीसीएफ मोहन चंद्र परगायन ने शिकायत की कि प्रतिबंध के बावजूद आउटलेट सिंगल-यूज प्लास्टिक का उपयोग कर रहा है, जिसके बाद अधिकारियों ने पुल्ला रेड्डी की रसोई का दौरा किया।

डीसी-17 खैरताबाद सर्कल ने एएमओएच 17 के साथ सीएम कैंप कार्यालय सोमाजीगुडा के पास पुल्ला रेड्डी मिठाई का निरीक्षण किया और कर्मचारियों ने अपनी दुकान में सिंगल-यूज प्लास्टिक पाया और पहली बार में 20,000 रुपये का जुर्माना लगाया और चेतावनी दी कि भविष्य में सिंगल प्लास्टिक यूज की दुकान नहीं होगी। जीएचएमसी द्वारा जब्त, नागरिक निकाय ने कहा। इससे पहले, जी पुल्ला रेड्डी स्वीट्स पर 25,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया था, जब एक ग्राहक ने शिकायत की थी कि आउटलेट से खरीदी गई मिठाई सड़ी हुई थी।

बासर मंदिर को तेलंगाना में प्रमुख तीर्थस्थल के रूप में विकसित करने का प्रयास : इंद्रकरन

धर्मस्व मंत्री ने श्री ज्ञान सरस्वती देवस्थानम में की पूजा-अर्चना

निर्मल, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वन मंत्री अल्लोला इंद्रकरन रेड्डी ने कहा कि प्राचीन श्री ज्ञान सरस्वती देवस्थानम, बासर को तेलंगाना में एक प्रमुख तीर्थस्थल के रूप में परिवर्तित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने मुधोल के विधायक जी. विट्ठल रेड्डी और एमएलसी डांडे विट्ठल के साथ गुरुवार को मंदिर में वसंत पंचमी समारोह के तहत देवी सरस्वती को रेशमी वस्त्र भेंट किए। इंद्रकरन रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना राज्य के गठन के बाद मंदिर कई पहलुओं में परिवर्तन के दौर से गुजर रहा था। उन्होंने और उनकी पत्नी विजयलक्ष्मी ने राज्य की ओर से देवता को रेशमी वस्त्र अर्पित किए और फिर विशेष प्रार्थना की। इस बीच, वैदिक पंडितों और पुजारियों ने देवी की विशेष पूजा-अर्चना की और रात 2 बजे रंग-बिरंगे फूलों से उनका श्रृंगार किया। उन्होंने इस अवसर को चिह्नित करने के लिए नवा चंडियागम और विद्यागम का भी प्रदर्शन किया। माता-पिता ने सुबह 3 बजे से मंदिर के परिसर में और अस्थायी स्थानों के तहत अपने बच्चों को अक्षराभ्यासम् या अक्षर की दुनिया में दीक्षा दी। शुभ अवसर के मद्देनजर तेलंगाना और महाराष्ट्र के लगभग 15,000 भक्तों ने मंदिर गांव का दौरा किया।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर सरकार की मुख्य सचिव शांति कुमारी ने गुरुवार को बीआरकेआर भवन में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। कार्यक्रम में शासन के विशेष मुख्य सचिवों, प्रमुख सचिवों, सचिवों, अपर सचिवों, संयुक्त सचिवों, अवर सचिवों, सचिवालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

दक्षिण मध्य रेलवे ने 74वां गणतंत्र दिवस मनाया

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने गुरुवार को यहां रेलवे स्पोर्ट्स कॉम्प्ललेक्स ग्राउंड में उत्साह के साथ 74वां गणतंत्र दिवस मनाया। समारोह में दमरे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और रेलवे सुरक्षा बल के विभिन्न दलों द्वारा प्रस्तुत गार्ड ऑफ ऑनर प्राप्त किया। अपने संबोधन में, अरुण कुमार जैन ने 74 वें गणतंत्र दिवस के महत्वपूर्ण अवसर पर पूरी रेलवे बिरादरी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि संविधान ने दुनिया के अनुकरण के लिए भारत के कद को लोकतंत्र के प्रकाश स्तंभ के रूप में स्थापित किया और कहा कि भारतीय रेलवे को प्रत्येक वर्ष राष्ट्र की विकास गाथा में अपने स्वयं के योगदान पर गर्व है, जो इसके सामाजिक और आर्थिक विकास को गति प्रदान करता है। महाप्रबंधक ने कहा कि दक्षिण मध्य रेलवे ने दर्ज की गई उपलब्धियों के मामले में वर्ष के दौरान एक बेहतर प्रदर्शन दर्ज किया है। उन्होंने आगे विस्तार से बताया कि जोन ने अप्रैल और दिसंबर, 2022 के बीच 13,787 करोड़ रुपये का सकल मूल राजस्व दर्ज किया है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान नौ महीने की अवधि में 35 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा कि इस अवधि के दौरान एससीआर की माल ढुलाई के साथ इतिहास रचा गया है, जोन की स्थापना के बाद से अब तक की सबसे कम अवधि में 100 मिलियन टन के निशान को पार करने के लिए नई ऊंचाइयों को छू रहा है। माल ढुलाई से होने वाला राजस्व भी रुपये को पार कर गया है।

उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष के दौरान केवल 9 महीने और 16 दिनों में 10,000 करोड़ का आंकड़ा है। महाप्रबंधक ने कहा कि यात्री यातायात खंड में, दमरे ने अप्रैल से दिसंबर 2022 तक 189 मिलियन का परिवहन किया है, जिससे 3,782 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 86 प्रतिशत अधिक है। सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में, ज़ोन द्वारा नियमित ट्रैक रखरखाव गतिविधियाँ की जा रही हैं, जिसे भारतीय रेलवे में शीर्ष पहचान मिली है। उन्होंने बताया कि कुल 48 मानवयुक्त समपारों को समाप्त कर दिया गया है, पुलों का निर्माण और मौजूदा लोगों का पुनर्वास 64 स्थानों पर किया गया है और पूरे क्षेत्र में 146 एक्सप्रेस ट्रेनों को महत्वपूर्ण रात्रि यात्रा समय के दौरान सुरक्षा कर्मियों द्वारा एस्कॉर्ट किया जा रहा है। इसके अलावा, अरुण कुमार जैन ने कहा कि दक्षिण मध्य रेलवे चालू वित्त वर्ष के दौरान सबसे अच्छी गति से बुनियादी ढांचे के कार्यों के निष्पादन का गवाह है, जिसमें अंतिम मील कनेक्टिविटी परियोजनाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। नई लाइनों, दोहरीकरण और तिहरीकरण के रूप में जोन के नेटवर्क में 198 किलोमीटर ट्रैक जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि दक्षिण मध्य रेलवे ने 574 किलोमीटर का रेल विद्युतीकरण पूरा कर लिया है, जो भारतीय रेलवे के सभी क्षेत्रों में सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कि क्षमता वृद्धि ने एक नई ऊंचाई को छू लिया है, जिसमें 1,743 आरकेएम के लिए 130 किमी प्रति घंटे की गति में वृद्धि शामिल है, जिसमें स्वर्णिम चतुर्भुज गोल्डन डायगोनल के साथ-साथ जोन के उच्च घनत्व मार्ग के सभी खंड शामिल हैं। अरुण कुमार जैन ने बताया कि भारतीय रेलवे का गौरव, स्वदेशी रूप से विकसित वंदे भारत एक्सप्रेस ने सिकंदराबाद और विशाखापत्तनम के बीच जोन पर अपनी दौड़ शुरू की है।

शादी से एक दिन पहले दूल्हे की दिल का दौरा पडने से मौत

आदिलाबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शादी से बमुश्किल एक दिन पहले उत्नूर मंडल केंद्र में गुरुवार को एक दूल्हे की कार्डियक अरेस्ट से मौत हो गई। उत्नूर के एक ज्वेलरी शोरूम में सुनार रावुला सत्यनारायण चारी (34) शंकरैया के इकलौते बेटे थे। गुरुवार की तड़के जब वह प्री-वेडिंग सेरेमनी में हिस्सा ले रहे थे, तब वह गिर पड़े। उन्हें उत्नूर के एक सरकारी अस्पताल में ले जाया गया, जहाँ से उन्हें आदिलाबाद के राजीव गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान में स्थानांतरित कर दिया गया। दोपहर करीब दो बजे इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। सत्यनारायण की सगाई जगतियाल के मेटपल्ली की एक लड़की से हुई थी और उनकी शादी शुक्रवार को सुबह 11 बजे तय की गई थी। शंकरैया ने कहा कि उनका बेटा एक होनहार कारीगर था और उसने अपनी दुल्हन द्वारा पहने जाने वाले विभिन्न स्वर्ण आभूषणों को भी उकेरा था।

नागरिकों को बेहतर सुविधा प्रदान कर रही है जीएचएमसी : लोकेश कुमार

डिप्टी महापौर की मौजूदगी में ऑयुक्त ने तिरंगा फहराया

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त डीएस लोकेश कुमार ने कहा कि जीएचएमसी शहर की बढ़ती आबादी को पूरा करने के लिए बुनियादी ढांचा और सुविधाएं प्रदान करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है। आयुक्त ने गुरुवार को गणतंत्र दिवस के अवसर पर जीएचएमसी मुख्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस कार्यक्रम में डिप्टी मेयर मोटे श्रीलता शोभन रेड्डी ने शिरकत की। इस अवसर पर बोलते हुए, आयुक्त ने कहा कि एसआरडीपी द्वारा हैदराबाद शहर के महानगरीय शहर के रूप में विकास के संदर्भ में समय पर गंतव्य तक पहुंचने के लिए परिवहन व्यवस्था में सुधार के लिए 42 कार्य किए गए हैं और अब तक 31 कार्य पूरे किए जा चुके हैं। इनमें से 18 फ्लाई ओवर, 5 अंडरपास और 7 आरओबी/आरयूबी उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने कहा कि शेष सभी 11 कार्य अगले वर्ष जनवरी 2024 तक पूरे कर लिये जायेंगे। उन्होंने कहा कि विश्व के शहरों के स्तर पर लोगों को सुविधाएं प्रदान करने के लिए अभिनव 29 मॉडल कॉरिडोर सड़कों को लिया गया है। उन्होंने कहा कि इन कॉरिडोर सड़कों में पार्किंग, साइकिलिंग, वेंडिंग जोन और हरियाली की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि शहर को पैदल यात्री अनुकूल शहर के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पूर्व में जहां 20 फुट ओवर ब्रिज थे, वहीं करीब 76 करोड़ की लागत से 22 नये फुट ओवर ब्रिज का निर्माण किया गया है।

सीएम केसीआर ने प्रगति भवन में फहराया राष्ट्रीय ध्वज

हैदराबाद, 26 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने गुरुवार को यहां प्रगति भवन में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर महात्मा गांधी और डॉ. बीआर अंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को याद किया। इस अवसर पर मंत्री वेमुला प्रशांत रेड्डी, सत्यवती राठौड़, सी. मल्लारेडी, एमएलसी पल्ला राजेश्वर रेड्डी, एस मधुसूदनचारी, नवीन राव, शंभीपुर राजू, मुख्य सचिव ए शांति कुमारी, डीजीपी अंजनी कुमार और मुख्यमंत्री कार्यालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बाद में, केसीआर ने सिकंदराबाद के परेड ग्राउंड में युद्ध स्मारक का दौरा किया जहां उन्होंने 74 वें गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.